मनरेगा के मुद्दे पर हमलावर अखिलेश... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

तमन्ना भाटिया ने 16 साल की... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 261 | गाजियाबाद / मंगलवार 23 दिसंबर 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

● पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से अभी और गिरेगा पारा ● रेल और हवाई यातायात प्रभावित, कड़ाके की ठंड

मौसम का सितम, ठंड से कांपा उत्तर भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हिमपात और बूंदाबांदी के साथ मैदानी इलाकों में कोहरे के साथ शीतलहर ने ठंड बढ़ा दी है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से सड़कों पर वाहन रेंगते रहे तो रेल यातायात के साथ विमानों का परिचालन भी प्रभावित हुआ। धुंध के कारण श्री माता वैष्णो देवी में कटड़ा-सांझीछत चापर सेवा प्रभावित हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दो दिनों तक न्यूनतम तापमान में वृद्धि के बाद लगातार चार दिन तक 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट का अनुमान है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में रात और सुबह के समय घना कोहरा छाया रहेगा और शीतलहर चलती रहेगी। दिल्ली के लिए ठंड और कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत से 1.3 डिग्री अधिक था, जबकि अधिकतम तापमान 18.1 डिग्री सेल्सियस रहा। हरियाणा में नारनौल तो पंजाब में गुरदासपुर सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान क्रमशः 5.2 और 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा। चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में चार दिनों तक मौसम में बदलाव के आसार नहीं हैं। राज्य के सात शहरों में कोहरा छाया रहेगा तो 25 जिलों में ज्यादा ठंड रहेगी। कश्मीर में बारिश और बर्फबारी के साथ 40 दिन की कठोर सर्दी वाले चिल्ले कलां की शुरुआत हुई। विख्यात पर्यटन स्थल सोनमर्ग, गुलमर्ग सहित कश्मीर के अन्य पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। श्रीनगर में तड़के शुरू हुआ बारिश का सिलसिला देर शाम तक जारी था। घाटी के अन्य हिस्सों में भी तेज बारिश ने लोगों को बाहर नहीं निकलने दिया। जम्मू व कटड़ा में हल्की बारिश हुई है। बर्फबारी के कारण जिला राजोरी और पुंछ को शोपियां (कश्मीर) से जोड़ने वाले मुगल मार्ग पर एहतियातन यातायात को बंद कर दिया गया है। मौसम में आए बदलाव से घाटी में दिन के तापमान में गिरावट आई है, जबकि रात का बढ़ा है।

पहले पीएम मोदी फिर अमित शाह से मिले नीतिश कुमार

● 30 मिनट तक चली मुलाकात बिहार के मुद्दों पर हुई चर्चा

पटना (एजेंसी)। बिहार में नई एनडीए सरकार के गठन के बाद पहली बार दिल्ली पहुंचे सीएम नीतिश कुमार ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। ये बैठक 30 मिनट तक चली। पीएम आवास पर हुई मुलाकात में नीतिश के साथ जदयू अध्यक्ष ललन सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। इस दौरान बिहार सरकार की प्राथमिकताओं और राजनीतिक बातें हुई। वहीं बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने बताया कि मुलाकात के दौरान

सात निश्चय योजना 3.0 को लेकर बातचीत हुई। इसके साथ ही यह भी विचार-विमर्श किया गया कि केंद्र सरकार बिहार की और किस तरह से मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद इस तरह की बैठकें सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं, जिसमें भविष्य की योजनाओं और सहयोग पर चर्चा होती है। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद सीएम नीतिश ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। शाह ने नीतिश कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया। आपको बता दें नीतिश कुमार के दो दिन के दिल्ली दौरे का आज आखिरी दिन था। इससे पहले उन्होंने कल पार्टी पदाधिकारियों के साथ मुलाकात की थी।

रूसी जनरल की मॉस्को में कार धमाके में मौत

● यूक्रेन पर हत्या का शक, पुतिन को बड़ा झटका

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के सशस्त्र बलों के ऑपरेशनल ट्रेनिंग विभाग के प्रमुख की कार धमाके में मौत हो गई है। सोमवार सुबह मॉस्को में जनरल फानिल सरवारोव की कार के नीचे विस्फोटक डिवाइस से हुए धमाके में उनकी जान चली गई। जांचकर्ताओं का कहना है कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। रूसी अफसर हमले में यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों की भूमिका की जांच कर रहे हैं। यूक्रेन की ओर से घटना पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस की टॉप क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने बताया कि सोमवार सुबह हुए धमाके में रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के ऑपरेशनल ट्रेनिंग डायरेक्टोरेट के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की जान चली गई।

पेट्रेंको ने कहा, जांचकर्ता हत्या कई एंगल से जांच कर रहे हैं। इनमें से एक यह है कि ये काम यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों ने किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या के बारे में सूचित कर दिया गया है।

वह पुतिन के करीबी अफसरों में गिने जाते थे। रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सरवारोव चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में भी उन्होंने हिस्सा लिया था। यह एक साल में रूस के किसी सीनियर मिलिट्री ऑफिसर की इस तरह से तीसरी हत्या है। हालिया महीनों में रूसी सैन्य अफसरों के वाहनों को लगातार बम धमाकों का निशाना बनाया गया है। इसी तरह के हमलों में रूस के जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक, इगोर किरिलोव, मिलिट्री ब्लॉगर मैक्सिम फोमिन और डारिया डुगिना की मौत हो चुकी है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड समझौते पर मुहर

● कारोबारियों से लेकर किसानों तक को होगा फायदा

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री लक्सन से फोन पर की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार का एक बड़ा समझौता हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से फोन पर बात की और इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने की घोषणा की। दोनों नेताओं ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन और साझा अवसर बढ़ेंगे। यह व्यापार समझौता मार्च

2025 में तब शुरू हुआ जब न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भारत आए थे। दोनों देशों ने इस समझौते को अपने आर्थिक रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उम्मीद है कि यह समझौता आर्थिक जुड़ाव को काफी बढ़ाएगा, बाजारों तक पहुंच आसान करेगा, निवेश को बढ़ावा देगा और दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। इससे नए आविष्कार करने वालों, कारोबारियों, किसानों, छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए कई सेक्टर में नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही छात्रों और युवाओं को भी नए मौके मिलेंगे। दोनों देशों के बीच जब यह समझौता लागू हो जाएगा तो न्यूजीलैंड को भारतीय सामानों पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा।

बंगाल में हुमायूं कबीर ने किया नई पार्टी का ऐलान

● दो सीटों से लड़ेंगे विधानसभा चुनाव जनता उन्नयन पार्टी होगा नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले अपनी नई पार्टी का गठन किया है। इसका नाम उन्होंने जनता उन्नयन पार्टी रखा है। बेलाडांगा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कबीर ने कुछ उम्मीदवारों के नाम बताए जिन्हें उनकी नई पार्टी राज्य में 2026 के विधानसभा चुनावों में मैदान में उतारेगी। भरतपुर के विधायक कबीर ने कहा कि वह मुर्शिदाबाद की दो सीटों, रेजिनगर और बेलडांगा से विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। कबीर ने पत्रकारों से कहा,यह पार्टी आम आदमी के लिए काम करने के लिए बनाई जा रही है। उन्होंने बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी पर भी निशाना साधते हुए दावा किया कि वह आरएसएस के साथ मिलीभगत कर रही हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के 'बाबरी मस्जिद' के निर्माण संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कबीर ने कहा कि हालांकि वे भगवत का सम्मान करते हैं।

अरुणाचल प्रदेश में चली बीजेपी की आंधी

● निकाय चुनाव में दर्ज की बड़ी जीत, कांग्रेस नहीं कर पाई वापसी

ईटानगर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों की तरह ही बीजेपी ने अरुणाचल प्रदेश में जबरदस्त जीत हासिल की है। बीजेपी ने लोकल बॉडी चुनावों में जीत दर्ज करके जहां जिला लेवल पर अपना दबदबा मजबूत कर लिया है तो वहीं इन चुनावों में कांग्रेस कांग्रेस इम्प्रेस नहीं कर पाई। चुनाव आयोग के अनुसार जिला परिषद सेगमेंट में बीजेपी ने 245 में से 170 सीटें जीती हैं। इसमें 59 बिना किसी मुकाबले के सीटें शामिल हैं। बीजेपी ने ईटानगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों में 20 में से 14 वार्ड भी जीते हैं। बीजेपी की बड़ी जीत पर अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू की

प्रतिक्रिया भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश के लोगों का विकास की राजनीति को चुना है। लोगों ने हमारे प्यारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लीडरशिप और उनके सबको साथ लेकर चलने वाले सोच को स्वीकार किया है। मैं पूरे दिल से भरोसे और विश्वास के लिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं। खांडू ने कहा है कि आपका भारी जनादेश और सपोर्ट हमें विकसित अरुणाचल बनाने के लिए नई एनर्जी और जोश से भर देता है। अरुणाचल प्रदेश में पंचायत और म्युनिसिपल बॉडी चुनाव संपन्न हो गए हैं।

चिंता मत करिए समय आने पर बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी

कोडीन कफ सिरप मामले पर विधानसभा में बोले सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कोडीन कफ सिरप के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के विधायकों को करारा जवाब दिया है। सीएम योगी ने कहा कि सिरप से अभी तक यूपी में कोई मौत नहीं हुई है। नेता विरोधी दल को सपा इस उम्र में भी उनसे झूठ बुलवा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कहा, इस मामले में एनडीपीएस मामले के तहत कार्रवाई होगी। यूपी सरकार ने कोर्ट में इस मामले को लड़ा है। उत्तर प्रदेश में जो इसके सबसे बड़े होलसेलर हैं, जिसको एसटीएफ ने सबसे पहले पकड़ा था। उसको लाइसेंस 2016 में समाजवादी पार्टी ने जारी किया था। कंपनियों में भी सख्त कार्रवाई होती है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा,यूपी के अंदर कोडीन कफ सिरप इसके केवल स्टॉकेज हैं और होलसेलर हैं। इसका यहां पर प्रोडक्शन नहीं होता है। ये मध्य प्रदेश, हिमाचल और अन्य राज्यों में होता है। मौत के प्रकरण अलग राज्यों में सामने आए हैं। कौन ऐसा व्यक्ति हैं जिसने कफ सिरप नहीं लिया, लेकिन चिकित्सीय परामर्श उसमें लिखा जाता है। सरकार ने इस मामले में सख्त कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 79 अभियोग अब तक दर्ज हुए हैं। 225 लोग नामजद हैं।

एयर इंडिया का हवा में बंद हुआ एक इंजन, डरे यात्री

● दूसरे इंजन से दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग ,ऐक्शन में डीजीसीए

335 यात्रियों को मुंबई ले जा रहा था,सांसत में फंसी रही जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से उड़ान भरकर मुंबई जा रहा एयर इंडिया का वह विमान करीब एक घंटे का सफर कर चुका था। 355 यात्रियों के साथ आसमान को छू रहे विमान में अचानक ऐसी गड़बड़ी का पता चला कि इसे तुरंत वापस दिल्ली की ओर मोड़ना पड़ा। विमान को दिल्ली में सुरक्षित रूप से उतार लिए जाने के बाद ही राहत की सांस ली जा सकी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के मुताबिक, क्रू मेंबर को दाहिने इंजन में लो ऑइल प्रेशर का पता चलने पर विमान को तुरंत वापस मोड़ा गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा,22 दिसंबर को एआई 887 दिल्ली से मुंबई की फ्लाइट के क्रू ने एक तकनीकी दिक्कत के बाद एसओपी के तहत तुरंत दिल्ली लौटने का फैसला किया। बयान में इस बात का ब्योरा नहीं दिया गया कि गड़बड़ी क्या थी।

● **ऑइल प्रेशर जीरो होना खतरनाक, लेकिन बचाव संभव-** प्लेन के इंजन में ऑइल प्रेशर जीरो होना तकनीकी रूप से बेहद गंभीर स्थिति मानी जाती है, लेकिन इसका मतलब हमेशा तुरंत क्रैश नहीं होता। ऑइल का दबाव खत्म होने पर इंजन के मूविंग पार्ट्स तक लुब्रिकेशन नहीं पहुंच पाता। यह बहुत गंभीर स्थिति होती है, लेकिन कंट्रोल में रहती है। ऑइल प्रेशर जीरो होने पर भी उड़ान जारी रखी जाती है।

राजस्थान में अरावली पर्वत बचाने के लिए आंदोलन

जोधपुर में लाठीचार्ज, कई शहरों में पुलिस-प्रदर्शनकारी भिड़े

सीकर (एजेंसी)। राजस्थान में अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन को मंजूरी मिलने से नाराज लोगों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेस और सामाजिक संगठनों के लोगों की उदयपुर कलेक्ट्रेट में पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। यहां पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को अरेस्ट भी कर लिया। सीकर में 945 मीटर ऊंचाई पर स्थित हर्ष पर्वत पर प्रदर्शन किया गया।

अलवर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- राजस्थान के लिए अरावली फेफड़े के समान है। इस फैसले को वापस लेना होगा, नहीं तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। जोधपुर में एनएसयूआई कार्यकर्ता प्रदर्शन के दौरान बेरिकेड्स पर चढ़ गए। पुलिस ने लाठी चलाकर भीड़ को खदेड़ा। 20 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृति को ही अरावली पहाड़ी माना जाएगा। इस मानक से अरावली की 90 फीसदी से ज्यादा पहाड़ियां संरक्षण के दायरे से बाहर हो जाएगी। इस फैसले के बाद अरावली को बचाने की आवाजें तेज हो गई। उदयपुर में कई संगठन कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर अरावली बचाने के लिए एकजुट हुए। कांग्रेस कार्यकर्ता, करणी सेना, फाइनेंस ग्रुप और कई समाजों के लोगों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को वापस लिया जाए, नहीं तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इस बीच कलेक्ट्रेट पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से धक्का-मुक्की भी हो गई।

अलवर में जूली बोले-अरावली को खत्म नहीं होने देंगे

अलवर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अरावली राजस्थान का फेफड़ा है। सरकार इसे खत्म करना चाहती है। मैं चैलेंज करता हूं, इस अरावली को खत्म नहीं होने देंगे। सीकर में पर्यावरण प्रेमी पवन ढाका ने कहा कि इंसान को निकालकर उसके घर को तोड़ दिया जाए, तो वह कहां पर जाएगा। इंसान तो फिर भी कोई झोपड़ी बना लेगा, लेकिन यह जीव-जंतु क्या करेंगे। अरावली को बचाने के लिए हाड़ौती पर्यावरण संरक्षण समिति व चंबल बचाओ अभियान समिति ने कोटा में आंदोलन की चेतावनी दी है। आंदोलन की रूप रेखा तैयार करने को लेकर तैयारी होगी।

दिल्ली की हवा साफ करने के मिशन में किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं : पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार राजधानी में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए बहु-स्तरीय रणनीति पर तेज़ी से काम कर रही है। बीते चार दिनों से लागू ग्रैप-4 के सख़्त प्रावधानों के सकारात्मक असर अब ज़मीन पर दिखने लगे हैं और हवा की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया जा रहा है।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम लागू होने के बाद अब तक 2 लाख से ज्यादा वाहनों की पीयूसी जांच हुई है और सर्टिफिकेट्स दिए गए। साथ ही 10,000 वाहन मानकों पर खरे नहीं उतर सके। उन्होंने कहा कि यह इस बात का साफ संकेत है कि सख्त प्रवर्तन सही दिशा में असर दिखा रहा है।

माननीय मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि सभी पीयूसी केंद्रों को आधुनिक और उन्नत मशीनों से अपग्रेड किया जा रहा है, ताकि जांच में देरी न हो और नतीजे सही रहें। इसके साथ ही पीयूसी व्यवस्था को और भरोसेमंद बनाने के लिए थर्ड-पार्टी जांच प्रणाली लागू की जा रही है। परिवहन विभाग की तकनीकी टीमें लगातार मौके पर निगरानी कर रही हैं ताकि किसी तरह की गड़बड़ी न हो।

आज से दिल्ली भर में प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों के खिलाफ अभियान और तेज कर दिया गया है। जो भी औद्योगिक इकाई वायु प्रदूषण के नियमों का उल्लंघन करती पाई जाएगी, उसे तुरंत सील किया जाएगा। 31 दिसंबर तक ओईसीएम सर्टिफिकेशन के लिए आवेदन न करने वाले उद्योगों पर भी सख्त कार्रवाई होगी।

एमसीडी और डीपीसीसी मिलकर शहर में चल रहे अवैध और अनधिकृत औद्योगिक यूनिट्स की पहचान कर रहे हैं। ऐसे सभी यूनिट्स बंद किए जाएंगे। मंत्री ने कहा, 'दिल्ली सरकार 100 प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।'

श्री सिरसा ने बताया कि धूल नियंत्रण के लिए सड़कों पर दिन-रात सफाई और पानी का छिड़काव किया जा रहा है। साथ ही लैंडफिल साइट्स पर रोजाना करीब 35,000 मीट्रिक टन कचरे की वैज्ञानिक तरीके से बायो-माइनिंग की जा रही है, ताकि पुराने कचरे के पहाड़ खत्म हों और धूल से होने वाला प्रदूषण घटे।

माननीय मंत्री ने शहर के जलाशयों को पुनर्जीवित करने की दिशा में हो रही प्रगति की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि जो जलाशय वर्षों से खत्म या अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं, उनमें से कम से कम 50 प्रतिशत को आने वाले दिनों में उनके मूल स्वरूप में वापस लाया जाए। ये जलाशय धूल को कम करने और शहर के पर्यावरण को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।'

वर्क-फ्रॉम-होम निर्देशों को लेकर मंत्री ने साफ कहा कि ग्रैप-4 के तहत 50 प्रतिशत वर्क-फ्रॉम-होम का पालन न करने वाली निजी कंपनियों पर कार्रवाई होगी। सुविधा जरूरी है, लेकिन लोगों की सेहत से समझौता नहीं किया जा सकता।

एएनपीआर कैमरों में तकनीकी खामियों की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग इस मुद्दे को देख रहा है। उन्होंने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन योजनाओं को उन्होंने संभाला, वहां भी लापरवाही रही। हमने सोचा था कि कम से कम ये कैमरे तो ठीक होंगे, लेकिन यहां भी शिकायतें सामने आ रही हैं।

सिरसा ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जो लोग दस साल तक दिल्ली पर राज कर गए और प्रदूषण, बदइंतजामी और भ्रष्टाचार छोड़ गए, वे अब सिर्फ़ पोलिटिकल टूरिस्ट जैसे फोटो खिंचवाने और कार्यक्रमों में दिखने के लिए आते हैं। उन्होंने कहा, ÷ऐसे लोगों को दिल्ली के पर्यावरण पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।÷

अंत में पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली के नागरिकों और अधिकारियों का सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और आगे भी साथ देने की अपील की। उन्होंने कहा, 'सरकार पूरी दृढ़ता से आगे बढ़ रही है। मिलकर हम दिल्ली को और साफ, सुरक्षित और स्वस्थ बना सकते हैं।'

तेज रफ्तार ऑडी कार ने कई गाड़ियों को मारी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है, जहां एक तेज रफ्तार ऑडी कार ने पहले तीन गाड़ियों को टक्कर मारी और उसके बाद ओखला फेस वन इलाके के सर्विस लेन पर सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे घुस गई। घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी जोरदार कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। वहीं कार का ड्राइवर भी सुरक्षित बाहर निकल गया। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12.30 बजे सूचना मिली कि एक कार ने कई गाड़ियों को टक्कर मारी है। सूचना मिलते ही ओखला थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को घटनास्थल पर तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हालत में मिली। जबकि ऑडी कार सर्विस रोड में खड़े ट्रक के पीछे मिली। वहीं घटनास्थल पर मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि हम अंदर बैठकर खाना खा रहे थे तभी एक जोरदार टक्कर की आवाज आई, जब बाहर निकले तो देखा कि एक कार ने ट्रक के पीछे से टक्कर मारी है, जिसमें कर का अगला हिस्सा पूरी तरह खत्म हो चुका है लेकिन ड्राइवर अंदर से सुरक्षित निकला। दूसरे प्रत्यक्षदर्शी अजीत कुमार ने कहा कि गाड़ी की रफ्तार काफी तेज थी। वहीं गनीमत रही कि सड़क पर कोई व्यक्ति नहीं चल रहा था अन्यथा यहां बड़ा हादसा हो जाता था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

अरावली को बचाने के लिए करेगी एनएसयूआई 9 जनवरी से 'साइकिल यात्रा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) अरावली के पहाड़ को बचाने के लिए 9 जनवरी से राजस्थान से दिल्ली तक साइकिल यात्रा निकालेगी। संगठन का कहना है कि यह यात्रा सरकार को चेतावनी देने और पर्यावरण संरक्षण के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से की जा रही है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट कर इस यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि अरावली को उजाड़ने का फैसला पर्यावरण और भविष्य पर सीधा हमला है। देश की सबसे पुरानी धरोहर अरावली केवल पहाड़ नहीं, बल्कि उत्तर भारत की जीवन रेखा है। वरुण चौधरी ने कहा कि अरावली की हरियाली हमारी सांसों की ढाल है। इसे काटने का आदेश आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरा है। एनएसयूआई इस यात्रा के माध्यम से गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को जोड़ने का काम करेगी और अरावली बचाने के आंदोलन को तेज करेगी।

सिख विरोधी दंगे : सज्जन कुमार के खिलाफ कोर्ट ने फैसला 22 जनवरी तक रखा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से संबंधित एक मामले में सोमवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार आरोपी हैं। विशेष न्यायाधीश दिग विनय सिंह ने मामले में अंतिम दलीलें पूरी होने के बाद 22 जनवरी के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया। कुमार को भारी सुरक्षा के बीच अदालत में पेश किया गया। फरवरी 2015 में एक विशेष जांच दल ने दिल्ली के जनकपुरी और विकासपुरी में दंगों के दौरान हुई हिंसा की शिकायतों के आधार पर कुमार के खिलाफ दो प्राथमिकी दर्ज की थीं। पहली प्राथमिकी जनकपुरी में हुई हिंसा के संबंध में दर्ज की गई थी, जहां एक नवंबर 1984 को सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। दूसरी प्राथमिकी गुरचरण सिंह के मामले में दर्ज की गई थी, जिन्हें कथित तौर पर दो नवंबर 1984 को विकासपुरी में जला दिया गया था।

बलवीर सिंह करुण को मिला साहित्य रत्न सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। साहित्य प्रेमी मंडल के तत्वावधान में वरिष्ठ समाजसेवी चौधरी जिले सिंह की स्मृति में रामनगर, शाहदरा में काव्य संध्या एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बलवीर सिंह करुण को चौधरी जिले सिंह साहित्य रत्न सम्मान तथा वरिष्ठ योगाचार्य व समाजसेवी पीतम सिंह प्रियतम को समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि रामचरण सिंह साथी ने की, जबकि मुख्य अतिथि भारत सरकार के प्रशासनिक अधिकारी के.के. पाठक रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डी.डी.सी.ए. के डायरेक्टर प्रवेश शर्मा उपस्थित रहे। समारोह में कवि पी.के. आज़ाद का काव्य पाठ हुआ और मंच संचालन डॉ. प्रवीण शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ साहित्य प्रेमी मंडल के उपाध्यक्ष एवं चौधरी जिले सिंह के सुपुत्र राजेश कुमार के स्वागत वक्तव्य से हुआ। समारोह में अनेक शिक्षाविदों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अंत में पथिक सेना अध्यक्ष परिवार के सदस्य मुखिया गुर्जर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

दिल्ली के मोहन गार्डन में सिलेंडर विस्फोट, सिपाही की बहादुरी से टली बड़ी अनहोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के द्वारका जिले के मोहन गार्डन थाना क्षेत्र में शनिवार रात सिलेंडर ब्लास्ट से अफरा-तफरी मच गई। दिल्ली पुलिस के एक जवान की सूझबूझ और अदम्य साहस ने 16 परिवारों की जान बचा ली। बिना अपनी जान की परवाह किए कांस्टेबल ने जलते सिलेंडर को खुद बाहर निकालकर आग पर काबू पाया और एक बड़े हादसे को टाल दिया। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने सोमवार को बताया कि घटना 20 दिसंबर की रात करीब 9-39 बजे की है, जब मोहन गार्डन थाना क्षेत्र की एक चार मंजिला इमारत में रसोई गैस सिलेंडर फटने की सूचना पीसीआर के जरिए मिली। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर मुकेश अंतिल तुरंत टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसी दौरान बीट ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल अनिल सबसे पहले मौके पर पहुंच गए। इमारत की एक मंजिल पर रसोई में आग की लपटें उठ रही थीं और सिलेंडर जल रहा था। हालात की गंभीरता को भांपते हुए कांस्टेबल ने बिना देर किए अकेले ही जलते सिलेंडर को रसोई से बाहर निकाला और आग बुझा दी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार इस इमारत में 16 परिवार रहते हैं। आग लगने की स्थिति में सभी को तुरंत बाहर निकाल पाना संभव नहीं था। ऐसे में कांस्टेबल अनिल की त्वरित कार्रवाई से बड़ा विस्फोट और जनहानि टल गई। कुछ ही देर बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पुलिस अधिकारियों ने कांस्टेबल अनिल के इस साहसिक कदम की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर कई जिंदगियों को बचाया है। यह घटना दिल्ली पुलिस के जज्बे, प्रतिबद्धता और कर्तव्यनिष्ठा का जीता-जागता उदाहरण है।

शराब के नशे में हुई कहासुनी बनी हत्या की वजह, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रोहिणी जिले के प्रेम नगर थाना पुलिस ने हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। घटना में एक मजदूर की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद आरोपित बिहार भागने की फिराक में था। रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने सोमवार को बताया कि 19 दिसंबर को प्रेम नगर थाना क्षेत्र से पीसीआर कॉल मिली कि एक मजदूर गंभीर हालत में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान मुकेश (45) के रूप में हुई। वह बिल्डिंग मटेरियल स्टॉक साइट पर मजदूरी करता था और मूलत- गांव जगतपुर, जिला बांका (बिहार) का रहने वाला था। प्रेम नगर थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु की। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मोबाइल क्राइम टीम और एफएसएल रोहिणी ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए। पूछताछ में निर्माणाधीन मकान के मालिक ने बताया कि घटना के बाद से दो मजदूर मुंसी राय और विशु राय लापता हैं। तकनीकी सर्विलांस और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपित आनंद विहार रेलवे स्टेशन से बिहार की ओर भाग गए हैं। पुलिस टीम ने रेलवे सुरक्षा बल के सहयोग से कई ट्रेनों की तलाशी ली। काफी मशक्कत के बाद विक्रमशिला एक्सप्रेस में दोनों की पहचान कर उन्हें बक्सर जंक्शन पर उतार लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपित मुंसी राय ने कबूल किया कि 18/19 दिसंबर की रात वह और मृतक मुकेश साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान कहासुनी बढ़ गई। आरोप है कि पहले मुकेश ने ईंट से हमला किया, जिसके जवाब में मुंसी ने भी ईंट से उसके सिर पर वार कर दिया।

'एक महीने में हिंदी सीखो, वरना पार्क में काम नहीं करने देंगे' - भाजपा पार्षद की चेतावनी पर विवाद, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मयूर विहार फेज-एक स्थित लवली पार्क से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी की पार्षद रेणु चौधरी एक विदेशी नागरिक को एक महीने के भीतर हिंदी सीखने की चेतावनी देती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद भाषा, अधिकार और व्यवहार को लेकर राजनीतिक व सामाजिक बहस छिड़ गई है।

जानकारी के अनुसार, लवली पार्क में विभिन्न सोसायटियों के बच्चों को फुटबॉल सिखाने वाले नाइजीरियाई मूल के नागरिक के साथ पार्षद द्वारा कथित बदसलूकी का मामला सामने आया है। वायरल वीडियो में पार्षद यह कहते हुए दिखाई देती हैं कि ÷जिस देश का पैसा खा रहे हो, उस देश की मातृभाषा बोलनी पड़ेगी।÷ उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि संबंधित विदेशी नागरिक एक महीने में हिंदी नहीं सीखता, तो नगर निगम अधिकारियों से कहकर उसे पार्क में बच्चों को फुटबॉल सिखाने से रोक दिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो करीब तीन दिन पुराना है, जिसे स्वयं पार्षद रेणु चौधरी ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर साझा किया था। वीडियो में पार्षद पार्क निरीक्षण के दौरान तीखे लहजे में विदेशी नागरिक से सवाल करती नजर आती हैं कि वह कई वर्षों से भारत में रहते हुए भी हिंदी क्यों नहीं सीख पाया। हालांकि वीडियो में वह विदेशी नागरिक दिखाई नहीं दे रहा है।

सूत्रों के अनुसार, संबंधित नाइजीरियाई नागरिक ने एक भारतीय महिला से विवाह किया हुआ है और वह पूर्वी दिल्ली में ही रह रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि उसने भारतीय नागरिकता प्राप्त कर ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वह व्यक्ति शुल्क लेकर बच्चों को फुटबॉल सिखाता है और सप्ताह में चार दिन प्रशिक्षण देता है। बच्चों को उसकी भाषा समझ में आती है, तभी वे उससे प्रशिक्षण ले रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद सामाजिक माध्यमों पर पार्षद को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने इसे भाषाई दबाव और नस्लीय भेदभाव से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं कि किसी भी नागरिक को जबरन कोई भाषा सीखने के लिए कैसे मजबूर किया जा सकता है। कुछ लोगों ने इसे असंवैधानिक और असंवेदनशील व्यवहार बताया है। विवाद बढ़ने के बाद पार्षद रेणु चौधरी ने अपने बयान में नरमी दिखाते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी के साथ बदसलूकी करना नहीं था। उन्होंने सफाई दी कि पार्क में सफाई के लिए जाने वाले निगम कर्मचारी अंग्रेजी नहीं समझते, जबकि विदेशी नागरिक हिंदी नहीं बोल पाता, जिससे संवाद में परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि उनका आशय केवल इतना था कि जिस देश में कोई रह रहा है, वहां की मातृभाषा का सामान्य ज्ञान होना चाहिए। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि इस मामले में न तो पार्षद की ओर से और न ही स्थानीय लोगों की ओर से कोई पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि अब तक पुलिस के पास इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं आई है। फिलहाल यह मामला सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां एक ओर भाषा और सांस्कृतिक समन्वय की बात हो रही है, वहीं दूसरी ओर व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सम्मान को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

दिल्ली सरकार के अधिकारी एआई अनुप्रयोगों में बनेंगे दक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। तकनीकी रूप से संचालित शासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी अब अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अनुप्रयोगों में दक्ष बनेंगे, जिससे दक्षता, जवाबदेही और जन सेवा में सुधार होगा। दिल्ली सरकार के योजना विभाग द्वारा नीति आयोग और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के सहयोग से शासन में एआई को बढ़ावा देना पर आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सोमवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दिल्ली सरकार में योजना विभाग के सचिव अजीमुल हक ने एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एआई सरकारी सेवाओं की पहुंच और दक्षता में काफी वृद्धि कर सकता है और नागरिकों के सवालों का त्वरित जवाब देने में सक्षम बना सकता है। यह पहल विकसित दिल्ली श्व2047 के दृष्टिकोण के साथ संरेखित है और दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के दो दर्जन से अधिक अधिकारी इसमें भाग ले रहे हैं। आईपीयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने एआई के समावेशी और जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई को सही मायने में विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए सुलभ, नैतिक और नागरिक-केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई-आधारित उपकरण पहले से ही सरकारी विभागों में शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत कर रहे हैं। शाहदरा जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह परिहार ने जिला स्तर पर नवाचारों को साझा करते हुए शासन में एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला और कहा कि एआई-आधारित समाधान नागरिकों को नियमित मुद्दों के लिए सरकारी कार्यालयों में जाने की आवश्यकता को काफी हद तक कम कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में आईपीयू के संकाय सदस्यों और देश भर के एआई विशेषज्ञों द्वारा सार्वजनिक प्रशासन, सेवा वितरण और नीति कार्यान्वयन में एआई के वास्तविक अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

डीएवी गांधीनगर दिल्ली में वीर बाल दिवस पर ओजस्वी आयोजन

दिल्ली (शिखर समाचार) डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्रमांक एक गांधीनगर में वीर बाल दिवस के अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक भव्य, गरिमामय एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें यमुना पार विकास बोर्ड के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के सह बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा, विद्यालय अध्यक्ष नरेश शर्मा, विद्यालय प्रमुख दिनेश चंद शर्मा तथा अध्यापक प्रतिनिधि सुनील जैन सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम के आरंभ में विद्यालय के नन्हे विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत प्रोत गीत कहीं पर्वत झुके भी हैं प्रस्तुत कर समूचे वातावरण को भावनात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि अरविंदर सिंह लवली ने अपने संबोधन में वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस गुरु गोविंद सिंह के छोटे साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह के अद्वितीय साहस, अडिग आस्था और सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है। अल्पायु में भी धर्म परिवर्तन से इंकार कर उन्होंने जिस वीरता का परिचय दिया, वह भारतीय इतिहास में अद्वितीय है। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा 9 जनवरी 2022 को गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी, ताकि नई पीढ़ी को साहस, सत्य, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प जैसे मूल्यों से जोड़ा जा सके।

मुख्य वक्ता सतीश शर्मा ने अपने वक्तव्य में 22 दिसंबर के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि इसी तिथि को गुरु गोविंद सिंह, स्वामी विवेकानंद की गुरुमाता शारदा देवी तथा महान गणितज्ञ रामानुज का जन्म हुआ था। उन्होंने खालसा परंपरा की व्याख्या करते हुए कहा कि खालसा का अर्थ शुद्धता से है, जो आध्यात्मिक एवं नैतिक दृढ़ता का प्रतीक है।

इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि आनंदपुर साहिब से प्रस्थान के बाद माता गुजरी अपने दो छोटे पौत्रों के साथ मोरिंडा पहुँची थीं, जहां विश्वासघात के कारण उन्हें मुगल अधिकारियों के हवाले कर दिया गया। सरहिंद के ठंडे बुर्ज में कैद किए जाने के बाद 26 दिसंबर 1705 को दोनों साहिबजादों को जीवित दीवार में चुनवा दिया गया। यह समाचार सुनकर अगले ही दिन माता गुजरी ने भी अपने प्राण त्याग दिए। उन्होंने यह भी बताया कि साहिबजादों का अंतिम संस्कार दीवान टोडरमल द्वारा स्वर्ण मुद्राएं बिछाकर खरीदी गई भूमि पर कराया गया, जिसे इतिहास की सबसे महंगी भूमि माना जाता है।

इसके पश्चात सुनील जैन ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुज के जीवन और योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रेणियां, संख्या सिद्धांत और सतत भिन्न जैसे विषयों में असाधारण कार्य किया। कम उम्र में ही गणित में महारत हासिल करने वाले रामानुज ने हजारों मौलिक सूत्र दिए, जिनकी उपयोगिता आज भी गणित और विज्ञान में बनी हुई है। उनकी जयंती 22 दिसंबर को देशभर में राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाई जाती है। विद्यालय सभागार की साज-सज्जा वसु वर्मा और नेहा गुप्ता द्वारा की गई, जबकि कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन रेणु जोशी ने किया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों में देशभक्ति, त्याग और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

नेशनल हेराल्ड मामला : हाईकोर्ट ने ईडी की याचिका पर सोनिया-राहुल से जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को ईडी की याचिका पर कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी व अन्य से जवाब मांगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोनिया और राहुल के खिलाफ आरोप पत्र पर संज्ञान लेने से इनकार करने वाले विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। न्यायमूर्ति रविंद्र डुडेजा की पीठ ने गांधी परिवार व अन्य को मुख्य याचिका के साथ-साथ ईडी के उस आवेदन पर भी नोटिस जारी किया है, जिसमें 16 दिसंबर के विशेष अदालत के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। विशेष अदालत ने कहा था कि मामले में जांच एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानून के तहत अस्वीकार्य है, क्योंकि यह प्राथमिकी पर आधारित नहीं है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मार्च, 2026 की तारीख तय की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडी की तरफ से दलील रखी, जबकि सोनिया एवं राहुल की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और आरएस चीमा ने दलील दी। बीते 16 दिसंबर को विशेष न्यायाधीश ने ईडी की शिकायत पर संज्ञान लेने से यह कहते हुए मना कर दिया था कि यह मामला किसी पुलिस एफआईआर या सीबीआई की जांच पर आधारित नहीं है, बल्कि भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की एक निजी शिकायत से उपजा है। अदालत का मानना था कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई के लिए किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा दर्ज की गई एफआईआर अनिवार्य है।

डीयू प्रोफेसर हंसराज सुमन को मिला गुरु श्रेष्ठ अवार्ड-2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोक्रेट्स सोशल रिसर्च यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में कंस्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री अरबिंदो कॉलेज के प्रोफेसर हंसराज सुमन को गुरु श्रेष्ठ अवार्ड-2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान

इंटरनेशनल ह्यूमन सोलिडेरिटी अवार्ड-2025 के अंतर्गत शिक्षा और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं दीर्घकालिक योगदान के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. के. योगेश, डीयू के प्रो. निरंजन कुमार, सेवानिवृत्त न्यायाधीश राजेश टंडन सहित अनेक शिक्षाविदों और गणमान्य अतिथियों ने उन्हें पटका, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। तीन दशकों से अधिक समय से पत्रकारिता और अध्यापन से जुड़े प्रो. सुमन आधुनिक पत्रकारिता पर आधारित पुस्तक 卐हिंदी पत्रकारिता- प्रौद्योगिकी परिवर्तन का प्रभाव卐 के लेखक हैं। सम्मान प्राप्त करने पर उन्होंने इसे पत्रकारों और शिक्षकों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। डॉ. के. योगेश ने कहा कि यह अवार्ड सामाजिक न्याय, वंचित वर्गों के सशक्तिकरण और संविधान प्रदत्त अधिकारों के प्रति जागरूकता के लिए कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया जाता है, और प्रो. हंसराज सुमन ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों पर चलते हुए इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

आदिवासी विकास निधि के दुरुपयोग का आरोप: आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री की रैलियों पर करोड़ों खर्च का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आदिवासी समाज के कल्याण हेतु निर्धारित निधि के कथित दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि गुजरात में आदिवासी समुदाय के विकास के लिए आवंटित धनराशि का उपयोग प्रधानमंत्री और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों के भव्य राजनीतिक कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं में किया गया, जिससे मूल उद्देश्य प्रभावित हुआ है।

सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने दावा किया कि आदिवासी विकास निधि से लगभग पचास करोड़ रुपये प्रधानमंत्री और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों पर खर्च किए गए। उन्होंने खर्च का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि सात करोड़ रुपये का पंडाल, तीन करोड़ रुपये का विशाल गुंबद, पाँच करोड़ रुपये का मंच, दो करोड़ रुपये जलपान व्यवस्था पर, सात करोड़ रुपये लोगों को कार्यक्रम स्थल तक लाने के लिए परिवहन व्यवस्था पर तथा दो करोड़ रुपये शौचालय और स्वच्छता पर व्यय किए गए।

अनुराग ढांडा ने सवाल उठाया कि जिन धनराशियों का उपयोग आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण और आधारभूत ढांचे के विकास में किया जाना चाहिए था, उन्हें राजनीतिक आयोजनों में खर्च करना किस प्रकार न्यायसंगत है। उन्होंने कहा कि यह आदिवासी समाज के अधिकारों के साथ अन्याय है।

इस प्रकरण पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने भी केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि जब सूचना के अधिकार के तहत प्रधानमंत्री आवास पर होने वाले खर्च की जानकारी मांगी जाती है, तो उसे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर देने से इनकार कर दिया जाता है, जबकि अन्य मामलों में आवासों से जुड़ी सूचनाएं सार्वजनिक कर दी जाती हैं। उन्होंने इसे दोहरा मापदंड करार दिया।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी इस मुद्दे पर बयान जारी करते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में लगभग बारह हजार बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। उनके उपचार, विद्यालयों और अस्पतालों के निर्माण के लिए जो धनराशि आवश्यक थी, वही पैसा प्रधानमंत्री की रैलियों पर खर्च कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब इस संबंध में सरकारी अधिकारियों से सवाल किया गया, तो धन की कमी का बहाना बनाया गया।

संजय सिंह ने कहा कि आदिवासी समाज को सम्मान और मूलभूत सुविधाओं के साथ जीवन जीने का पूरा अधिकार है। यदि सरकार के पास उनके विकास के लिए धन नहीं है, तो फिर राजनीतिक रैलियों पर करोड़ों रुपये कैसे खर्च किए जा रहे हैं।

फिलहाल इन आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी या केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि, आम आदमी पार्टी के इन आरोपों के बाद राजनीतिक हलकों में तीखी बहस और बयानबाजी तेज हो गई है।

ई रिक्शा बैटरी चोरी का पदार्फाश, दो शातिर चोर दबोचे गए

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) नगर क्षेत्र में ई रिक्शा चालकों की परेशानी बढ़ा रही बैटरी चोरी की घटनाओं पर गढ़ कोतवाली पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से चोरी की गई चार बैटरियां तथा वारदात में इस्तेमाल किए जाने वाले दो चाकू बरामद किए हैं। इस सफलता से क्षेत्र में सक्रिय चोरों के हौसले पस्त हुए हैं। कोतवाली प्रभारी मनोज बालियान ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते दिनों गढ़ नगर में कई ई-रिक्शा से बैटरियां चोरी होने की सूचनाएं मिल रही थीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम का गठन कर निगरानी और गश्त बढ़ाई गई। इसी क्रम में पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए अहाता बस्तीराम क्षेत्र से रीतिक और विशाल को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चार बैटरियां और दो चाकू बरामद हुए। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी सुनसान स्थानों पर खड़े ई रिक्शा को निशाना बनाकर बैटरियां निकाल लेते थे और उन्हें बेचने की योजना बनाते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं यह गिरोह अन्य चोरी की घटनाओं में भी तो शामिल नहीं रहा

हरिद्वार मार्ग पर भीषण सड़क दुर्घटना, चार युवकों की असमय मौत से नांगल में शोक की लहर

बिजनौर (शिखर समाचार) नांगल क्षेत्र में हरिद्वार जाने वाले मार्ग पर शनिवार को एक अत्यंत हृदयविदारक सड़क दुर्घटना घटित हो गई। सैदपुरी स्थित पेट्रोल पंप के समीप तेज गति से आ रही एक कार की सामने से आ रहे भारी वाहन से जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी प्रचंड थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते घटनास्थल पर भीड़ एकत्र हो गई।

जानकारी के अनुसार दुर्घटना में जान गंवाने वाले सभी युवक नांगल क्षेत्र के निवासी थे। मृतकों की पहचान कारी इकबाल, अशफाक, सलाउद्दीन और एहतशाम के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार बहुत अधिक गति में थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिसके चलते सामने से आ रहे डंपर से सीधी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार बुरी तरह चकनाचूर हो गई और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने शवों को वाहन से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और आगे की कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का मुख्य कारण अत्यधिक गति सामने आया है। मामले में विधिक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे सड़क पर चलते समय गति सीमा का पालन करें और सावधानी बरतें, जिससे इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पूरे नांगल क्षेत्र में शोक का माहौल है और हर आंख नम नजर आ रही है। असमय चार युवकों की मौत से क्षेत्र में गहरा दुःख व्याप्त है।

चैतन्या ने हैदराबाद इंटर आईआईटी मीट में चमकाया नोएडा का नाम

नोएडा (शिखर समाचार) नोएडा से संबंध रखने वाली प्रतिभाशाली खिलाड़ी चैतन्या मेहरोत्रा ने 58वीं इंटर IIT स्पोर्ट्स मीट, हैदराबाद में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीतकर क्षेत्र एवं शहर का नाम रोशन किया है।चैतन्या IIT मद्रास का प्रतिनिधित्व करते हुए इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में शामिल हुईं और 9.35 मीटर की प्रभावशाली शॉटपुट थ्रो के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में पहला स्थान IIT मुंबई ने 10 मीटर की दूरी तय कर हासिल किया, जबकि दूसरा स्थान IIT जोधपुर को मिला। चैतन्या मेहरोत्रा, युवा क्रांति सेना के संस्थापक सदस्य गौरव मेहरोत्रा की पुत्री हैं।परिवार नोएडा सेक्टर-93A स्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट सोसायटी में निवास करता है। उनके प्रदर्शन ने न सिर्फ नोएडा को गर्वान्वित किया है बल्कि छात्र-खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा भी प्रस्तुत की है। गौरव मेहरोत्रा ने कहा यह हमारे लिए गर्व का पल है। चैतन्या ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ यह उपलब्धि हासिल की है। परिवार और समाज के सहयोग से वह आगे और बड़ी कामयाबी हासिल करेगी। हमारा लक्ष्य है कि चैतन्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का परचम लहराए।युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने भी इस सफलता पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं और इसे क्षेत्र में खेल संस्कृति के विकास का उदाहरण बताया है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

हरनन्दीपुरम को मिला किसानों का भरोसा, अवैध खनन माफिया बेअसर

भूमि जुटान तेज, 11 बैनामे निष्पादित, 3 हेक्टेयर पर बनी सहमति

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की महत्वाकांक्षी आवासीय योजना हरनन्दीपुरम जमीनी स्तर पर तेजी से आकार ले रही है। योजना के लिए भूमि जुटान का कार्य लगातार गति पकड़ रहा है और सबसे बड़ी बात यह है कि क्षेत्र के किसान और भू-स्वामी पूरी जागरूकता के साथ प्राधिकरण का सहयोग कर रहे हैं। अवैध मिट्टी खनन में संलिप्त माफियाओं के बहकावे में आए बिना किसान स्वेच्छा से अपनी भूमि का बैनामा कर रहे हैं, जिससे योजना को मजबूत आधार मिल रहा है।

भूमि क्रय प्रक्रिया के दौरान कुछ स्थानों पर अवैध मिट्टी खनन की शिकायतें सामने आई थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण की टीम ने क्षेत्र में सघन अभियान चलाया। इसी क्रम में 20 दिसंबर 2025 को अवैध खनन में लिप्त कुछ लोगों द्वारा भीड़ इकट्ठा कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रशासनिक सतर्कता से स्थिति को तत्काल नियंत्रित कर लिया गया। प्राधिकरण ने साफ किया है कि अवैध गतिविधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इन घटनाओं के बावजूद क्षेत्र के ग्रामीणों और किसानों का रुख पूरी तरह सकारात्मक बना हुआ है। किसान हरनन्दीपुरम योजना को अपने क्षेत्र के भविष्य से जोड़कर देख रहे हैं और इसे विकास का मजबूत माध्यम मान रहे हैं। इसी विश्वास का परिणाम है कि 22 दिसंबर 2025 को लगभग 11 भू-स्वामियों द्वारा प्राधिकरण के पक्ष में बैनामे निष्पादित किए गए, जबकि ग्राम नंगला फिरोज मोहनपुर में कैम्प कार्यालय व भू-स्वामियों के आवास पर लेखपाल के माध्यम से लगभग 3 हेक्टेयर भूमि पर सहमति भी प्राप्त हुई है।

हरनन्दीपुरम को एक आधुनिक और सुनियोजित टाउनशिप के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां चौड़ी सड़कें, हरित पट्टियाँ, पार्क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ, व्यावसायिक क्षेत्र तथा मजबूत आधारभूत ढांचा उपलब्ध होगा। यह योजना न सिर्फ गाजियाबाद के नियोजित विस्तार को नई दिशा देगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और विकास के नए अवसर भी पैदा करेगी।

कुल मिलाकर हरनन्दीपुरम योजना किसानों के भरोसे और प्रशासन की सख़्ती के साथ आगे बढ़ रही है, जिससे यह परियोजना आने वाले समय में क्षेत्र के विकास की पहचान बनने जा रही है।

नगर आयुक्त ने रात्रि में किया रैन बसेरों का निरीक्षण, आश्रितों से लिया फीडबैक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ल्ली आश्रय स्थलों का औचक निरीक्षण किया और निगम की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर आयुक्त ने वसुंधरा जोन के कौशांबी क्षेत्र में स्थित स्थाई रैन बसेरे और सिटी जोन अंतर्गत पुराना बस अड्डा स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया। निरिक्षण में अलाव जलता हुआ पाया गया। इसके अलावा साफ सफाई की व्यवस्था को भी मौके पर देखा गया। वहीं बसेरे में आश्रितों से नगर आयुक्त ने बातचीत करते हुए उनका हालचाल जाना। इसके अतिरिक्त आधार कार्ड चेक करते हुए उपस्थित टीम को सुरक्षा तथा स्वच्छता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। मौके पर वसुंधरा जोनल प्रभारी एसके राय, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अशोक, जोनल प्रभारी सिटी जोन आर पी सिंह उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने हीटर की व्यवस्था की तैयारी करने के लिए भी प्रकाश विभाग को निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने रात्रि भ्रमण के दौरान बस अड्डा, गाजियाबाद रेलवे स्टेशन, कौशांबी मेट्रो स्टेशन, आनंद विहार बस अड्डा, पुराना बस अड्डा गाजियाबाद का भी दौरा किया, जिसमें आवश्यकता को देखते हुए कंबल वितरण किया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ठंड से बचाव के लिए रैन बसेरों में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिसमें निराश्रितों को न केवल ठंड में आश्रय मिल रहा है बल्कि रसोई घर, स्नान घर की व्यवस्था भी की गई है। रेन बसेरों में महिलाओं के ठहरने लिए अलग से व्यवस्था की गई है। आवश्यकता को देखते हुए अधिक संख्या में आश्रय स्थल या स्थाई रूप से आश्रय स्थल स्थापित किए जाएंगे, जिनकी मॉनिटरिंग लगातार निगम अधिकारी कर रहे है। आश्रय स्थलों में टीवी की व्यवस्था करते हुए गर्म बिस्तर लगाए गई है।

मुठभेड़ में दो हत्या आरोपी गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना अंकुर विहार पुलिस ने मुठभेड़ में 25-25 हजार के दो ईनामी बदमाश अफसर और शहजाद को गिरफ्तार किया। यह दोनों ही हत्या के आरोप मेंवांछित चक रहे थे। पुलिस ने दोनों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया, अफसर के पैर में गोली लगी और उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इन दोनों के कब्जे से चोरी की मोटरसाईकिल, 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस व 1 जिन्दा कारतूस बरामद किया। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि थाना अंकुर विहार पुलिस दिल्ली सहारनपुर हाईवे की सर्विल लेन गढी कट्टैया कट से आगे खाली प्लाट के पास चैकिंग कर रही थी। चैकिंग के दौरान सूचना मिली कि डाबर तालाब क्षेत्र में गोली मारकर हत्या करने वाले दो व्यक्ति एक मोटरसाईकिल पर सवार होकर गढी कट्टैया की तरफ से सभापुर अण्डरपास की तरफ जा रहे है। सूचना पर थाना अंकुर विहार पुलिस ने दिल्ली सहारनपुर हाईवे की सर्विल लेन पर चैकिंग शुरू की तभी एक मोटरसाईकिल पर दो व्यक्ति सवार होकर गढी कट्टैया की तरफ से सभापुर अण्डरपास की तरफ आते हुये दिखाई दिये। दोनों को रुकने का इशारा किया तो मोटरसाईकिल नहीं रोक कर पीछे बैठे व्यक्ति ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर करते हुए मोटरसाईकिल मोड कर खाली प्लाट की तरफ भागने लगे। पुलिस ने फायरिंग की तो मोटरसाईकिल के पीछे बैठे व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसे घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दूसरे व्यक्ति को भी मौके पर गिरफ्तार कर लिया। नाम पता पूछने पर पुलिस मुठभेड में घायल अभियुक्त ने अपना नाम अफसर तथा दूसरे अभियुक्त ने अपना नाम शहजाद बताया। दोनो अभियुक्त 25-25 हजार के ईनामिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने बीती 11 दिसंबर 2025 को एसएलएफ वेद विहार डीएलएफ निवासी शिवम उर्फ लालू की गोली मारकर हत्या की थी। अफसर पर लूट व चोरी के अलग-अलग राज्यो में करीब एक दर्जन मुकदमें दर्ज है। इसके अलावा पुलिस पुलिस दोनों अभियुक्तों के अन्य आपराधिक इतिहास भी पता कर रही है।

सेवा, संस्कार और शिक्षा के संकल्प के साथ नेह नीड फाउंडेशन ने मनाया पांचवां स्थापना उत्सव

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) तीर्थनगरी बृजघाट के बागड़पुर मार्ग पर स्थित नेह नीड फाउंडेशन परिसर में संस्था का पंचवर्षीय स्थापना उत्सव हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह का आरंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत नेह नीड में अध्ययनरत बालक-बालिकाओं ने देशभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनकी सराहना करते हुए उपस्थित जनसमूह ने लंबे समय तक तालियां बजाकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्व हिन्दू परिषद के मार्गदर्शक दिनेश चन्द्र ने कहा कि समाज में छिपी हुई सकारात्मक ऊर्जा को जागृत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अभावग्रस्त क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा, संस्कार और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाकर नेह नीड फाउंडेशन समाज के लिए अनुकरणीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय संस्कृति की पहचान विश्व पटल पर और अधिक सशक्त रूप से स्थापित होगी तथा समाज के प्रत्येक वर्ग की इसमें सहभागिता होगी।

कल्किधाम के संस्थापक एवं पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेह नीड से जुड़े बच्चों को दया या संरक्षण की दृष्टि से नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य निमार्ता के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेह नीड केवल एक संस्था नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को दिशा देने वाला एक स्थायी प्रयास है। यह परिसर आने वाले समय में विश्व के लिए आदर्श बने, यही भारत के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। इन बच्चों का संपूर्ण विकास ही राष्ट्र निर्माण की सच्ची साधना है।

इस अवसर पर नेह नीड फाउंडेशन की सचिव रीमा वर्मा और संस्थापक कन्हैयालाल ने संस्था के बीते एक वर्ष की गतिविधियों, उपलब्धियों और अनुभवों को बच्चों एवं उनके अभिभावकों के समक्ष साझा किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार शिक्षा के साथ साथ नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समारोह के दौरान मंच पर डॉ शिव गौड़, सीपी तेवतिया, स्वामी जीवन ऋषि, स्वामी कृष्णस्वरूपानंद, स्वामी सर्वेश्वानन्द, प्रसिद्ध कथावाचक अरविन्द भाई ओझा सहित अनेक संत महात्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुरेन्द्र सिंह चौहान, सुधीर चौहान, दिनेश गर्ग, भास्कर गर्ग, अंकित अग्रवाल, राजू भैया, कपिल शर्मा, भूषण पंडित समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों की सहभागिता रही।

जुआ खेल रहे 12 अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी पुलिस और स्वाट टीम ग्रामीण जोन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते हुए 12 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। आरोपी एक बंद मकान में संगठित रूप से अवैध जुआ खेल रहे थे। छापेमारी के दौरान मौके से पुलिस ने 52 ताश के पत्ते और 3 लाख 52 हजार 60 रुपये नगद बरामद किए। इसमें 51 हजार 740 रुपये माल फड़ से जबकि 3 लाख 320 रुपये अभियुक्तों की जमा तलाशी से पुलिस ने पकड़े। गिरफ्तार अभियुक्तों में फैजान, रवि कुमार, शाहआलम, दानिश, वाजिद, शमीम, दानिश द्वितीय, आसिफ, प्रवींद्र, आरिफ, शफीक और इमरान शामिल है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक बंद मकान के अंदर जुआ खेला जा रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 12 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से लाखों रुपए की नगदी भी बरामद की है। सभी आरोपी थाना लोनी क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों के निवासी हैं। सभी के खिलाफ थाना लोनी में धारा 112 बीएनएस और 3/4 जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल में अंतरविद्यालयीय वाद विवाद कौशल कार्यशाला एवं प्रतियोगिता सम्पन्न

गाजियाबाद (शिखर समाचार) नेहरू वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद में वाद विवाद कौशल कार्यशाला एवं अंतरविद्यालयीय प्रतियोगिता का प्रभावशाली आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित वाद विवाद प्रारूप पर आधारित रही, जिसमें प्रतिभागी टीमों के बीच निरंतर तर्क, प्रत्युत्तर और विषयगत विश्लेषण की सक्रिय प्रक्रिया देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान बौद्धिक उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत सीनियर स्कूल की प्रधानाचार्या मंजुला सिंह के स्वागत उद्बोधन से हुई। उन्होंने प्रतिभागी विद्यालयों और निर्णायक मंडल का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में विचारों को स्पष्ट, तथ्यपूर्ण और आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करना है। साथ ही छात्रों को यह भी सीख मिलती है कि वे असहमति को शालीनता और तर्क के आधार पर कैसे व्यक्त करें। उन्होंने श्रोताओं की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जागरूक श्रोता ही स्वस्थ विमर्श की आधारशिला होते हैं।

प्रतियोगिता से पूर्व 11 दिसंबर 2025 को एक ऑनलाइन वाद-विवाद कौशल कार्यशाला आयोजित की गई थी, जिसमें सभी प्रतिभागी विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इस कार्यशाला में प्रतियोगिता के नियमों की विस्तार से जानकारी दी गई तथा एक प्रभावी वक्ता और तर्ककर्ता के गुणों पर प्रकाश डाला गया। इसके माध्यम से गाजियाबाद, गुरुग्राम, दिल्ली, नोएडा, वाराणसी और प्रयागराज के छात्रों को वाद-विवाद की नवीन और व्यावहारिक पद्धतियों से परिचित कराया गया। निर्णायक मंडल में स्मृति राजोव शर्मा, यजुर डोलवानी और मोहित हुड्डा शामिल रहे। प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों कक्षा छह-सात, कक्षा आठ, नौ तथा कक्षा दस से बारह में विभाजित किया गया। प्रत्येक वर्ग के लिए समाज, शिक्षा व्यवस्था और विद्यालयी जीवन से जुड़े तीन तीन विषय निर्धारित किए गए, जिन पर छात्रों ने पक्ष और विपक्ष में सशक्त तर्क प्रस्तुत किए।kइस प्रतियोगिता में कुल बारह टीमों ने भाग लिया। इनमें नेहरू वर्ल्ड स्कूल, उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स, खेतान वर्ल्ड स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल गुरुग्राम, दिल्ली पब्लिक स्कूल नोएडा, एलन हाउस पब्लिक स्कूल वसुंधरा, गौर इंटरनेशनल स्कूल, जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल, अहल्कोन इंटरनेशनल स्कूल दिल्ली, लॉरेल्स इंटरनेशनल स्कूल प्रयागराज, सनबीम स्कूल लहरतारा वाराणसी तथा सनबीम स्कूल वरुणा वाराणसी शामिल रहे। तीनों वर्गों में उत्कृष्ट वक्ताओं को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कक्षा छह सात वर्ग में आरित जैन (एलन हाउस पब्लिक स्कूल वसुंधरा), कक्षा आठ नौ वर्ग में आरनी महेन्द्र तथा कक्षा दस से बारह वर्ग में दक्षराज सिंह (नेहरू वर्ल्ड स्कूल) और समृद्धि सिंह (एलन हाउस पब्लिक स्कूल वसुंधरा) ने संयुक्त रूप से श्रेष्ठ वक्ता का स्थान प्राप्त किया। समग्र रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सनबीम स्कूल लहरतारा वाराणसी को विजेता टीम घोषित कर ट्रॉफी प्रदान की गई। श्रेष्ठ वक्ताओं को टैबलेट, ध्वनि यंत्र, बैग और पुस्तकें पुरस्कार स्वरूप दी गईं, जबकि अन्य सभी प्रतिभागियों को पुस्तकें और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने न केवल अपने तर्कों को तथ्यों के साथ प्रस्तुत किया, बल्कि विरोधी पक्ष के विचारों का सटीक और संतुलित खंडन भी किया।

कार्यक्रम के समापन पर जूनियर स्कूल की प्रधानाचार्या पूनम गैरोला ने सभी अतिथियों, निर्णायकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जीत या हार से अधिक महत्वपूर्ण सीखने की प्रक्रिया है, क्योंकि प्रत्येक अनुभव विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और बेहतर बनने का अवसर देता है।

योगी बोले : देश में दो नमूने, एक दिल्ली, दूसरा लखनऊ में

अखिलेश ने कहा: यह आत्मस्वीकृति, भाजपा की आपसी खींचतान चौराहे पर न लाएं

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आज दूसरा दिन है। प्रश्न काल के दौरान सीएम योगी ने कफ सिरप मामले में सपा के आरोपों पर कहा- प्रश्न क्या है, मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं। पूरा अध्ययन करके आना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कोडीन के मुद्दे को उठाया है, लेकिन मैं आपकी इस मजबूरी को समझता हूं। एक कहावत है- चोर की दाढ़ी में तिनका। उन्होंने नाम लिए बिना कहा- देश के अंदर दो नमूने हैं, एक दिल्ली में और एक लखनऊ में बैठते हैं। जब देश में कोई चर्चा होती है तो वो देश छोड़कर चले जाते हैं। मुझे लगता है कि यही आपके बउआ के साथ भी होता है। वह फिर इंग्लैंड सैर सपाटे पर चले जाएंगे और आप यहां चिल्लाते रहेंगे। योगी के बयान के 40 मिनट बाद ही अखिलेश ने पलटवार किया। पर लिखा- आत्म-स्वीकृति... किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग मयार्दा की सीमा न लांघें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातानी को चौराहे पर न लाएं। इससे पहले योगी ने कहा- प्रदेश में कोडीन कफ सिरप से कोई मौत नहीं हुई है। 2016 में इसके सबसे बड़े होल सेलर को सपा ने ही लाइसेंस दिया था। पढ़ाई-लिखाई से आपका कोई वास्ता है नहीं, इस कारण आप इस तरह की बात करते हैं। अखिलेश के सिरप माफियाओं पर बुलडोजर चलाने के चैलेंज पर कहा कि चिंता मत कीजिए। समय आने पर बुलडोजर एक्शन भी होगा। उस समय चिल्लाना नहीं। कोडिन कफ सिरप मामले पर योगी ने कहा- विभोर राणा को लाइसेंस समाजवादी पार्टी ने दिया था। आलोक सिपाही (इस मामले में एक आरोपी) की अखिलेश के साथ कुछ गिफ्ट देते हुए तस्वीरें वायरल हुई थीं। हमने ठउ्ढर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। हमारी कार्रवाई अभी भी जारी है। हमने अब तक 77 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। योगी ने विपक्ष से कहा- मैं आपका दर्द समझता हूं। क्योंकि जब सरकार की कार्रवाई अपने आखिरी स्टेज पर पहुंचेगी, तो आप में से कई लोग 'फातिहा' पढ़ने जाएंगे। हम आपको ऐसी हालत में भी नहीं छोड़ेंगे कि आप 'फातिहा' पढ़ सकें। हम ऐसी ही कार्रवाई करेंगे। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय खड़े हुए। उन्होंने कहा- सीएम सदन के सम्मानित नेता हैं, लेकिन उनकी वाणी देखिए। आपने कहा कि दो नमूने हैं- एक अखिलेश और दूसरा राहुल गांधी। इस पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सीएम ने किसी का नाम नहीं लिया है, आप क्यों खुद पर ले रहे हैं। यह सुनते ही सपा विधायक हंगामा करने लगे। समझाने पर भी नहीं माने तो सतीश महाना ने कहा कि एक आदमी नारा लगा रहा था। आप गलत बयानी कर रहे हैं। आप कह रहे हैं कि सैकड़ों मौतें हुई तो नाम बताइए। इसके बाद सपा ने वॉकआउट कर लिया। इससे पहले विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सपा विधायकों ने कोडीन सिरप कांड पर चर्चा की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। मंजूरी नहीं मिली तो विधायक भड़क गए और वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा- कोडीन सिरप से यूपी में एक भी मौत नहीं हुई है। विपक्ष माहौल खराब कर रहा है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा- सरकार के पक्ष से यदि मैं संतुष्ट नहीं होता हूं तो जरूर चर्चा कराऊंगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा- अगर आप लोग अपनी सीट पर वापस नहीं गए तो मुझे कार्रवाई करनी पड़ेगी। उन्होंने सपा के विधायकों से वेल से अपनी सीट पर जाने का आग्रह किया। इसके बाद विधायक अपनी-अपनी सीट पर लौट गए। मंत्री संजय निषाद ने कहा कि वंदेमारम् का सम्मान करना किसी दल का एजेंडा नहीं। अंग्रेज जल मार्ग से आए थे और हमारे निषाद समाज के लोगों ने सबसे पहले उनका विरोध किया था। अंग्रेजों की 300 नाव को कानपुर के पास डुबोकर हमारे समाज के लोगों ने मारा था। सपा विधायक अतुल प्रधान ने कहा कि वंदेमातरम की बात आती है, तो अंदर देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो जाते हैं। मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूं कि इस चर्चा में शामिल होने का मौका मिला। सुखद संयोग है कि 1857 क्रांति का उद्गम हुआ, वहीं से हमें भी आवाज बनने का मौका मिला। ये दूसरे के नेताओं और महापुरुषों को अपना नाम देने का काम करते हैं। संविधान सभा ने सर्वसम्मति से वंदेमातरम् को अपनाया। सपा विधायक रागिनी सोनकर ने कहा- जिस समय देश का हर गुलाम अंग्रेजों की गुलामी कर रहा था, बंगाल के कोने से आवाज आई वंदेमातरम्। आजादी की लड़ाई का हथियार बना। ये किसी जाति विशेष या धर्म विशेष के लोग नहीं थे। आज राष्ट्रगीत के 150 साल पूरे होने पर चर्चा करा रहे हैं। क्या सरकार इसकी मान-मयार्दा समझती है? इस सरकार में आई लव कृष्ण कह सकते हैं। आई लव मोहम्मद कहने पर बच्चों को गिरफ्तार किया जाता है। क्या ये है वंदेमातरम्? इसके बाद रागिनी सोनकर ने गाना गाया- मैं शब्द चढ़ाती हूं, हिंद जिनकी जान था, नाम हिंदुस्तानी, जिनका मजहब हिंदुस्तान था...। बसपा विधायक उमाशंकर सिंह ने कहा- वंदेमातरम् को राष्ट्रगीत के रूप अपनाने का निर्णय संविधान सभा ने लिया था। नुक्कड़ सभाओं पर इस तरह की चर्चा होती है। माता प्रसाद पांडे अध्यक्ष हुआ करते थे, उनसे सीखते हैं। संस्कृत और बांग्ला भाषा में लिखा गया था। कई बार प्रतिबंधित किया गया। अंग्रेज इससे डरते थे, उतना ही क्रांतिकारियों के दिलों में आग जलती थी। इस पर कोई विवाद तो होना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक फायदा नहीं लेना चाहिए। हम कहेंगे कि सार्थक चर्चा होनी चाहिए, जिससे युवा पीढ़ी इस गीत के महत्व को समझे। सदन के सबसे बुजुर्ग सपा विधायक आलमबदी ने कहा कि ये सदन एक परिवार है। किसी दल या जाति के रूप में नहीं जाना। इस तरह की छींटाकशी होती है, तो अच्छा नहीं लगता। ये कंट्रोवर्सी मामला रहा है। 1997 में भाजपा की सरकार बनी। भाजपा के शिक्षामंत्री ने सर्कुलर जारी कर दिया था कि स्कूलों में क्लास शुरू होने से पहले लागू किया जाए।

फूल माला से जेडीयू विधायक पप्पू पाण्डेय का हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बिहार प्रांत के गोपालगंज जिले के कूचाय कोट से लगातार छठवीं बार विधायक व जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता बाहुबली विधायक अमरेंद्र पाण्डेय उर्फ पप्पू पाण्डेय का कुशीनगर आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। रविवार की देर शाम विधायक श्री पांडेय कसया गांधी चौक पहुंचे जहां नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल व पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ. प्रियेश त्रिपाठी सहित युवाओं ने अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा समर्थक दल के प्रदेश उपाध्यक्ष गुफरान बख्शी के नेतृत्व में माल्यार्पण किया गया। श्रीराधा - कृष्ण का चित्र व बुके देकर स्वागत किया। साथ ही अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा सहित विभिन्न दलों के सैकड़ो समर्थक व कार्यकर्ताओ ने भी लोकप्रिय विधायक का स्वागत किया। स्वागत से अभिभूत विधायक श्री पांडेय ने सभी के प्रति धन्यवाद व शुभकामनायें व्यक्त की। विधायक श्री पाण्डेय रविवार को दिल्ली से विमान द्वारा गोरखपुर एयरपोर्ट पर आए और सड़क मार्ग से कुशीनगर पहुंचे। उनका कुशीनगर स्थित होटल पथिक निवास, गाँधी चौक आदि जगहों पर स्वागत किया गया। ' स्वागत के दौरान एड. विपिन तिवारी, सभासद टिंकू मिश्रा, दिनेश तिवारी भोजपुरिया, बलराम सिंह, धन्नू पाण्डेय, अरमान खान, अमरुद्दीन अंसारी, बलराम सिंह, अनूप तिवारी, राहुल सिंह, राणा शाह, मणिकेश तिवारी, सरफराज सिक्की,सरफराज अंसारी सभासद प्रतिनिधि, सलीम अंसारी, अमन खान, सोनू जायसवाल, इरफान बख्शी, युसूफ अंसारी मौजूद रहें।

शौर्य सिंह की विस्फोटक पारी से लखनऊ सेमीफाइनल में

संवाददाता

कुशीनगर। जनपद के पावानगर स्थित महावीर इंटर कॉलेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 20 वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे मैच में क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोधगया इलेवन बिहार को 53 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। लखनऊ के शौर्य सिंह को उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। सोमवार को सुबह 10 बजे शुरू हुए मुकाबले में बिहार के कप्तान विजय कुमार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ टीम की शुरूआत अच्छी रही, हालांकि निचले क्रम के बल्लेबाज जल्दी आउट होते चले गए। इसके बावजूद लखनऊ की टीम ने निर्धारित 25 ओवरों के मैच में 21 ओवर की अंतिम गेंद पर सभी विकेट खोकर 234 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लखनऊ की ओर से शौर्य सिंह ने महज 27 गेंदों पर सात छक्के और छह चौकों की मदद से 75 रनों की आतिशी पारी खेली। कुशाग्र सिंह ने 16 गेंदों पर दो छक्के और चार चौकों की मदद से 30 रन बनाए। वहीं संकेत मौर्य ने 27 गेंदों पर एक छक्का और चार चौकों की मदद से 30 रन जोड़े। प्रियांशु पाण्डेय और समीर अंसारी ने भी 27झ27 रनों का योगदान दिया। बिहार की ओर से गेंदबाजी में अतुल प्रकाश ने पांच ओवर में 55 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि निकू लालमणि कुमार ने दो विकेट झटके। राहुल कुमार, आदित्य राज और गौतम विजय कुमार को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बोधगया इलेवन बिहार की टीम की शुरूआत बेहद खराब रही और 28 रन पर हीमें उसके तीन विकेट गिर गए। चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। पूरीगार टीम 23वें ओवर की चौथी गेंद पर 178 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। बिहार की ओर से गौतम विजय कुमार ने 62 गेंदों पर चार छक्के और चार चौकों की मदद से 57 रन बनाए। आदित्य राज ने 20 गेंदों पर चार छक्के और छह चौकों के साथ 50 रन, जबकि अतुल प्रकाश ने 29 गेंदों पर तीन छक्के और तीन चौकों की मदद से 34 रनों का योगदान दिया। लखनऊ की ओर से गेंदबाजी में कप्तान हसन अख्तर, मनीष शर्मा और सत्यम पाण्डेय ने दो-दो विकेट लिए, जबकि आकाश श्रीवास्तव, अतीफ साजीद और कुलदीप चौहान को एक-एक सफलता मिली। शौर्य सिंह को उनकी शानदार 75 रनों की पारी के लिए मुख्य अतिथि भाजपा नेता जितेन्द्र प्रताप राव ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार स्वरूप पांच हजार रुपये नकद एवं ट्रॉफी प्रदान की। मैच में अंपायरिंग यूपीसीए के अंपायर संतोष सिंह और सतीश पाण्डेय ने की, जबकि थर्ड अंपायर एपी सिंह रहे। स्कोरिंग अंतरराष्ट्रीय स्कोरर एसपी सिंह ने की। कमेंट्री मोहम्मद आलम,एक गुड्डू पाण्डेय और आईपीएल कमेंटेटर सुमित कुमार मिश्रा ने की। मैच का लाइव प्रसारण एचडी और सचिन की टीम द्वारा किया गया। ने इस अवसर पर आयोजन समिति के संरक्षक रिटायर्ड आरटीओ अजय त्रिपाठी, अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, डा. रामानुज पाण्डेय, कुंवर शाही, सत्यम त्रिपाठी, शुभम त्रिपाठी, टीएन राय, शिवशंकर तिवारी, डा. केपी सिंह, राजन शुक्ला, भाजपा नेता मनोज चौबे, विनीत कुमार बंटी, आजाद अंसारी, प्रदीप सिंह, उदयभान सिंह, कबीन्द्र सिंह, गुड्डू चौहान, पिंटू राय, मनीष ओझा, राहुल सिंह, चन्दन दूबे, सुनील प्रजापति, सऊद अली, गोबिंद यादव, दारोगा, अशरफ अंसारी, खुर्शीद आलम, पिंटू सिंह, भास्कर राय, पंकज ओझा, मोनू इराकी, राजन मिश्रा सहित खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

नपाप कुशीनगर में पहली बार कर पर 10% छुट

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर द्वारा बीते शनिवार को नपा बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत नगर वासियों को राहत देते हुए कर जमा करने पर 10 प्रतिशत की छुट दी गई है। यह करदाताओं के लिए स्वर्णिम अवसर है। इसके लिए बकायेदार 22 दिसंबर से 31 जनवरी 2025 तक अपना फॉर्म भरकर छूट का लाभ उठा सकते हैं। उक्त जानकारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से देते हुए नपाप कुशीनगर की अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला ने बताया कि कर के बकायेदार या जिन्होंने अबतक फार्म नहीं भरा है। वह अपना फॉर्म भरकर लाभ उठा सकते हैं।

आजादी के आंदोलन में कविता की भूमिका विषयक गोष्ठी आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में कवियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। अपनी ओजस्वी, राष्ट्रप्रेरक और जनजागरण से भरपूर कविताओं के माध्यम से कवियों ने जन-जन में गुलामी के खिलाफ खड़े होने और देश की आजादी के लिए सर्वस्व बलिदान करने का जज्बा पैदा किया। यह विचार कस्बे के जूनियर हाई स्कूल परिसर में सामाजिक संस्था सजग प्रहरी द्वारा आयोजित ह्यआजादी के आंदोलन में कविता की भूमिकाह्न विषयक गोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पाण्डेय ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में कविताओं ने पूरे देश में देशप्रेम की लहर पैदा की, जिसके परिणामस्वरूप विदेशी हुकूमत को हर स्तर पर विरोध का सामना करना पड़ा और अंततः भारत आजाद हुआ। गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी कुंवर उपेंद्र सिंह ने कहा कि कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से आजादी के लिए ऐसा जुनून पैदा किया, जिसका प्रभाव जन-जन में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। विशेषकर राष्ट्रवादी कवियों ने पूरे देश को गुलामी के खिलाफ खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान और रामधारी सिंह दिनकर जैसे कवियों का योगदान हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा। विशिष्ट अतिथि केदार सिंह ने कहा कि कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से भारत में राष्ट्रवाद की भावना का संचार किया, जिसका प्रतिफल देश की आजादी के रूप में सामने आया। आयोजक नंदलाल विद्रोही ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी ओजस्वी रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर रविन्द्र सिंह, राजेश सिंह, महबूब मंजर, हीरालाल गुप्ता, रामेश्वर कुशवाहा, असगर अली, शंकर सिंह, जटाधारी सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्व. पं. वंश बहादुर तिवारी की पुण्यतिथि पर सम्मानित हुए लोकतंत्र रक्षक सेनानी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर स्थित गांधी घर परिसर में प्रसिद्ध समाजसेवी, लोकतंत्र रक्षक सेनानी, पत्रकार स्व. पं. वंश बहादुर तिवारी की 19 वीं पुण्यतिथि शिद्दत के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्व. पं. तिवारी के चित्र पर गणमान्य जनों ने पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सोमवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय उर्फ गुड्डू पांडेय ने श्रद्धांजलि सभा आयोजन को लेकर उनके परिजनों को धन्यवाद देते हुए कहा कि स्व. तिवारी की स्मृति मेरे परिवार से जुड़ी है। वह सामाजिक परिवर्तन और सुधार के लिए चिंतित रहते थे। उनके बताए मार्ग पर चलना सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि समाज में उपेक्षित कष्ट मय जीवन जी रहे बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान कैसे आए उसपर चिंतन करना होगा और उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा।उपजिलाधिकारी डॉ संतराज सिंह बघेल ने स्व. तिवारी के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। यही स्व. तिवारी जी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने स्व. तिवारी के साथ बीते पल की स्मृतियों की साझा करते हुए बताया कि उनके विचारों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लोकतंत्र रक्षक सेनानी दीनानाथ यादव, नन्द किशोर मिश्र, बंका सिंह ने स्व. तिवारी के साथ आपातकाल के संघर्ष के दौरान की स्मृतियों को सुनाया। इसी क्रम में पूर्व विधायक नन्द किशोर मिश्र, पं. वीरेंद्र तिवारी, एड. बद्री नारायण दूबे, बार संघ अध्यक्ष ओंकार नाथ पांडेय, अधिवक्ता फूल बदन यादव, केदार नाथ सिंह, शैलेन्द्र दत्त शुक्ला आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर भजन कीर्तन और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। स्व. तिवारी की पत्नी और परिजनों ने जनता इंटर कालेज धुरिया में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि श्री पांडेय सहित अतिथियों ने लोकतंत्र सेनानियों का माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत रामायणी देवी, सुपुत्र दिनेश कुमार तिवारी भोजपुरिया ने किया जबकि संचालन सुपुत्र एड. कृष्ण कुमार तिवारी ने किया। इस दौरान तहसीलदार धर्मराज सिंह, एड. उपेंद्र तिवारी, एड, केदार राय, अमरचंद जायसवाल, सुरेश गुप्ता, राजू मद्धेशिया, पुण्य प्रकाश तिवारी, धीरज राव, अमिय गुप्ता, डॉ संजय सिंह, संतोष सिंह, कुश मद्धेशिया, संतोष पाठक, सचिन पाठक, किरन सिंह, डॉ. सीमा गुप्ता, नीतीश यादव, राजेश मद्धेशिया, आदित्य तिवारी सहित ब्रह्म कुमारी बहनें और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

प्रतियोगिताओं से बच्चों में होता है ऊर्जा का संचार: अजय लल्लू

संवाददाता

कुशीनगर। डॉ सी बी रमन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में 221बच्चो को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार साइकिल अंशिका मद्धेशिया संस्कृति पब्लिक स्कूल द्वितीय पुरस्कार सीलिंग फैन जीएस एजुकेशनल एकेडमी साखोपार तथा तृतीय पुरस्कार सरस्वती ज्ञान मंदिर साखोपार में दिया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अजय कुमार लल्लू ने कहा कि बच्चो में शिक्षा के प्रति जागरूकता के लिए प्रतियोगिताओं से ऊर्जा का संचार होता है। विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष कांग्रेस रविन्द्र विश्वकर्मा उर्फ राधे ने कहा कि प्रतियोगिता से बच्चों के व्यक्तित्व में निखार आता है। महिला जिलाध्यक्ष श्रीमति वृंदा प्रजापति ने नारी शिक्षा को बढावा देने पर जोर दिया। संचालन धीरज राव ने किया। आयोजक बृजेश जायसवाल ने स्वागत गीत के माध्यम से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस मनोज सिंह कसया ब्लॉक अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, सीमा भारती, प्रबंधक मनीष सिंह, प्रिंसिपल राजन गुप्ता, राजा सर, अजीत सिंह अवधेश राय, सह आयोजक रोहित गोंड, अनीश सर, भोला, आकाश कुमार गोंड, अध्यापक, अभिभावक, बच्चे उपस्थित रहे हैं।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

संवाददाता

हमीरपुर। गोहांड में महानिदेशक स्कूल शिक्षा राज्य परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देशनुसार उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के मौके देने के साथ ही विज्ञान/गणित और प्रौद्योगिकी को लोगों तक पहुंचाने के मकसद से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने अविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विकास खण्ड गोहाण्ड के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बालक, बालिकाओं ने हिस्सा लिया। विज्ञान क्विज प्रतियोगिता खण्ड शिक्षा अधिकारी गोहाण्ड शैलेश कुमार के दिशा निर्देश में ए.आर.पी. राम जीवन, महेन्द्र कुमार आयोजित की गई। प्रतियोगिता में चयनित शिवा उच्च प्राथमिक विद्यालय रावतपुरा स्थान प्रथम, नैन्सी उच्च प्राथमिक विद्यालय रहॅंक द्वितीय स्थान, मुस्कान उच्च प्राथमिक विद्यालय जखेडी तृतीय स्थान प्राप्त किया इनके अतिरिक्त 40 अन्य बाल वैज्ञानिक शील्ड, पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र पाकर चेहरे खिल उठे कार्यक्रम के दौरान संजय सिंह, राजा बाबू, सौरभ त्रिपाठी,डालचन्द्र सहित सभी बीआरसी स्टॉप मौजूद रहा।

फतेहपुर में बोलीं राज्यपाल आनंदीबेन: एसआईआर का विरोध न करें, घुसपैठियों को बाहर निकाला जा रहा

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सोमवार को फतेहपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया। इसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट वितरित की गईं, महिलाओं को पोषण किट दिए गए और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी व्यवस्था पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि शून्य से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी केंद्र सबसे महत्वपूर्ण आधार हैं, लेकिन लंबे समय तक इन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े कॉलेज, विश्वविद्यालय और अधिकारियों के भवन तो सुविधाओं से युक्त हैं, लेकिन जहां छोटे बच्चे पढ़ते और आते हैं, वहां आवश्यक सुविधाओं का अभाव रहा। इसी कमी को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने की पहल की गई। राज्यपाल ने बताया कि वर्ष 2019 में पदभार संभालने के बाद आंगनबाड़ी और प्राथमिक विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। बजट की सीमाओं को देखते हुए जनसहयोग के माध्यम से कार्य शुरू किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 50 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों में 22 से 25 हजार रुपये मूल्य के करीब 22 प्रकार के आवश्यक संसाधन पहुंचाए जा चुके हैं। उन्होंने अपने संबोधन में बेटियों को एचपीवी वैक्सीन दिए जाने के अभियान का भी उल्लेख किया।

आग में लिपटा बच्चा 100 मीटर तक भागा

अलीगढ़। रविवार रात एक बच्चा आग की लपटों में घिरा हुआ गली में 100 मीटर तक भागता रहा। उसकी चीख सुनकर आसपास के लाग दौड़े। लोगों ने पहले उसके कपड़े फाड़कर फेंक दिए। फिर अपने कपड़ों से उसकी आग बुझाई। बच्चा दर्द से कराहता रहा। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के बाद उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। दरअसल, कड़ाके सर्दी की वजह से थाना रोरावर क्षेत्र के मोहल्ला माबूद नगर में गली के कोने पर कुछ लोगों ने लाव जलाया था। काफी देर तक लोग वहां अलाव तापते रहे। बाद में जाते समय वो आग बुझाना भूल गए। पास में आग सुलगाने के लिए रखी एक पेट्रोल की बोतल भी पड़ी रह गई। तभी गली में दो मासूम बच्चे खेलते-खेलते अलाव तक पहुंच गए। उन्होंने खेल-खेल में पेट्रोल की बोतल उठाई और अलाव पर रख दिया। इस दौरान तेज धमाका हुआ और बच्चा आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते बच्चा आग की लपटों में घिर गया। आग का गोला बना बच्चा जान बचाने के लिए भागने लगा। वह गली में करीब 100 मीटर तक चीखता हुआ भागा। तभी आसपास के लोगों ने उसे पकड़ लिया और आग बुझाकर उसे अस्पताल ले गए। घटना का पूरा मंजर पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। माबूद नगर के निवासी सादेव ने बताया- रविवार रात 8 बजे गली में कुछ लोगों ने अलाव जलाकर रखा था। एक घंटे तक आग तापने के बाद वे वहां से चले गए। आग जलती रही। तभी मेहंदी का बेटा फैजान (5) और अकील की बेटी सिदरा (5) वहां खेलते हुए पहुंचे। वे अपने मामा के निकाह में शामिल होने आए थे।पास में आग जलाने के लिए पेट्रोल की बोतल रखी थी। फैजान ने बोतल को उठाया और आग पर रख दिया। जोर से धमाका हुआ। आग की ऊंची लपटें उठी।

नीमराना मॉडल से सीखेगा यमुना प्राधिकरण, जापानी औद्योगिक नगरी के विकास की दिशा में अहम पहल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने प्रस्तावित जापानी औद्योगिक नगरी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी क्रम में प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के नीमराना में विकसित जापानी औद्योगिक क्षेत्र का गहन अध्ययन किया। इस अध्ययन दौरे का उद्देश्य वहां अपनाई गई योजना, अवसंरचना विकास और निवेश प्रबंधन की सफल कार्यप्रणाली को समझना रहा, ताकि उसी अनुभव को यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आर के सिंह ने किया। नीमराना में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता भी उन्होंने ही की, जबकि बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेन्द्र कुमार भाटिया ने सह-अध्यक्ष की भूमिका निभाई। इस दौरान राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम के अधिकारी, ईपीसीएमडी इंडिया के कार्यकारी निदेशक तथा परामर्श एजेंसी अर्न्स्ट एंड यंग के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। बैठक में नीमराना स्थित जापानी औद्योगिक क्षेत्र के विकास की पूरी यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। अधिकारियों ने बताया कि किस प्रकार जापान की

औद्योगिक इकाइयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भूमि उपयोग, क्षेत्र विभाजन और बुनियादी सुविधाओं की योजना तैयार की गई। चर्चा के दौरान निवेशकों को आकर्षित करने के लिए दिए गए वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रोत्साहनों, सरल प्रक्रियाओं और समयबद्ध अनुमोदन व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसके साथ ही जापानी कंपनियों की लॉजिस्टिक्स, विद्युत, जलापूर्ति और अन्य उपयोगिताओं से जुड़ी अपेक्षाओं को पूरा करने के व्यावहारिक तरीकों पर भी विस्तार से मंथन हुआ। तकनीकी सत्रों के बाद यमुना प्राधिकरण के प्रतिनिधिमंडल ने औद्योगिक क्षेत्र का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क, बिजली, जल निकासी, औद्योगिक भूखंडों की व्यवस्था और उपयोगिता प्रबंधन को प्रत्यक्ष रूप से देखा और अनुभव साझा किए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी आर के सिंह ने कहा कि नीमराना में विकसित जापानी औद्योगिक क्षेत्र से कई महत्वपूर्ण सीख मिली हैं। भूमि के स्थानीयकरण, विशेषीकृत अवसंरचना और निवेशकों के अनुकूल वातावरण से जुड़े निष्कर्ष यमुना क्षेत्र में विश्वस्तरीय औद्योगिक नगरी विकसित करने में सहायक होंगे। इससे उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत पहचान मिलेगी। दौरे का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें अंतरराज्यीय सहयोग को देश की औद्योगिक प्रगति के लिए आवश्यक बताया गया। अधिकारियों ने यमुना प्राधिकरण की मास्टर योजना और क्लस्टर आधारित औद्योगिक विकास दृष्टि की जानकारी भी साझा की। साथ ही आगामी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जेवर से जुड़ी बहु-आयामी संपर्क व्यवस्था को औद्योगिक विकास की रीढ़ बताते हुए उस पर विशेष जोर दिया गया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला खिलाड़ियों को मिला प्रोत्साहन, खेल प्रतिभाओं का बढ़ा हौसला

बिजनौर (शिखर समाचार) जिले में मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण को मजबूती देते हुए खेल जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही दस होनहार महिला खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान कुल पच्चीस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित कर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बेटियों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर देने का माध्यम है। खेलों में निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के बल पर जिले की बेटियां नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि स्थानीय प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग मिले, जिससे वे राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले व प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। इस दौरान साक्षी, तनीशा, तनु, तानिया, सोनी, शालिनी रावत, सारिका रावत, विधि चौहान, भूमि चन्द्रा और परी चन्द्रा को प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। खिलाड़ियों ने भी इस सहयोग के लिए प्रशासन के प्रति आभार जताया और आगे और बेहतर प्रदर्शन का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला क्रीड़ाधिकारी राजकुमार, सहायक जिला खेल कार्यालय से हिमांशु, हॉकी प्रशिक्षिका चित्रा चौहान तथा कायकिंग व कैनोइंग प्रशिक्षक फिरोज खान मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

गौतमबुद्धनगर में अवैध बस संचालन पर परिवहन विभाग का शिकंजा, सैकड़ों वाहन कार्रवाई की जद में

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर में बिना अनुमति संचालित हो रही बसों और यात्री वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक प्रवर्तन अभियान जारी रखा है। सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) उदित नारायण पांडे के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025झ26 के अंतर्गत 18 दिसंबर तक जिले भर में लगातार निरीक्षण और जांच अभियान चलाए गए, जिनमें नियमों का उल्लंघन करने वाले बड़ी संख्या में वाहन पकड़े गए।

इस अभियान के दौरान प्रवर्तन दलों ने कुल 478 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की, जबकि 332 वाहनों को विभिन्न थाना परिसरों में निरुद्ध किया गया। अनियमितताओं पर की गई इस कठोर कार्रवाई के फलस्वरूप परिवहन विभाग को लगभग 253 लाख 97 हजार रुपये का प्रशमन शुल्क प्राप्त हुआ है, जो विभाग की सक्रिय निगरानी और प्रभावी कार्यशैली को दशार्ता है।

प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि विशेष रूप से यात्री बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने और अवैध रूप से माल ढोने के मामलों को गंभीरता से लिया गया। इस श्रेणी में 114 बसों पर कार्रवाई करते हुए उनके चालान किए गए, वहीं 87 बसों को नियम उल्लंघन के कारण थानों में बंद कराया गया। इस पहल से सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप अनधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ समय-समय पर विशेष अभियान संचालित किए जाते रहे हैं और वर्तमान समय में भी यह कार्रवाई निरंतर जारी है। विभाग का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना और आमजन को सुरक्षित, अनुशासित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है।

परिवहन विभाग की इस सघन कार्रवाई का असर अब सड़कों पर दिखने लगा है। अवैध संचालन पर लगाम कसने से जहां यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ है, वहीं यात्रियों में भी सुरक्षा को लेकर भरोसा मजबूत हुआ है।

आठ दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन,विदेशों से आए कई विशेषज्ञ डॉक्टर

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के नोएडा इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (NIIMS) मेडिकल कॉलेज ने यशोदा मेडिसिटी, इंदिरापुरम के सहयोग से 20वें अंतरराष्ट्रीय स्पाइन एवं पेन लाइव-कम-कैडैवर वर्कशॉप का सफल आयोजन किया।यह आठ दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम दर्द प्रबंधन (Pain Management) के क्षेत्र में डॉक्टरों की तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।इस अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप में भारत सहित विदेशों से आए कई विशेषज्ञ डॉक्टरों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम पेन मेडिसिन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन बन गया। वर्कशॉप का संचालन और मार्गदर्शन प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पेन स्पेशलिस्ट डॉ. नीरज जैन ने किया। यह उनकी 20वीं लगातार प्रशिक्षण वर्कशॉप रही।मुंबई से डॉ. शंतनु मल्लिक ने भी फैकल्टी और प्रतिभागियों को प्रशिक्षण देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।अपने मुख्य संबोधन में डॉ. नीरज जैन ने कहा कि 20वें अंतरराष्ट्रीय स्पाइन और पेन लाइव-कम-कैडैवर वर्कशॉप का आयोजन मेरे लिए अत्यंत संतोषजनक रहा।इस पहल का मुख्य उद्देश्य पेन फिजिशियंस को सटीक एनाटॉमिकल समझ, प्रमाण-आधारित तकनीकें और व्यावहारिक प्रशिक्षण देना है, ताकि क्रॉनिक दर्द का इलाज बिना अनावश्यक सर्जरी के प्रभावी ढंग से किया जा सके। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम सुरक्षित,सटीक और मरीज-केंद्रित दर्द प्रबंधन को बढ़ावा देते हैं।निम्स परिसर में आयोजित कैडैवरिक ट्रेनिंग सत्रों के दौरान प्रतिभागियों को स्पाइन और दर्द से जुड़ी उन्नत प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यशोदा मेडिसिटी की ओर से डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. राजश्री और डॉ. राखी गोयल ने अकादमिक सत्रों में सक्रिय योगदान दिया और अपने चिकित्सकीय अनुभव साझा किए।इस अवसर पर डॉ. रंजीत घुलियानी, एमएस, NIIMS ने कहा कि हम विश्वविद्यालय के नेतृत्व के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभारी हैं।मैं डॉ. देवेश कुमार सिंह, चेयरमैन, नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, डॉ. उमा भारद्वाज, कुलपति,एन आईयू और राजवर्धन दीक्षित का धन्यवाद करता हूँ, जिनके सहयोग से इस अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप का सफल आयोजन संभव हो सका।ऐसे कार्यक्रम चिकित्सा शिक्षा और उन्नत क्लिनिकल प्रशिक्षण को मजबूत करते हैं।

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस का कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का नाम परिवर्तित किए जाने की कथित साजिश और केंद्र सरकार की गांधी विरोधी सोच के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर ने जिलाधिकारी कार्यालय पर तीखा विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस कार्यकताओं ने इसे गरीबों के अधिकारों पर सीधा प्रहार बताते हुए केंद्र की नीतियों के खिलाफ आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया और चेतावनी दी कि ऐसे कदम किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं, बल्कि करोड़ों ग्रामीण मजदूरों के लिए सम्मानजनक आजीविका की गारंटी है। इसका नाम बदलने का प्रयास इतिहास और संविधान की आत्मा पर हमला है। कार्यकताओं का कहना था कि केंद्र सरकार योजनाओं के नाम बदलकर अपनी नीतिगत विफलताओं को छिपाना चाहती है और एक खास विचारधारा थोपने का प्रयास कर रही है।

सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि भाजपा सरकार महात्मा गांधी के नाम और उनके विचारों से भयभीत है, इसी कारण वह जनकल्याणकारी योजनाओं के नाम बदलकर इतिहास को विकृत करना चाहती है। उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों की जीवनरेखा है और इसका नाम बदलना केवल शब्दों का फेरबदल नहीं, बल्कि गरीबों के संवैधानिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले रोजगार के अवसर समाप्त किए गए और अब रोजगार की गारंटी देने वाली योजना की पहचान मिटाने की कोशिश की जा रही है। दीपक भाटी चोटीवाला ने स्पष्ट किया कि यह संघर्ष सिर्फ किसी योजना के नाम का नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र और गांधीवादी मूल्यों की रक्षा का है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने अपना निर्णय वापस नहीं लिया, तो कांग्रेस पार्टी जनपद के गांव-गांव और प्रखंड-प्रखंड में व्यापक जन आंदोलन छेड़ेगी, जिसकी गूंज सड़कों से लेकर संसद तक सुनाई देगी।

प्रदर्शन के समापन पर उपजिलाधिकारी अनुराग सारस्वत के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें मनरेगा का नाम यथावत रखने और गरीब विरोधी निर्णयों को तत्काल वापस लेने की मांग की गई। इस विरोध प्रदर्शन में मुकेश शर्मा, गौतम अवाना, रिजवान चौधरी, सूबेदार सतपाल सिंह, महाराज सिंह नागर, अशोक पंडित, सतीश शर्मा, धर्मवीर सिंह, मोहम्मद तकी, शिव चौटाला, पुनीत मावी, अरविन्द रेक्सवाल, गुलाब सिंह, तनवीर अहमद, हबीब मास्टर, रमेश वाल्मीकि, मोहित भाटी अधिवक्ता, रमा नैय्यर, गजन प्रधान, नरेश शर्मा, बिन्नू भाटी, सुबोध भट्ट, नीरज शर्मा, अमित कुमार, आलोक शर्मा, रमेश जीनवाल, नदीम प्रधान, सचिन भाटी, पियूष जाटव, सन्नी सिंह, हैप्पी भाटी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्मार्ट ग्रिड और ऊर्जा भंडारण से बनेगा मजबूत व भविष्य सक्षम भारतीय ऊर्जा तंत्र

नई दिल्ली (शिखर समाचार) भारत का ऊर्जा क्षेत्र इस समय एक ऐसे निर्णायक दौर से गुजर रहा है, जहां केवल बिजली उत्पादन बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं रह गया है, बल्कि ग्रिड की मजबूती, वितरण प्रणाली का आधुनिकीकरण और ऊर्जा भंडारण की प्रभावी व्यवस्था ही आने वाले दशकों की दिशा तय करेगी। यह विचार फिक्की द्वारा आयोजित भारतीय विद्युत एवं ऊर्जा भंडारण सम्मेलन 2025 में नीति निर्धारकों, नियामकों और उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने साझा किए।

सम्मेलन में यह स्पष्ट किया गया कि भारत अब बिजली अधिशेष की अवस्था से आगे बढ़ते हुए स्थिर, लचीले और भरोसेमंद ऊर्जा ढांचे की ओर अग्रसर है। देश में कुल स्थापित विद्युत क्षमता 500 गीगावाट से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक देश बन गया है। नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा अब स्थापित क्षमता में आधे से अधिक हो गया है, जबकि वास्तविक उत्पादन में तापीय विद्युत संयंत्र आज भी प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। पावर मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्रीकांत नागुलपल्ली ने कहा कि भारत का ऊर्जा परिवर्तन केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध ऊर्जा स्वतंत्रता और वर्ष 2047 तक निरंतर आर्थिक विकास से है। उन्होंने प्रस्तावित विद्युत संशोधन विधेयक का उल्लेख करते हुए कहा कि वितरण क्षेत्र में दक्षता बढ़ाने, बाजार आधारित सुधारों को प्रोत्साहन देने और मौजूदा अवसंरचना के बेहतर उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनके अनुसार आंकड़ा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ग्रिड प्रबंधन और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन भविष्य के ऊर्जा तंत्र की रीढ़ होंगे।

सम्मेलन में वितरण क्षेत्र को सुधार की सबसे अहम कड़ी बताया गया। नेशनल स्मार्ट ग्रिड मिशन के निदेशक अतुल बाली ने कहा कि स्मार्ट मीटर

और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और अनुशासन ला रही हैं। इससे बिलिंग व्यवस्था मजबूत हुई है, राजस्व संग्रह बढ़ा है और उपभोक्ताओं को भी अधिक अधिकार और जानकारी मिल रही है। प्रणाली नियोजन के दृष्टिकोण से विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि नवीकरणीय ऊर्जा के तेजी से विस्तार के बीच तापीय विद्युत संयंत्रों का संतुलित और लचीला संचालन अत्यंत आवश्यक है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के सदस्य प्रवीन गुप्ता ने कहा कि तापीय संयंत्रों को अधिक लचीले ढंग से चलाना जरूरी हो गया है, लेकिन यह प्रक्रिया इस प्रकार होनी चाहिए कि संयंत्रों की तकनीकी सेहत और दीर्घकालिक स्थायित्व प्रभावित न हो।

उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने मौजूदा उत्पादन परिसंपत्तियों पर बढ़ते तकनीकी और वित्तीय दबावों को लेकर चिंता जताई। फिक्की पावर समिति के सह-अध्यक्ष दिनेश बत्रा ने कहा कि तापीय ऊर्जा आज भी देश की बिजली व्यवस्था की रीढ़ है, किंतु बढ़ती लचीलापन आवश्यकताओं के कारण इन परिसंपत्तियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। उन्होंने नीति और बाजार संरचना में ऐसे सुधारों की आवश्यकता बताई, जिससे नवीकरणीय ऊर्जा का समावेश भी सुचारू हो और मौजूदा तापीय क्षमता भी सुरक्षित रहे। विश्लेषकों ने सम्मेलन में यह भी रेखांकित किया कि नीति की स्पष्टता, तकनीकी नवाचार और वित्तीय स्थिरता तीनों को एक साथ आगे बढ़ाना अनिवार्य है। क्रिसिल के निदेशक आशीष मित्तल ने कहा कि डिजिटल प्रक्रियाएं, वास्तविक समय पर आधारित बिजली बाजार, परिसंपत्तियों का आधुनिकीकरण और लचीला संचालन भारत की बदलती मांग आपूर्ति व्यवस्था को संतुलित करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। ऊर्जा भंडारण को ग्रिड स्थिरता की गुम होती कड़ी के रूप में प्रस्तुत किया गया। जिंदल पावर लिमिटेड के सलाहकार अनिल कुमार पांडे ने कहा कि ऊर्जा भंडारण न केवल अधिकतम मांग के समय की चुनौतियों को कम करता है, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा के सवो त्तम उपयोग को भी संभव बनाता है। इसके लिए उन्होंने स्पष्ट नीतिगत प्रोत्साहन और व्यवहार्य शुल्क संरचना की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन का समापन इस व्यापक सहमति के साथ हुआ कि नीति और उद्योग के बीच मजबूत समन्वय, ऊर्जा भंडारण आधारित लचीलापन, बाजार आधारित सुधार और तकनीक संचालित परिवर्तन के माध्यम से ही भारत का ऊर्जा तंत्र विकसित भारत @2047 के लक्ष्य के अनुरूप सुदृढ़ और भविष्य सक्षम बन सकेगा।

कासना बस डिपो में स्वास्थ्य सुरक्षा की पहल, जांच के साथ जागरूकता का संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतमबुद्धनगर में सार्वजनिक परिवहन से जुड़े कर्मियों और आम लोगों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कासना बस डिपो परिसर में सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं जन-जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के निर्देशों के अंतर्गत आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य एचआईवी सहित अन्य गंभीर रोगों की समय रहते पहचान करना और बचाव के प्रति लोगों को सचेत करना रहा। शिविर का उद्घाटन जिला क्षय रोग अधिकारी आरपी सिंह, दिशा क्लस्टर मेरठ के ब्रिजेश कुमार शर्मा, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश वर्मा, क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार सिंह तथा एसएसआई विष्णु दत्त शर्मा द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के बाद स्वास्थ्य जांच गतिविधियों का क्रमबद्ध संचालन प्रारंभ हुआ। स्वास्थ्य शिविर में बस चालकों, परिचालकों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान एचआईवी एवं सिफलिस की जांच, यौन संचारित रोग एवं प्रजनन मार्ग संक्रमण की जांच, क्षय रोग की स्क्रीनिंग, हेपेटाइटिस बी व हेपेटाइटिस सी की जांच सहित अन्य आवश्यक परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही मधुमेह जैसी बीमारियों की जांच की व्यवस्था भी की गई, जिससे लोगों को एक ही स्थान पर व्यापक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सका। जागरूकता को और प्रभावी बनाने के लिए नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से एचआईवी एड्स से बचाव, सुरक्षित व्यवहार और समय पर जांच के महत्व को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों पर गहरा प्रभाव डाला और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी रही। इनमें ऑप्टोमेट्रिस्ट रश्मि, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नकोर, जीआईएमएस से आईसीटीसी परामर्शदाता नवनीत सक्सेना, जिला अस्पताल के प्रयोगशाला तकनीशियन अखिलेश कुमार गुप्ता, एसटीआई परामर्शदाता रश्मि सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत हेपेटाइटिस एवं शुगर जांच के लिए तैनात प्रयोगशाला तकनीशियन तथा क्षय रोग एसटीएस शामिल रहे। शिविर के सफल संचालन में लक्षित हस्तक्षेप परियोजना से जुड़े संस्थान नेचुरल केयर गौतमबुद्धनगर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। परियोजना से जुड़े ओआरडब्ल्यू राम प्रकाश के सहयोग से कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित यह शिविर न केवल जांच तक सीमित रहा, बल्कि जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास के रूप में सामने आया, जिससे भविष्य में गंभीर रोगों की रोकथाम में सहायता मिलने की उम्मीद है।

जागरण समारोह में विवाद बना हिंसा, हॉकी व लोहे की रॉड से युवक पर जानलेवा हमला

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र के चिटहेरा गांव में आयोजित जागरण कार्यक्रम के दौरान मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के बाद एक युवक पर हॉकी और लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घायल की हालत नाजुक बताई जा रही है और उसका उपचार ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी वीर सिंह के यहां पोते के जन्मदिन के अवसर पर रविवार रात जागरण का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान उमेश वहां बैठा हुआ था। इसी बीच गांव के ही अविनाश और अनुराग से किसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हो गई। आरोप है कि कहासुनी के बाद गाली-गलौज शुरू हो गई। जब उमेश ने इसका विरोध किया तो अविनाश के परिजन भी मौके पर आ गए और सभी ने मिलकर हॉकी व लोहे की रॉड से उमेश पर हमला कर दिया।

हमले में उमेश के हाथ, पैर और सिर में गंभीर चोटें आईं। युवक की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में घायल के पिता द्वारा कोतवाली दादरी में लिखित शिकायत दी गई है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो चुकी है, मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं। जल्द ही सभी आरोपियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

थाने में महिला वकील को अवैध हिरासत में रखा,थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

नोएडा (शिखर समाचार)। महिला वकील को अवैध हिरासत में रखने और यौन उत्पीड़न के मामले को गंभीरता से देखते हुए पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने थाना सेक्टर-126 के थानाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार को लाइन हाजिर कर दिया गया।बता दे इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और नोएडा पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके अलावा संबंधित अवधि का सीसीटीवी फुटेज सीलबंद लिफाफे में पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।सुप्रीम कोर्ट सात जनवरी को इस मामले में अगली सुनवाई करेगा।आपको बता दे कि महिला वकील का आरोप है कि वह तीन दिसंबर को थाना सेक्टर-126 में अपने एक क्लाइंट के मामले की पैरवी के लिए पहुंची थीं।इस दौरान थाना पुलिस ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और उन्हें करीब 14 घंटे तक हिरासत में रखा। महिला वकील ने पुलिस पर अभद्रता, यौन उत्पीड़न समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों को लेकर महिला वकील ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए त्वरित कार्रवाई के संकेत दिए और सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख सात जनवरी तय की है। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र का कहना है कि इस जांच की निष्पक्षता बनी रहे।इस कारण एसएचओ को हटाया गया है। इस मामले में पुलिस की जांच चल रही है।

स्वच्छ नोएडा की दिशा में बड़ा कदम, सिंगल यूज प्लास्टिक पर जीरो टॉलरेंस

नोएडा (शिखर समाचार)। स्वच्छ सर्वेक्षण में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लक्ष्य को लेकर नोएडा प्राधिकरण ने जमीनी स्तर पर सख्त कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में सोमवार को जन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विभिन्न सेक्टरों में निरीक्षण कर सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाया। जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इंदु प्रकाश सिंह एवं परियोजना अभियंता, गौरव बंसल के नेतृत्व में सेक्टर-8 स्थित क्लाउड किचन ए-37, म/स किक फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पैकिंग कार्य में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग की पुष्टि हुई, जिस पर कार्रवाई करते हुए करीब 300 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त किया गया। इस्-के बाद सेक्टर-4, ए-ब्लॉक, ग्राउंड फ्लोर, प्लॉट नंबर-07 स्थित ब्लिंक कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (ब्लिंकित) का निरीक्षण किया गया। जांच में गंभीर खामियां सामने आईं। संस्था द्वारा कचरा कबरा रोड पर फेंके जाने और सड़क पर कचरा जलाए जाने की पुष्टि हुई। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 का उल्लंघन पाए जाने पर ब्लिंकित पर 1 लाख का आर्थिक दंड लगाया गया। साथ ही भविष्य में नियमों का पालन न करने पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई, इसके उपरांत सेक्टर-11 के एच-ब्लॉक मार्केट में एंटी प्लास्टिक ड्राइव चलाई गई। इस दौरान दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए जागरूक किया गया। कार्रवाई में दिल्ली चाट भंडार, स्टैंडर्ड स्वीट्स और अन्नपूर्णा रसोई से कुल 15 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त की गई। वहीं सेक्टर-11 के एक्स-ब्लॉक मार्केट में भी एंटी प्लास्टिक अभियान चलाया गया, जहां सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों से 30 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नोएडा क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर आर्थिक दंड का प्रावधान है और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। निरीक्षण एवं अभियान के दौरान अभिज्ञानम (आईईसी एक्सपर्ट), सूरज सिंह (डिवीजन इंचार्ज) सहित मैसर्स गाइडेड फॉर्च्यून समिति (एनजीओ) के सदस्य भी उपस्थित रहे।

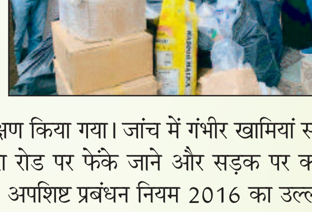

संपादकीय

बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की विदेश नीति : संतुलन, साहस और स्वाभिमान की नई परीक्षा

वर्ष 2025 के अंत में खड़ा भारत आज जिस सबसे बड़े राष्ट्रीय मुद्दे से जूझ रहा है, वह है उसकी विदेश नीति की दिशा और भूमिका। दुनिया तेजी से बदल रही है। पुरानी वैश्विक व्यवस्थाएं कमजोर पड़ रही हैं, नई शक्तियां उभर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय संबंध अब केवल कूटनीति तक सीमित न रहकर अर्थव्यवस्था, तकनीक, सुरक्षा और ऊर्जा तक फैल चुके हैं। ऐसे समय में भारत की विदेश नीति न केवल उसके राष्ट्रीय हितों की रक्षा का माध्यम है, बल्कि यह उसकी वैश्विक पहचान और भविष्य की भूमिका भी तय कर रही है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने स्वयं को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि एक उभरती वैश्विक ताकत के रूप में प्रस्तुत किया है। बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा में भारत संतुलनकारी शक्ति बनने का प्रयास कर रहा है। एक ओर वह अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक सहयोग बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर रूस जैसे पारंपरिक मित्र से भी संबंध बनाए हुए है। यह संतुलन आसान नहीं है, क्योंकि आज की दुनिया वैचारिक ध्रुवीकरण और शक्ति संघर्ष से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया की अस्थिरता, चीन की आक्रामक कूटनीति और हिंद प्रशांत क्षेत्र में बढ़ता तनाव ये सभी भारत की विदेश नीति के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। भारत ने अब तक किसी भी वैश्विक संघर्ष में जल्दबाजी में पक्ष लेने से बचते हुए रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। यही नीति भारत को वैश्विक मंच पर एक परिपक्व और जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में स्थापित करती है। लेकिन आलोचक यह भी कहते हैं कि कई बार यह संतुलन अस्पष्टता में बदल जाता है, जिससे भारत की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाती।

चीन भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी और स्थायी चुनौती बना हुआ है। सीमा पर तनाव, व्यापार असंतुलन और क्षेत्रीय प्रभुत्व की चीनी कोशिशें भारत को लगातार सतर्क रहने के लिए मजबूर कर रही हैं। इसके बावजूद भारत ने कूटनीतिक संवाद के रास्ते खुले रखे हैं, क्योंकि खुला टकराव किसी के हित में नहीं है। वहीं, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की सक्रियता और समान सोच वाले देशों के साथ सहयोग यह संकेत देता है कि भारत अब केवल प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि पहल करने वाली विदेश नीति अपना रहा है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू उसका विकासशील देशों के साथ संबंध है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया में भारत की उपस्थिति बढ़ी है। यह केवल सहायता या निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि साझा विकास और सम्मानजनक साझेदारी पर आधारित है। यह दृष्टिकोण भारत को उन देशों से अलग करता है जो संसाधनों के दोहन और राजनीतिक प्रभाव के लिए सहयोग करते हैं। भारत की यह नीति उसे वैश्विक दक्षिण की आवाज बनने का अवसर देती है। हालांकि, विदेश नीति की सफलता केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिए गए भाषणों से नहीं मापी जा सकती। इसका सीधा संबंध देश की आंतरिक शक्ति से भी है। आर्थिक मजबूती, सामाजिक स्थिरता और राजनीतिक एकजुटता विदेश नीति की विश्वसनीयता को बढ़ाती है। यदि देश के भीतर असमानता, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव बढ़ेंगे, तो विदेश नीति के दावे खोखले लगने लगेंगे। इसलिए आवश्यक है कि कूटनीतिक महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ घरेलू मोर्चे को भी मजबूत किया जाए।

~ मौलिक चिंतन ~

भूख अगर पेट की हो तो इंसान कमजोर होता है, और अगर मन की हो, तो कभी चैन से नहीं जी पाता है।

©

विनय संकोची

चौधरी चरण सिंहः ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सूत्रधार और कृषक क्रांति के शिल्पकार

दिलीप कुमार पाठक

हम सब धरती पुत्र ही हैं, परंतु धरती के सबसे प्रिय पुत्र किसान ही होते हैं ' कृषि किसी भी देश की रीढ़ होती है, और उस रीढ़ के रक्षक किसान होते हैं, महापुरुषों ने किसानों को सभ्यता की नींव, देश की रीढ़ और आशावादी बताया है; महात्मा गांधी के अनुसार, उद्धार किसानों से ही संभव है, जबकि थॉमस जेफरसन ने कृषि को सबसे बुद्धिमान कार्य कहा, और जॉन एफ. केनेडी ने किसान को अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख कारक बताया जो हर चीज थोक में बेचकर और खुदरा में खरीदकर भाड़ा भी भरता है; इनके अलावा कई अन्य विचारकों ने भी किसानों के धैर्य, मेहनत और महत्व को सराहा है, बुकर टी. वॉशिंगटन ने कहा कि खेत जोतना कविता लिखने जितना ही सम्मानजनक है।

कृषि प्रधान देश में जहां देश के किसानो को आंदोलन के जरिए अपनी बात कहने के लिए दिल्ली जाने से रोक दिया जाता है, उसी देश में एक ऐसे महान नेता हुए जिन्हें किसानो का मसीहा कहा गया, देश के प्रधानमंत्री बने परंतु प्रमुख पहिचान उनकी एक किसान के रूप में ही होती है, जिनको दुनिया भारतरत्न चौधरी चरण सिंह के नाम से जानती है ' किसान दिवस भारत के पूर्व पीएम किसानों के मसीहा भारतरत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसंबर को मनाया जाता है। चरण सिंह किसानों के सर्वमान्य नेता थे। उन्होंने भूमि सुधारों पर काफी काम किया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में और केन्द्र में वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने गांवों और किसानों को प्राथमिकता में रखकर बजट बनाया था। उनका मानना था कि खेती के केन्द्र में है किसान, इसलिए उसके साथ कृतज्ञता से पेश आना चाहिए और उसके श्रम का प्रतिफल अवश्य मिलना चाहिए।

किसान हर देश की प्रगति में विशेष सहायक होते हैं। एक किसान ही है जिसके बल पर देश अपने खाद्यान्नों की खुशहाली को समृद्ध कर सकता है। देश में राष्ट्रपिता गांधी जी ने भी किसानों को ही देश का सरताज माना था। लेकिन देश की आजादी के बाद ऐसे नेता कम ही देखने में आए जिन्होंने किसानों के विकास के लिए निष्पक्ष रूप में काम किया। ऐसे नेताओं में सबसे अग्रणी थे, देश के पूर्व पीएम भारतरत्न चौधरी चरण सिंह। चरण सिंह को किसानों के अभूतपूर्व विकास के लिए याद किया जाता है। चौधरी चरण सिंह की नीति किसानों व गरीबों को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि बगैर किसानों को खुशहाल किए देश व प्रदेश का विकास नहीं हो सकता। चरण सिंह ने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वह गंभीर थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। किसानों के मसीहा चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 को उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले में हुआ था। चौधरी चरण सिंह के पिता चौधरी मीर सिंह ने अपने नैतिक मूल्यों को विरासत में चरण सिंह को सौंपा था। चौधरी साहब ने किसानों, पिछड़ों और गरीबों की राजनीति की। उन्होंने खेती और गाँव को महत्व दिया। वह ग्रामीण समस्याओं को गहराई से समझते थे और अपने मुख्यमंत्रित्व तथा केन्द्र सरकार के वित्तमंत्री के कार्यकाल में उन्होंने बजट का बड़ा भाग किसानों तथा गांवों के पक्ष में रखा था। वे जातिवाद को गुलामी की जड़ मानते थे और कहते थे कि जाति प्रथा के रहते बराबरी, संपन्नता और राष्ट्र की सुरक्षा नहीं हो सकती है।

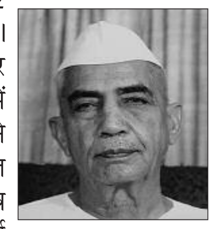

आजादी के बाद चरण सिंह पूर्णतः किसानों के लिए लड़ने लगे, चरण सिंह की मेहनत के कारण ही 'जमींदारी उन्मूलन विधेयक' साल 1952 में पारित हो सका। इस एक विधेयक ने सदियों से खेतों में खून पसीना बहाने वाले किसानों को जीने का मौका दिया। जोत अधिनियम1960 जमीन की अधिकतम सीमा तय कर उसे एक समान बनाने के लिए यह कानून लाए। विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास के प्रबल समर्थक थे। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन में योगदान दिया। मंत्रियों के वेतन और भत्तों में कटौती जैसे जनहितकारी कदम उठाए। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब वे उप प्रधानमंत्री थे। जमींदारी उन्मूलन, भारत की गरीबी और उसका समाधान, किसानों की भूसंपत्ति जैसी कई किताबें और पुस्तिकाएं लिखीं, जो उनके विचारों को दर्शाती हैं ' दृढ़ इच्छा शक्ति के धनी चरण सिंह ने प्रदेश के 27000 पटवारियों के त्यागपत्र को स्वीकार कर 'लेखपाल' पद का सृजन कर नई भर्ती करके किसानों को पटवारी आतंक से मुक्ति तो दिलाई ही, प्रशासनिक धाक भी जमाई। लेखपाल भर्ती में 18 प्रतिशत स्थान हरिजनों के लिए चौधरी चरण सिंह ने आरक्षित किया था। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना मसीहा मानने लगे थे। उन्होंने समस्त उत्तर प्रदेश में भ्रमण करते हुए कृषकों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में कृषि मुख्य व्यवसाय था। कृषकों में सम्मान होने के कारण इन्हें किसी भी चुनाव में हार का मुख नहीं देखना पड़ा ' भारतरत्न चौधरी चरण सिंह जैसे नेता सदियों में जन्म लेते हैं '

सड़कें, सुरक्षा और सिस्टम में बदलाव के साथ ही विकास की रफ्तार में जान बचाने की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

भारत में सड़कें विकास की धमनियां मानी जाती हैं, लेकिन यही सड़कें हर साल लाखों परिवारों के लिए दर्द और मातम की वजह भी बन रही हैं। देश में हर वर्ष करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग 1.8 लाख लोगों की जान चली जाती है। यह आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं, बल्कि वे सपने हैं जो अधूरे रह जाते हैं। वे परिवार हैं जो जीवनभर का खालीपन झेलने को मजबूर हो जाते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इन हादसों में मारे जाने वालों में लगभग 66 प्रतिशत लोग 18 से 34 वर्ष की आयु वर्ग के होते हैं, यानी देश की सबसे युवा, सबसे ऊर्जावान और उत्पादक आबादी। यह स्थिति न केवल सामाजिक चिंता का विषय है, बल्कि आर्थिक और राष्ट्रीय विकास के लिए भी गंभीर चेतावनी है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इन आंकड़ों को रखते हुए सरकार की चिंता और प्रयासों दोनों को सामने रखा। उन्होंने स्वीकार किया कि सड़क सुरक्षा को लेकर कानून, नियम और सुधारों के बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। मंत्री ने बताया कि दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में मौतें इसलिए होती हैं क्योंकि घायलों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता। एक आईआईएम के अध्ययन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि सड़क हादसे के बाद घायलों को दस मिनट के भीतर चिकित्सा सहायता मिल जाए, तो हर साल करीब पचास हजार लोगों की जान बचाई जा सकती है। यह आंकड़ा बताता है कि समस्या केवल सड़क की गुणवत्ता या वाहनों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और प्रशासनिक समन्वय की भी है।

देश में सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित क्यों है। तेजी से बढ़ती मोटराइजेशन, जोखिम भरी ड्राइविंग, तेज रफ्तार, शराब या नशे में वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, और ट्रैफिक नियमों के प्रति लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही, कई जगहों पर सड़क डिजाइन, साइन बोर्ड, लाइटिंग और ब्लैक स्पॉट्स की अनदेखी भी दुर्घटनाओं को न्योता देती है। सरकार ने इन समस्याओं से निपटने के लिए ब्लैक स्पॉट सुधार, सड़क सुरक्षा ऑडिट, जागरूकता अभियान और कड़े कानून लागू किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका असर अभी भी सीमित दिखाई देता है।

सड़क सुरक्षा के साथ-साथ देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की रफ्तार भी एक बड़ा मुद्दा है। मंत्री ने सदन में बताया कि वर्तमान में स्वीकृत 574 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं तय समय से पीछे चल रही हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 3.50 लाख करोड़ रुपये है, जो अपने आप में बताती है कि देरी का असर केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि अर्थव्यवस्था, रोजगार और क्षेत्रीय विकास पर भी पड़ता है। इन विलंबित परियोजनाओं में से करीब 300 परियोजनाएं एक साल से कम समय से, 253 परियोजनाएं एक से तीन साल से और 21 परियोजनाएं तीन साल से अधिक समय से लंबित हैं। यह स्थिति यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में परियोजनाएं समय पर पूरी क्यों नहीं हो पा रही हैं।

मंत्री ने इसके पीछे कई कारण गिनाए। भूमि अधिग्रहण सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है, जहां कानूनी विवाद, मुआवजे को लेकर असहमति और स्थानीय विरोध परियोजनाओं को रोक देते हैं। इसके अलावा, वन और वन्यजीव मंजूरी जैसी पूर्व-स्वीकृतियों में देरी भी बड़ी समस्या है। करीब 133 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिनकी लागत कम है, लेकिन वे अभी तक आवश्यक मंजूरियां नहीं मिलने के कारण शुरू ही नहीं हो सकी हैं। धन की उपलब्धता, ठेकेदारों की क्षमता, पर्यावरणीय संतुलन और राज्यों के साथ समन्वय जैसे मुद्दे भी निर्माण की गति को प्रभावित करते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि जहां एक ओर नई सड़कें बनने में देरी होती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी और भीड़भाड़ वाली सड़कों पर दुर्घटनाओं का जोखिम बना रहता है।

इन चुनौतियों के बीच सरकार टोल कलेक्शन व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है, जिसे सड़क यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। नितिन गडकरी ने बताया कि 2026 के अंत तक देशभर में सैटेलाइट आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम लागू कर दिया जाएगा। यह प्रणाली सैटेलाइट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नंबर प्लेट पहचान तकनीक पर आधारित होगी, जिसमें फास्टैग का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि वाहन बिना रुके, करीब 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टोल प्लाजा पार कर सकेंगे और स्वचालित रूप से टोल कट जाएगा।

वर्तमान में मैनुअल टोल प्रणाली में जहां तीन से दस मिनट तक का समय लग जाता था, वहीं फास्टैग के आने से यह समय घटकर करीब 60 सेकंड हुआ। नई सैटेलाइट आधारित व्यवस्था का लक्ष्य है कि टोल पर रुकने की जरूरत ही न पड़े। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि ईंधन की भी बड़ी बचत होगी। मंत्री के अनुसार, इस प्रणाली से हर साल करीब 1,500 करोड़ रुपये के ईंधन की बचत होगी, क्योंकि टोल प्लाजा पर रुकने और दोबारा गति पकड़ने में होने वाला ईंधन खर्च कम हो जाएगा। इसके साथ ही सरकार के राजस्व में भी करीब 6,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

हालांकि, तकनीक आधारित इस बदलाव के साथ कुछ सवाल और चुनौतियां भी जुड़ी हैं। डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, सिस्टम की सटीकता और ग्रामीण तथा दूरदराज इलाकों में इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सरकार को विशेष ध्यान देना होगा। साथ ही, यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि टोल की गणना पारदर्शी हो और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। यदि यह प्रणाली सही ढंग से लागू होती है, तो यह न केवल यात्रा को आसान बनाएगी, बल्कि ट्रैफिक जाम और उससे होने वाली दुर्घटनाओं को भी कम करने में मदद कर सकती है।

सड़क सुरक्षा, निर्माण की गति और टोल व्यवस्था,ये तीनों मुद्दे आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। बेहतर सड़कें और सुव्यवस्थित ट्रैफिक सिस्टम जहां यात्रा को तेज और आरामदायक बनाते हैं, वहीं सुरक्षा उपायों की अनदेखी इन्हें जानलेवा भी बना सकती है। सरकार की नीतियां और योजनाएं तभी सफल होंगी, जब उनके साथ सख्त क्रियान्वयन, जन-जागरूकता और जवाबदेही भी जुड़ेगी। सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति चाहे वह पैदल यात्री हो, दोपहिया चालक हो या भारी वाहन का ड्राइवर ,सुरक्षा नियमों का पालन करे, तभी दुर्घटनाओं में वास्तविक कमी लाई जा सकती है।

आज जरूरत इस बात की है कि सड़क हादसों को केवल आंकड़ों की तरह न देखा जाए, बल्कि हर मौत को एक चेतावनी के रूप में लिया जाए। युवा आबादी का इस तरह सड़क दुर्घटनाओं में खत्म होना देश के भविष्य पर सीधा प्रहार है। समय पर इलाज, मजबूत आपातकालीन सेवाएं, सुरक्षित सड़क डिजाइन, जिम्मेदार ड्राइविंग और आधुनिक तकनीक आदि इन सभी के समन्वय से ही भारत की सड़कें विकास की राह पर चलने के साथ-साथ जीवन की रक्षा भी कर सकेंगी। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो विकास की तेज रफ्तार के बीच इंसानी जानों की कीमत चुकानी पड़ती रहेगी, और यही किसी भी सभ्य समाज के लिए सबसे बड़ी विफलता होगी।

प्रहलाद सबनानी

भारतीय संस्कृति में जीवन दर्शन के आधार पर जीवन मूल्य एवं जीवन तत्व निर्धारित होते हैं और इसके बाद समाज की जीवन व्यवस्था भी निर्धारित हो जाती है। भारत में समस्त सांस्कृतिक विधियां, प्रथाएं, पद्धतियां एवं परम्पराएं जीवन व्यवस्था के भाग मानी जाती हैं। कुलधर्म, जातिधर्म, समाजधर्म, पंच महायज्ञ, चार आश्रम, चार वर्ण, जाति व्यवस्था, भारतीय शिक्षा पद्धति भी भारतीय संस्कृति में जीवन व्यवस्था का भाग ही माने जाते हैं।

अरावली से छेड़छाड़, जीवन से खिलवाड़ !

लेखक : विनय संकोची

अरावली पर्वत श्रृंखला भारत की भौगोलिक पहचान का अभिन्न अंग है। यह न केवल विश्व की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है, अपितु उत्तर-पश्चिम भारत के पर्यावरणीय संतुलन की आधारशिला भी है। करोड़ों वर्षों में हुए प्राकृतिक क्षरण के कारण इसकी ऊंचाई कम हुई है, न कि इसका पर्वतीय स्वरूप समाप्त हुआ है। दुर्भाग्यवश आज अरावली का अस्तित्व प्राकृतिक क्षरण से नहीं, बल्कि मानवीय निर्णयों और कागजी परिभाषाओं से सबसे अधिक संकट में है। हाल ही में यह तर्क उभरा है कि जिन अरावली पहाड़ियों की ऊंचाई 100 मीटर से कम है, उन्हें 'पहाड़' नहीं माना जाना चाहिए। यह तर्क जितना सरल दिखता है, उतना ही खतरनाक और अवैज्ञानिक है। यह तर्क सुनने में भले ही तकनीकी लगे, परंतु वास्तव में यह प्रकृति, विज्ञान और जनहित तीनों के साथ गहरा अन्याय है। अरावली, ऊंचाई से नहीं, उत्पत्ति से पहचानी जाती है।

क्या 'पहाड़' की परिभाषा केवल ऊंचाई से तय होती है? भूगोल में पहाड़ की कोई सार्वभौमिक न्यूनतम ऊंचाई सीमा तय नहीं है। पहाड़ की पहचान होती है उसकी भूवैज्ञानिक उत्पत्ति से स्थायित्व और निरंतरता से आसपास के भू-भाग से उसके उभार से उसके पारिस्थितिक प्रभाव से। 100 मीटर की सीमा प्राकृतिक विज्ञान से नहीं, अपितु प्रशासनिक और कानूनी सुविधा से निकली हुई है। इसका व्यावहारिक परिणाम, खनन को वैध ठहराना, रियल एस्टेट को रास्ता देना, पर्यावरणीय स्वीकृतियों से बचना है। इसलिए यह नियम वैज्ञानिक कम, व्यावसायिक अधिक है।

यह निर्णय प्रकृति से खिलवाड़ है और वह भी तीन स्तरों पर पहला प्रकृति की लाखों वर्षों की संरचना को एक मनमानी संख्या से खारिज करना प्राकृतिक अन्याय है। दूसरा आज का लाभ, आने वाली पीढ़ियों का नुकसान, पीढ़ीगत अन्याय है और तीसरा भूविज्ञान, पारिस्थितिकी और जलवायु विज्ञान तीनों की अनदेखी वैज्ञानिक अपमान है।

भूगोल और भूविज्ञान में 'पहाड़' की कोई सर्वमान्य न्यूनतम ऊंचाई निर्धारित नहीं है। किसी पर्वत की पहचान उसकी भू-गर्भीय उत्पत्ति, संरचनात्मक निरंतरता और पारिस्थितिक भूमिका से होती है। अरावली पर्वत श्रृंखला करोड़ों वर्षों पुरानी है। इतने लंबे समय में प्राकृतिक क्षरण के कारण इसकी ऊंचाई कम होना स्वाभाविक है। ऊंचाई का घट जाना पर्वत के अस्तित्व का अंत नहीं होता, अपितु उसके प्राचीन होने का प्रमाण होता है।

यदि केवल ऊंचाई को ही पहाड़ होने का मापदंड मान लिया जाए, तो यह तर्क अपने आप में हास्यास्पद हो जाता है। विश्व में अनेक ऐसे पर्वतीय क्षेत्र हैं, जिनकी ऊंचाई सीमित है, परंतु उनका पारिस्थितिक और भूवैज्ञानिक महत्व अत्यधिक है। अरावली भी उन्हीं में से एक है। उसकी महत्ता इस बात में नहीं है कि वह कितनी ऊंची है, अपितु इस बात में है कि वह क्या-क्या कार्य करती है।

अरावली पर्वत श्रृंखला राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्र और उपजाऊ मैदानों के बीच एक प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करती है। यह थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने में सहायक रही है। इसके अतिरिक्त, अरावली की पहाड़ियां वर्षा जल को रोककर भूजल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अनेक मौसमी नदियां और जलधाराएं इन्हीं पहाड़ियों से निकलती हैं। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में

भूजल स्तर बनाए रखने में अरावली की भूमिका किसी भी जल योजना से कम नहीं है।

जो लोग यह तर्क देते हैं कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियां महत्वहीन हैं, वे यह भूल जाते हैं कि प्रकृति में कार्य ऊंचाई से नहीं, संरचना और स्थिति से होते हैं। कम ऊंचाई वाली अरावली पहाड़ियां भी धूल भरी आँधियों को रोकती हैं, तापमान को संतुलित करती हैं और जैव विविधता को आश्रय देती हैं। इनका नष्ट होना केवल पत्थरों का हटना नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिक तंत्र का टूटना है।

100 मीटर की सीमा का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इसका उपयोग पर्यावरण संरक्षण के लिए नहीं, अपितु उसके अपवाद खोजने के लिए किया जा रहा है। इस सीमा के सहारे खनन, रियल एस्टेट और अवैध निर्माण को वैध ठहराने की कोशिशें की जा रही हैं। यह नियम विज्ञान से अधिक सुविधा और लाभ के अनुरूप गढ़ा गया प्रतीत होता है। जब कानून प्रकृति की रक्षा के बजाय उसके विनाश का मार्ग प्रशस्त करने लगे, तो यह स्थिति लोकतंत्र और पर्यावरण दोनों के लिए खतरनाक हो जाती है।

अरावली की पहाड़ियों को 'पहाड़ नहीं' घोषित करना प्रकृति के साथ सीधा खिलवाड़ है। यह निर्णय न केवल वर्तमान पीढ़ी के पर्यावरणीय अधिकारों को प्रभावित करता है, अपितु आने वाली पीढ़ियों के जीवन-स्त्रोतों को भी खतरे में डालता है। जल संकट, बढ़ता तापमान, प्रदूषण और मरुस्थलीकरण ये सभी समस्याएं अरावली के कमजोर होने से और गहरी होंगी।

यह प्रश्न केवल अरावली तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न उस सोच का है, जो विकास और विनाश के बीच का अंतर मिटा देती है। सच्चा विकास वह है, जो प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चले, न कि उसे परिभाषाओं में बांधकर समाप्त कर दे। अरावली को बचाने का अर्थ केवल पहाड़ बचाना नहीं, बल्कि जल, वायु और जीवन की रक्षा करना है।

यह श्रृंखला गुजरात के पालनपुर क्षेत्र से आरंभ होकर राजस्थान होते हुए हरियाणा और दिल्ली तक फैली है। इतिहास में अरावली ने प्राकृतिक दुर्ग का कार्य किया। इसने मरुस्थल के विस्तार को सीमित रखा और अनेक प्राचीन सभ्यताओं जैसे मत्स्य, मेवाड़ और मारवाड़ को सुरक्षित आवास प्रदान किया। राजपूताना के किले, जैसे कुम्भलगढ़ और चित्तौड़, इसी पर्वत श्रृंखला की सामरिक महत्ता के प्रतीक हैं।

अन्य युवा पर्वतों की तुलना में इसकी ऊंचाई कम है, परंतु इसका भूवैज्ञानिक महत्व अत्यंत विशाल है। यहाँ विविध प्रकार की चट्टानें पाई जाती हैं। गुरु शिखर (माउंट आबू) इसका सर्वोच्च शिखर है। यह क्षेत्र जैव-विविधता से समृद्ध है, जहां शुष्क और अर्ध-शुष्क वनस्पतियां पाई जाती हैं।

अरावली पर्वत श्रृंखला अतीत की धरोहर, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की आशा है। इसका संरक्षण केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और नैतिक कर्तव्य भी है। यदि समय रहते इसके महत्व को समझकर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इसके दुष्परिणाम सम्पूर्ण उत्तर भारत को भुगतने पड़ सकते हैं। अरावली की रक्षा करना न केवल समय की आवश्यकता है, अपितु सभी का नैतिक कर्तव्य भी है। इस सच को समझें और स्वीकारें कि अरावली की रक्षा ही जीवन की रक्षा है।

संक्षिप्त समाचार

सौभाग्य की गुलदाउदी को प्रदर्शनी राजा का खिताब

लखनऊ, एजेंसी। प्रदर्शनी में सेलिब्रिटी गार्डन, अंसल के सौभाग्य श्रीवास्तव के बड़े फूल वाली गुलदाउदी (एक पौधा-एक फूल) को प्रदर्शनी के राजा का खिताब प्रदान किया गया। वहीं अल्फ्रेड गोम्स, ला मार्टिनियर कॉलेज, लखनऊ के छोटे फूल वाली गुलदाउदी को प्रदर्शनी की रानी के किताब से नवाजा गया। देवलोक कॉलोनी, नीलमथा निवासी मिशिका के स्पाइडर गुलदाउदी (एक पौधाङ्कएक फूल) को प्रदर्शनी का राजकुमार घोषित किया गया।

बिगड़ती हवा की हकीकत को समझाया

लखनऊ, एजेंसी। अनुसंधान संस्थान में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने लखनऊ समेत प्रदेश भर में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसके लिए उन्होंने एक रोचक खेल प्रतियोगिता का सहारा लिया, जिसके माध्यम से शहर की बिगड़ती हवा की हकीकत को सरल तरीके से समझाया गया। प्रतियोगिता के जरिये यह संदेश दिया गया कि यदि आज कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला कल और मुश्किल हो सकता है। शोधार्थियों ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने घर और कार्यालय में अधिक से अधिक पौधे लगाएं।

निर्माणाधीन बेसमेंट की दीवार ढही...मलबे में दब गए लोग, मची चीखपुकार; सात घायल अस्पताल में भर्ती

आगरा, एजेंसी। आगरा के बटेश्वर के बिजकौली गांव में जोर सिंह के निर्माणाधीन मकान के बेसमेंट में रविवार सुबह 11 बजे कुछ लोग अलाव पर ताप कर ताश खेल रहे थे। बेसमेंट में मिट्टी का भराव हो रहा था। इसके दबाव में मिट्टी संग बेसमेंट की दीवार ढह गई। बेसमेंट में मौजूद लोग मलबे में दब गए। इससे अफरातफरी और चीखपुकार मच गई। मौके पर पहुंचे लोग मलबा हटा कर दबे हुए लोगों को बाहर निकालने में जुट गए। सूचना पर बाह से एसडीएम संतोष कुमार शुक्ला, तहसीलदार संपूर्ण कुलश्रेष्ठ, बीडीओ नीरज तिवारी, ब्लॉक प्रमुख लाल सिंह चौहान आदि पहुंच गए। रेस्क्यू कर बाहर निकाले गए घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां से सभी को एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मलबे में दब कर घायल हुए लोगों में उत्तम सिंह (50) पुत्र आसाराम, धर्मेंद्र सिंह (42) पुत्र नाथूराम, सुनील कुमार (38) पुत्र दूरबीन सिंह, हीरालाल (60) पुत्र नंदराम, रामेंद्र सिंह (58) पुत्र वेद सिंह, कल्लू (32) पुत्र राम खिलाड़ी, योगेश (45) पुत्र राज बहादुर शामिल हैं।

हर उम्र के चेहरे पर खिली गुलदाउदी

लखनऊ, एजेंसी। रंगों की बहार, फूलों की भीनी खुशबू और प्रकृति से जुड़ने का उत्सव... सीएसआईआरङ्कराष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) परिसर में शनिवार कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। वनस्पति उद्यान स्थित सेंट्रल लॉन में दो दिवसीय गुलदाउदी एवं कोलियस पुष्प प्रदर्शनीङ्क2025 का शुभारंभ होते ही परिसर रंग-बिरंगे फूलों से जगमगा उठा। बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचे और गुलदाउदी की अनोखी किस्मों के बीच घूमते हुए तस्वीरें और सेल्फी लेते नजर आए।
प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग एम. देवराज ने किया। प्रदर्शनी संयोजक एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. केजे सिंह ने बताया कि इस वर्ष 95 प्रदर्शकों की 671 प्रविष्टियां प्रदर्शनी में शामिल की गई हैं। गुलदाउदी की 75 विशिष्ट किस्में आमजन के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

बड़ा खेल उजागर :कृषि मंत्रालय ने तलब की फसल बीमा घपले की रिपोर्ट, विभाग के अफसरों-कर्मचारियों पर कार्रवाई तय

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में महोबा, झांसी सहित विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में घपला उजागर होने पर केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने पूरे प्रकरण की रिपोर्ट तलब की है। इसमें अब तक की गई कार्रवाई का ब्योरा भी मांगा गया है। मंत्रालय के रुख से कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई होना तय माना जा रहा है।
दरअसल, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना में करोड़ों के घपले की जांच चल रही है। कई लोगों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। कृषि विभाग के एक उच्च अधिकारी ने बताया कि इस प्रकरण में कृषि मंत्रालय ने फसल बीमा के तरीके, सामने आए तथ्यों, प्रकरण खुलने के बाद अब तक की गई कार्रवाई आदि की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मंत्रालय ने यह भी पूछा है कि गड़बड़ी रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किस स्तर पर चूक की है? मंत्रालय से रिपोर्ट तलब किए जाने के बाद कृषि विभाग में हलचल मची है। डीएम महोबा ने पूरे प्रकरण में रिपोर्ट शासन को भेज दी है जबकि अन्य स्थानों से रिपोर्ट नहीं भेजी गई है। ऐसे में झांसी, जालौन, फर्रुखाबाद, मथुरा व अन्य जिलों के डीएम को जल्द जांच रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया है।

कड़ाके की ठंड में प्रदेश, घने कोहरे के साथ शीत दिवस का अलर्ट जारी, मोबाइल पर भेजी गई चेतावनी

लखनऊ, एजेंसी। पूरा प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में है। शनिवार को सर्द हवाएं कंपकंपी छुड़ाती रहीं। घने कोहरे के चलते मुश्किलें और बढ़ रही हैं। दृश्यता कम होने से सड़क, रेल और हवाई यातायात बाधित हो रहा है। शनिवार को लखनऊ हवाईअड्डे पर तीन, वाराणसी एयरपोर्ट पर छह उड़ानें रद्द रहीं। कानपुर, प्रयागराज और गोरखपुर एयरपोर्ट से भी उड़ानें देरी से उड़ीं।

मौसम विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों तक पूरे प्रदेश में घने कोहरे और शीत दिवस की चेतावनी जारी की है। कुछ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट और कुछ के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।शनिवार को कानपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री दर्ज किया गया। इटावा में 6.8 डिग्री, बुलंदशहर में 7 डिग्री और अयोध्या का न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री दर्ज किया गया। कानपुर, आगरा, प्रयागराज और गाजियाबाद में दृश्यता शून्य दर्ज की गई। लखनऊ, बाराबंकी, वाराणसी, बहराइच, सुल्तानपुर, गाजीपुर, बस्ती, बरेली, शाहजहांपुर और नजीबाबाद में अति शीत दिवस की स्थितियां रहीं।

हरदोई, बलिया, चुर्क, गोरखपुर, प्रयागराज, गाज़ीपुर, मुरादाबाद, इटावा और आगरा में शीत दिवस की स्थिति रही। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक सोमवार को कुछ जिलों के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने से शीत दिवस की स्थितियों से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद 24 दिसंबर से कोहरा और बढ़ेगा। साथ ही तापमान

में फिर 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है।

यहां घने कोहरे का रेड अलर्ट

कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कनौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर एवं आसपास के इलाकों में।

यहां अत्यधिक शीत दिवस की संभावना: बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रवस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, बरेली, पीलीभीत, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में।

क्या है शीत दिवस

न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे कम होने पर जब अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस तक गिरता है तो उसे शीत दिवस कहते हैं। इसके अलावा अधिकतम तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गिरता है तो उसे अत्यंत शीत दिवस कहते हैं।

पहाड़ों में होगी बर्फबारी, मैदानों में और बढ़ेगी ठंड

यूपी के साथ पूरा उत्तर भारत कंपा देने वाली ठंड से बेहाल है। शनिवार को केवल दिल्ली में ही 129 उड़ानें रद्द हुईं। हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी और लद्दाख में पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान में गिरावट आई है और अगले 24 घंटे के दौरान बारिश और भारी बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल में मौसम शुष्क रहा और 10 शहरों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और आसपास के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में अगले चार दिनों तक रुक-रुक कर बारिश और बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। इससे मैदानी इलाकों में ठंड और बढ़ेगी।

पहले मंदिर में की शादी, अब जाति बदलने का दबाव बना रहा युवक-मारपीट कर घर से भी निकाला

गोरखपुर, एजेंसी। शादी के बाद बेटी ससुराल गई लेकिन कुछ ही समय बाद वहां जाति को लेकर ताने दिए जाने लगे। आरोप है कि ससुराल पक्ष दहेज न मिलने और जातिगत भेदभाव को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगा। शिकायत के अनुसार, अगस्त 2025 में युवक और उसके पिता ने साफ कह दिया कि वे लड़की को अपने घर नहीं रखेंगे।चिलुआताल थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मंदिर में विवाह के बाद युवक ने अपनी पत्नी को अपनाने से इन्कार कर दिया। आरोप है कि युवक और उसके परिजन जाति को लेकर महिला का उत्पीड़न कर रहे हैं। कथित रूप से जाति बदलने की शर्त रखी गई है।

पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने पति मुकेश यादव समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, एससी-एसटी एक्ट समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीपीगंज क्षेत्र की रहने वाली महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 20 वर्षीय बेटी की जान-पहचान चिलुआताल क्षेत्र के बरगदवां निवासी मुकेश यादव से थी।दोनों के बीच मुलाकातें होने लगीं। फरवरी 2024 में युवक को घर के अंदर पकड़े जाने के बाद विवाद हुआ और पुलिस भी मौके पर पहुंची। बाद में दोनों परिवारों की सहमति से विवाह कराने का निर्णय लिया गया।

जीरो कार्बन उत्सर्जन के लिए नई तकनीकों को अपनाना होगा

लखनऊ, एजेंसी। धरती को बचाना है तो ऊर्जा बचत और जीरो कार्बन उत्सर्जन के लिए नई तकनीकों को अपनाना होगा। बढ़ते प्रदूषण और तापमान की वजह से गर्मी बढ़ रही है। एसी, फ्रिज में नई तकनीक का इस्तेमाल कर उत्सर्जित ग्रीन हाउस गैसों को काफी कम करना है।

यह बातें इशरे (इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एंड एयरकंडीशनिंग इंजीनियर्स) लखनऊ चैप्टर की ओर से परिवर्तन चौक स्थित होटल में एनर्जी कंजर्वेशन एंड डीकार्बोनाइजेशन विषय पर हुए सेमिनार में एक्सपर्ट ने कहीं।

सेमिनार का उदघाटन इशरे लखनऊ अध्यक्ष हरीश साहनी, मुख्य अतिथि और पीडब्ल्यूडी के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अरुण श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि यूपी राजकीय निर्माण निगम के एमडी समीर गुप्ता और एकेटीयू की प्रिंसिपल वंदना सहगल ने किया। अतिथियों ने कहा कि चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा की बर्बादी रोकें। इसके लिए न सिर्फ बचत जरूरी है बल्कि हमें अपने ऊर्जा के स्त्रोतों को भी पूरी तरह बदलना होगा। ऐसे में डीकार्बोनाइजेशन अपनाना ही सर्वश्रेष्ठ विकल्प है। इशरे दिल्ली अध्यक्ष वलीउल्लाह सिद्दीकी ने कहा कि मकसद ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देना है। हमारे साथ दिल्ली से 10 एक्सपर्ट की टीमें आई हैं। मशहूर आर्किटेक्ट अशोक कुमार, नोएडा की उद्यमी आकृति गुप्ता, उद्यमी संदीप गोयल, वरद तिवारी, शरत चंद तिवारी आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों के चयन वेतनमान की राह में कई रोड़ा, सर्विस बुक ऑनलाइन.... फिर भी मंगवा रहे हैं ऑफलाइन

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों को दस साल की सेवा पूरी करने पर चयन वेतनमान देने की व्यवस्था है। किंतु, सैकड़ों शिक्षक पिछले कुछ महीने से इसके लिए भटक रहे हैं। हालत यह है कि 140 से अधिक विकास खंडों में अभी तक इसके लिए काम नहीं शुरू हुए हैं। कई जगह पर शिक्षकों से उनकी सर्विस बुक ऑफलाइन मांगी जा रही है।

इसकी शिकायत जब मुख्यालय में हुई तो कुछ जगह पर आदेश संशोधित किए गए हैं। वहीं, कई जगह पर सर्विस बुक अपडेट न होने की बात कही जा रही है। शिक्षकों ने बताया कि कई जिलों में पिछले तीन महीने में एक भी चयन वेतनमान का आदेश नहीं जारी हुआ है।

जबकि 29334 और 72825 बैच के शिक्षकों की चयन वेतनमान के लिए लंबी लाइन है।

योग्य शिक्षकों को लाभ देने का निर्देश : वहीं, विभाग का कहना है कि काफी विकास खंडों में इसकी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। कुछ जगह पर आदेश भी जारी होने शुरू हो गए हैं।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने हाल ही में इसमें रुचि न लेने वाले बीईओ व बीएसए के साथ बैठक कर कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस महीने के अंत तक सभी योग्य शिक्षकों को इसका लाभ देने का निर्देश दिया है।

पांच हजार तक हर महीने नुकसान हो रहा

शिक्षक नेता निर्भय सिंह ने कहा कि लखनऊ, बाराबंकी, हरदोई में न के बराबर शिक्षकों को इसका लाभ मिला है। इसकी वजह से हजारों शिक्षकों का ढाई से पांच हजार रुपये तक हर महीने का नुकसान हो रहा है।

भीषण आग देख मकान से कूदकर भागे लोग, दुकान भी जलकर खाक, बुझाने में खत्म हो गया दमकल का पानी

जौनपुर, एजेंसी। गौराबादशाहपुर कस्बे में रविवार 10ः30 बजे हुए एक हादसे में दुकान में आग भड़क उठी। जब तक लोग आग पर काबू पाते तब तक आग ने अगल-बगल के दो दुकानों को भी चपेट में ले लिया। गनीमत यह रही कि दुकान और मकान एक ही भवन में होने के बावजूद भी सब लोग सुरक्षित बाहर भाग गए तथा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग में लगभग तीन दुकानों का मिलाकर 35 लाख के आसपास का सामान जलकर नष्ट हुआ है।

गौराबादशाहपुर निवासी विनोद जायसवाल कि अपने मकान में ही किराना का थोक व्यवसाय है 15 फीट चौड़े तथा 100 फुट लंबे परिसर में उन्होंने पीछे आवास और गोदाम बना रखा था आगे दुकान चलाते थे। अज्ञात कारणों से मकान के पिछले हिस्से में जहां पत्तल

इत्यादि स्टोर करके रखा गया था वहां आग लग गई। परिवार के लोगों ने पहले खुद आग पर काबू पाने का प्रयास किए, परंतु तब तक आग भंडारण कर कर रखे गए सरसों के तेल, रिफाइंड तेल तथा घी तक पहुंच गई। आग का विकराल रूप देखकर परिवार के लोग पिछले दरवाजे से तथा आगे के लोग आगे से बाहर निकल गए।

इसी दौरान आग ने इन्हीं के परिवार के बगल में स्थित दीपू जायसवाल के जनरल स्टोर तथा फैयाज अहमद के रेडीमेड की दुकान को भी चपेट में ले लिया इन दोनों लोगों का भी आगे दुकान तथा पीछे आवास था। स्थानीय लोग आग पर काबू पाने का प्रयास करते रहे थे, परंतु आग की विकरलता देखकर किसी की हिम्मत आगे बढ़ाने की नहीं हुई।सूचना पर 20 मिनट के बाद फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी और थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर प्रवीण यादव फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे, जिसने कुछ हद तक आग पर काबू पाया गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ी का पानी खत्म हो गया था तब तक जौनपुर से एक और गाड़ी मार्टिनगंज तहसील आजमगढ़ से भी दो गाड़ियां तथा लालगंज तहसील आजमगढ़ से भी फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर आ गई। लगभग दो घंटे के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पाया जा सका। घटना में विनोद जायसवाल का सर्वाधिक नुकसान हुआ है। लगभग दो घंटे तक दुकानें जलती रहीं। सामान के साथ-साथ घर गृहस्थी का भी सारा सामान बिस्तर चारपाई नकदी जेवर इत्यादि जलकर नष्ट हो चुका है।

थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर प्रवीण यादव ने बताया कि मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड की टीम की मदद से स्थिति को संभाला गया। आग कैसे लगी, यह जांच की जा रही है। हालांकि, कोई आग की चपेट में आकर जख्मी नहीं हुआ है। दुकानदारों का सामान जलकर नुकसान हुआ है।

शटर तोड़कर ज्वैलर्स की दुकान से एक करोड़ के आभूषण पार, महिला समेत तीन संदिग्ध सीसीटीवी में कैद

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में शनिवार की रात चोरों ने शटर तोड़कर ज्वैलर्स की दुकान में हाथ साफ कर दिया। घटना मलिहाबाद थाने से महज 400 मीटर दूर की है। यहां मिर्जागंज में फजल ज्वैलर्स की दुकान में चोरी हुई है। चोरों ने शटर तोड़कर करीब एक करोड़ से अधिक के आभूषण पर हाथ साफ कर दिया।

रविवार की सुबह दुकान मालिक बबली को जानकारी हुई। इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट के साथ जांच की। इस दौरान एक डॉग कुछ दूर बाग में जाकर रुक गया।

वहां पर पुलिस ने जांच की है। दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी की जांच की गई है। सीसीटीवी में महिला सहित तीन अज्ञात चोर दिखे हैं। मौके पर एडीसीपी सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। व्यापारी को जल्द खुलासा करने का आश्वाशन दिया है।

चंदौली, जौनपुर और गाजीपुर में अवैध गतिविधियों और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाएंगे पुलिस सतर्क मित्र

वाराणसी, एजेंसी। अवैध गतिविधियों जैसे पशु, शराब, हथियार तस्करी, पुलिस भ्रष्टाचार, अवैध स्पा की सूचना अब आप सीधे व्हाट्सएप बॉट के जरिये वाराणसी रेंज की पुलिस को दे सकते हैं। डीआईजी रेंज वैभव कृष्ण ने पुलिस सतर्क मित्र व्हाट्सएप बॉट विकसित कराया है। वाराणसी रेंज के जौनपुर, गाजीपुर और चंदौली के किसी भी क्षेत्र में कोई भी अवैध गतिविधि होती है तो उसकी सूचना बोट पर दें। इसका नाम पुलिस सतर्क मित्र रखा गया है। व्हाट्एसएप बॉट नंबर 7839860411 पर या मेसेज भेज सकते हैं। क्यूआर कोड स्कैन कर भी सूचना भेज सकते हैं। डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि यह व्हाट्सएप बोट इस प्रकार विकसित किया गया है कि सूचना देने वाले नागरिक का मोबाइल नंबर या अन्य कोई भी जानकारी पुलिस के पास नहीं आएगी। सूचना देने वालों की गोपनीयता बनी रहेगी। साथ ही कोई भी नागरिक इस पर कोई एक शब्द लिखकर भी मेसेज करेगा या क्यूआर कोड स्कैन करेगा तो नंबर अपने आप उस व्यक्ति से पूरी सूचना प्राप्त कर लेगा।उदाहरण के तौर पर इस पर हैलो लिखकर भेजा जाता है तो पहले यह भाषा का विकल्प पूछेगा और उसके बाद जिस अवैध गतिविधि के विषय में सूचना देनी हो उसके विकल्प से संबंधित सभी सूचनाएं एक-एक कर ले लेगा।

यूपी का 'जामताड़ा': 'हेलो...बैंक से बोल रहा हूं', बीहड़ से चल रहा ठगों का नेटवर्क; अब तक 50 से अधिक गिरफ्तार

आगरा, एजेंसी। हेलो-हेलो... मैं बैंक से बोल रहा हूं। आपके खाते को अपडेट करना है। अगर अपडेट नहीं कराएंगे तो एक घंटे में खाता बंद कर दिया जाएगा। आपको बस घर बैठे खाते की जानकारी और ओटीपी बताना होगा। क्लिक-क्लिक और खाता खाली...। कभी चंबल की पहचान डाकुओं से थी, लेकिन अब साइबर ठगों की ऐसी आवाज सुनाई दे रही है। फिल्म जामताड़ा में झारखंड और पश्चिम बंगाल से की जा रही ठगी की कहानी चंबल के बीहड़ में दोहराई जा रही है।

पिछले दिनों मथुरा के चार गांव देवसेरस, मुड़सेरस, नगला अकातिया और दौलतपुर में पुलिस ने साइबर अपराधियों की धरपकड़ का अभियान

चलाया था। 40 से अधिक को गिरफ्तार किया था। आरोपी आलीशान घरों में रह रहे थे। महंगी गाड़ियां और फोन खरीदकर ऐश ओ आराम की जिंदगी जी रहे थे। एक के बाद एक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी।

यह सिर्फ मथुरा में ही नहीं है। वर्ष 2020 में पुलिस ने आगरा में अभियान चलाया था। बाह और पिनाहट क्षेत्र के पिढ़ौरा, जैतपुर के तड़हेता, खेड़ा राठौर के भगतनपुरा सहित एक दर्जन गांव के युवा बीहड़ में जाकर फोन से लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। फिल्म जामताड़ा की तरह यहां नेटवर्क चल रहा है। पुलिस ने तब 50 से अधिक को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। एक दर्जन से अधिक के खिलाफ संपत्ति जब्तीकरण की कार्रवाई की थी। तत्कालीन आईजी ए सतीश गणेश ने इन गांवों में जागरुकता अभियान चलाया था।

लालच में फंसाकर आनलाइन लूट रहे रकम : डीसीपी पूर्वी जोन अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि बसई अरेला क्षेत्र में हाल में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वह लोगों को नौकरी और निवेश का झांसा देकर ठग रहे थे। 3 आरोपियों की तलाश की जा रही है। गिरोह लोगों को फोन करके झांसा देकर रकम जमा कराता है। वह सिम और खाते फर्जी आईडी से खुलवाते हैं। इंटरनेट भी फर्जी आईडी पर लिए गए वाईफाई की मदद से इस्तेमाल करते हैं। पुलिस काफी जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर करती है

पुलिस गांव-गांव करेगी युवाओं को जागरुक : डीसीपी पूर्वी जोन ने बताया कि पुलिस गांव-गांव जाएगी। युवाओं को जागरुक किया जाएगा। जो लोग इस तरह के गिरोह में फंसे हैं, उनको चिह्नित करेंगे। परिजन को बताएंगे कि एक बार पुलिस पकड़ लेगी तो भविष्य खराब हो जाएगा। जेल जाने के साथ संपत्ति चिह्नित करके कार्रवाई की जाएगी। ऐसा कोई काम नहीं करें, जिससे कानूनी रूप से फंसना पड़ जाएगा।

भारत-न्यूज़ीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने की ऐतिहासिक घोषणा......जाने क्या होगा सस्ता, क्या मंहगा

नई दिल्ली।

भारत और न्यूज़ीलैंड के द्विपक्षीय संबंधों में सोमवार को एक नया अध्याय जुड़ गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने फोन पर चर्चा के दौरान एक व्यापक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) के संपन्न होने की ऐतिहासिक घोषणा की। यह समझौता न केवल दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देगा, बल्कि आने वाले वर्षों में निवेश और रोजगार के अभूतपूर्व मौके पैदा करेगा। पीएम लक्सन की मार्च 2025 में हुई भारत यात्रा के दौरान एफटीए पर बातचीत शुरू हुई थी, जिसे मात्र 9 महीनों के रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। उम्मीद है कि अगले तीन महीनों के भीतर इस पर औपचारिक हस्ताक्षर हो जाएंगे और अगले साल से लागू होगा।

दोनों नेताओं ने भरोसा जताया कि समझौते के लागू होने के बाद अगले 5 वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होगा। न्यूज़ीलैंड ने वादा किया है कि वह अगले 15 वर्षों में भारत में करीब 20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच वस्तु और सेवा व्यापार करीब 2.4 अरब डॉलर रहा। वर्तमान में भारत का पलड़ा भारी है और वह व्यापार अधिशेष की स्थिति में है। भारतीय व्यापारियों के लिए यह समझौता गेम-चेंजर साबित होगा। समझौते के तहत न्यूज़ीलैंड भारत के 100 फीसदी निर्यातों पर जीरो ड्यूटी मार्केट एक्सेस देगा।

बात दें कि भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद भारत में कुछ चीजें सस्ते होने की उम्मीद है। न्यूज़ीलैंड भारत को बहुत सा कच्चा माल आपूर्ति करता है, जो भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के लिए बहुत जरूरी है। इस आयात बास्केट में सबसे बड़ा योगदान लकड़ी और उससे जुड़े उत्पादों का है। न्यूज़ीलैंड से बड़ी मात्रा में लॉग्स, चिरी हुई लकड़ी और वुड पल्प भारत आता है, जो हमारे घरेलू फर्नीचर, कागज निर्माण और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनिवार्य कच्चा माल है। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद इन प्रोडक्ट पर अगर भारत आयात शुल्क घटाएगा, तब घरेलू बाजार में फर्नीचर आदि सस्ता हो सकता है। न्यूज़ीलैंड अपनी प्रीमियम गुणवत्ता के एग्री प्रोडक्ट लिए भारतीय बाजारों में खास पहचान बना चुका है। विशेष रूप से कीवी और सेब की मांग भारतीय शहरी मध्यम वर्ग के बीच काफी अधिक है।

अब एमएसएमई ऋण देने में डिजिटल डेटा आधारित निर्णय लेने लगे सरकारी बैंक

- 2,61,281 आवेदन स्वीकृत हुए और 23,541 करोड़ जारी किए गए

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026 के 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने डिजिटल फुटप्रिंट आधारित क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल के तहत 28,724 करोड़ रुपये एमएसएमई को ऋण के रूप में मंजूर किए। इस अवधि में कुल 5,60,655 ऋण आवेदन जांचे गए, जिनमें से 2,61,281 आवेदन स्वीकृत हुए और 23,541 करोड़ रुपये जारी किए गए। लगभग 1,88,999 आवेदन अभी प्रक्रिया में हैं। बैंकों की कुल अस्वीकृति दर लगभग 20 प्रतिशत रही। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में यह दर कम रही, जबकि बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक में अधिक आवेदन अस्वीकृत किए गए। अधिकारियों ने कहा कि यह अस्वीकृति डिजिटल डेटा आधारित वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन को दर्शाती है, न कि विवेकाधीन निर्णय। यह मॉडल 2024-25 के केंद्रीय बजट में पेश किया गया और मार्च 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लॉन्च किया गया। बैंक अब जीएसटी फाइलिंग, आयकर रिटर्न, बैंक खाते की जानकारी और अन्य प्रमाणित डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग करके ऋण प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहे हैं। इस पहल का लक्ष्य एमएसएमई तक औपचारिक ऋण पहुंच बढ़ाना, गिरवी आधारित ऋण की निर्भरता कम करना और कर्ज देने की प्रक्रिया को तेज़ व पारदर्शी बनाना है।

2025 में विलय-अधिग्रहण में रिकॉर्ड तेजी

- ओपन ऑफर 2008 के बाद सबसे ज्यादा

नई दिल्ली ।

साल 2025 विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) के लिहाज से काफी सक्रिय रहा। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के अनुसार, इस साल कुल 121 खुली पेशकशें हुईं, जो पिछले 17 वर्षों में सबसे अधिक है। यह संख्या 2008 के बाद दूसरी सर्वाधिक है, जब 133 खुली पेशकशें दर्ज हुई थीं। इस साल कुल 41,443.95 करोड़ रुपये की खुली पेशकशें की गईं, जो मूल्य के लिहाज से तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। सबसे बड़ी पेशकशों में टॉरेंट फार्मास्यूटिकल्स की जेबी केमिकल्स के लिए 6,842.80 करोड़ रुपये, निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल की इकाई एक्रीलो हाउस का आवास फाइनेंसर्स अधिग्रहण 3,682.15 करोड़ रुपये और आईएचएच हेल्थकेयर द्वारा फोर्टिस हेल्थकेयर का अधिग्रहण 3,349.44 करोड़ रुपये शामिल हैं। आम तौर पर, किसी कंपनी में 5 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी हासिल करने वाली संस्थाएं, कुल 25 फीसदी हिस्सेदारी या नियंत्रण में बदलाव के बाद खुली पेशकश करती हैं। अधिकतर पेशकशों का उद्देश्य न्यूनतम 26 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल करना और मौजूदा शेयरधारकों को बाहर निकलने का अवसर देना होता है। शेयरधारकों को आम तौर पर अधिग्रहण कीमत या 60 दिन से 52 हफ्ते तक के वॉल्यूम-वेटेड प्राइस के आधार पर भुगतान किया जाता है।

प्राइम डेटाबेस के अनुसार अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन और पारिवारिक व्यवसायों में पीढ़ीगत बदलाव की वजह से निजी इक्विटी कंपनियां अधिक सक्रिय हैं। एक रिपोर्ट में भी नवंबर 2025 में निजी इक्विटी लेनदेन 2022 के बाद उच्चतम स्तर पर दिखाए गए हैं।

वरुण बेवरेजेज ने ट्विजा का 1,119 करोड़ में अधिग्रहण किया

- अधिग्रहण के बाद ट्विजा, बेवको की स्टेप-डाउन अनुषंगी कंपनी बन जाएगी

नई दिल्ली ।

वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) जो भारत और दुनिया के कई देशों में पेप्सिको की प्रमुख बॉटलिंग पार्टनर है, ने दक्षिण अफ्रीका की कंपनी ट्विजा का पूर्ण अधिग्रहण करने की घोषणा की है। यह अधिग्रहण उनकी स्थानीय अनुषंगी कंपनी, द बेवरेजेज कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (बेवको) के माध्यम से किया जाएगा। अधिग्रहण का उद्यम मूल्य 209.5 करोड़ दक्षिण अफ्रीकाई जार यानी लगभग 1,118.7 करोड़ रुपये तय किया गया है, जो पूरी तरह नकद में भुगतान किया जाएगा। वरुण बेवरेजेज के निदेशक मंडल ने इस सौदे को अपनी हाल की बैठक में मंजूरी दी।

ट्विजा गैर-अल्कोहलिक ब्रांडेड पेय पदार्थों का निर्माण और वितरण करती है। कंपनी के तीन

उत्पादन केंद्र केप टाउन, क्वीनस्टाउन और मिडेलबर्ग की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 10 करोड़ नग्दी है। अधिग्रहण के बाद ट्विजा बेवको की स्टेप-डाउन अनुषंगी कंपनी बन जाएगी। इस अधिग्रहण से वरुण बेवरेजेज को दक्षिण अफ्रीकी बाजार में अपने गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थों के उत्पादन और वितरण में मजबूती मिलेगी। यह कदम कंपनी के वैश्विक विस्तार रणनीति का हिस्सा है और स्थानीय बाजार में उनके कारोबार को और सुदृढ़ करेगा।

स्मॉलकैप ने 2025 में निवेशकों को दिया असाधारण रिटर्न

मुंबई । साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए मिला-जुला रहा। निफ्टी 50 ने करीब 10 फीसदी और सेंसेक्स ने लगभग 9 फीसदी का स्थिर रिटर्न दिया। वहीं स्मॉलकैप सेगमेंट के कुछ शेयरों ने निवेशकों को भारी लाभ दिया। शुरुआती निवेशकों को 3,200 फीसदी से 6,000 फीसदी तक रिटर्न मिलने की खबर है। रिपोर्ट के अनुसार, डिफेंस, सेमीकंडक्टर, रिन्यूएबल एनर्जी और एमएसएमई जैसे सेक्टरों में तेजी रही। कंपनियों ने रणनीतिक बदलाव, विदेशी साझेदारी और मजबूत ऑर्डर बुक के जरिए निवेशकों का भरोसा हासिल किया। स्वदेशी इंडस्ट्रीज का शेयर 2.92 से उछलकर 146.40 रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने फिलीपींस की पर्लेस वेल फ्लोरा के साथ रणनीतिक साझेदारी की है और अब एशिया में एमएसएमई इंडस्ट्रियल पार्क और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे हाई-ग्रोथ क्षेत्रों पर फोकस कर रही है। पहले यूरो एशिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड के नाम से जानी जाने वाली आरपीपी डिफेंस के शेयर 20.31 से बढ़कर 936.30 रुपए हो गए। कंपनी अब डीप-टेक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल की मेरोलाइट के साथ करार के बाद महाराष्ट्र में एडवांस्ड वेपन सिस्टम्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाई जाएगी।मिडवेस्ट गोल्ड के शेयर 111.57 से बढ़कर 4,048.85 रुपए तक पहुंच गए। 27 नवंबर 2025 को कंपनी ने श्रीलंका में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी गुड इनर्जी के गठन की जानकारी दी थी। यह इकाई रिन्यूएबल एनर्जी, क्लीन पावर सॉल्यूशंस और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम पर काम करेगी।स्वान डिफेंस (पहले रिलायंस नेवल एंड इंजीनियरिंग) के शेयर 37.78 से बढ़कर 1,259.70 रुपए पर पहुंच गए।

रुपया सपाट बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सपाट बंद हुआ। आज सुबह रुपया 22 पैसे की मजबूती के साथ शुरु हुआ। 89.45 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। शुक्रवार को यह 89.67 पर बंद हुआ था। विदेशी निवेशक भारत में शेयर बाजार और अन्य परिसंपत्तियों में निवेश बढ़ा रहे हैं, जिससे रुपया मजबूत हुआ। कंपनियों का डॉलर में निवेश और ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल होने से निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया सुबह 89.53 पर खुला और बाद में 89.45 तक मजबूत हुआ। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी बढ़कर 98.63 पर रहा। इसका असर रुपये पर सीमित दिखा।

2026 में क्रिप्टो करेंसी में भारी गिरावट की चेतावनी

मुंबई । क्रिप्टो करेंसी को लेकर लोगों में भय बढ़ता चला जा रहा है। हाल ही में फंड स्टेट ग्लोबल एडवरटाइजर्स ने चेतावनी जारी की है। उससे निविशकों की चिंता बढ़ गई है। इस चेतावनी भरी रिपोर्ट में कहा गया है। 2026 की पहली 6 माही में क्रिप्टो करेंसी में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। बिटकॉइन 60000 डॉलर तक गिर सकता है। इथर कॉइन 1800 से 2000 रुपये तथा सोलना 50 से 75 डॉलर तक गिर सकता है। क्रिप्टो मुद्रा को लेकर अलग-अलग विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। आउटलुक फंडस्ट्रेट के को-फाउंडर और प्रमुख विश्लेषक टाम ली ने कहा है। बिटकॉइन की करेंसी कुछ महीने में 2.5 लाख डॉलर तक जा सकती है। ली का मानना है, इथर अपने पुराने औसत अनुपात पर लौटता है, तो उसकी कीमत 12000 डॉलर तक जा सकती है। क्रिप्टो करेंसी को लेकर सारी दुनिया में अलग-अलग विशेषज्ञों के बीच में अलग-अलग राय देखने को मिल रही है। जिसके कारण निवेशकों में भय का वातावरण है।

सावधान! बढ़ रहे हैं फर्जी एसएमएस, ट्राई ने बताए सुरक्षा के उपाय

अनजान लिंक पर क्लिक न करें ओटीपी या पिन किसी से शेयर न करें

नई दिल्ली । ट्राई ने लोगों को चेतावनी दी है कि देखने में सरकारी या बैंक वाला हर एसएमएस असली नहीं होता। असली मैसेज का हैडर (सेंडर आईडी) अंत में खास अक्षर दिखाता है- पी (प्रमोशनल), एस (सर्विस), टी (लेन-देन), जी (सरकारी)। इन संकेतों से असली मैसेज की पहचान की जा सकती है। ठग डर या लालच के मैसेज भेजते हैं, जैसे आज ही केवायसी अपडेट करें या आपने लॉटरी जीती है। इन मैसेज में संदिग्ध लिंक होते हैं, जो नकली वेबसाइट पर ले जाते हैं। कभी-कभी कॉल करके खुद को बैंक अधिकारी भी बताते हैं। फर्जी लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके बैंक डिटेल्स, कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन या ओटीपी मांगे जाते हैं। यह जानकारी साझा करने से अकाउंट हैक होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए अनजान लिंक पर क्लिक न करें। ओटीपी या पिन किसी से शेयर न करें। डर या लालच वाले मैसेज को शक की नजर से देखें। जरूरत पड़े तो सीधे बैंक या कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट या कस्टमर केयर से संपर्क करें।

मरीज को वेंटिलेटर पर रखने से पहले परिवार को देनी होगी पूरी जानकारी

- खर्च का अनुमान, इलाज की प्रक्रिया, संभावित जोखिम और परिणाम भी शामिल होंगे

मुंबई । केंद्र सरकार ने प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर सपोर्ट पर नई गाइडलाइंस जारी की हैं। अब अस्पतालों को मरीज को वेंटिलेटर पर रखने से पहले परिवार को पूरी जानकारी देनी होगी। इसमें खर्च का अनुमान, इलाज की प्रक्रिया, संभावित जोखिम और परिणाम शामिल होंगे। केवल परिवार की सहमति मिलने पर ही वेंटिलेटर सपोर्ट शुरू किया जा सकेगा। नए नियमों के तहत आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रोजाना का खर्च भी परिवार को बताना जाएगा। इससे परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से तैयार रह सकेगा। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जान बचाने वाला इलाज किसी वित्तीय शोषण का माध्यम न बने। गाइडलाइन बायोएथिकल सिद्धांतों पर आधारित है। इसमें मरीज की स्वतंत्रता और निर्णय लेने का अधिकार (ऑटोनॉमी), उनके हित में निर्णय लेना (बेनेफिसेंस), नुकसान से बचाव (नॉन-मैलेफिसेंस) और समान अवसर सुनिश्चित करना (न्याय) शामिल हैं। प्राइवेट अस्पतालों में वेंटिलेटर चार्ज अब समान होंगे और कोई छुपा हुआ शुल्क नहीं लिया जाएगा। डॉक्टरों को वेंटिलेटर लगाने से पहले स्पष्ट रूप से बताना होगा कि इसे क्यों लगाया जा रहा है और संभावित परिणाम क्या हैं।

1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे डिजिटल टैक्स नियम

- टैक्स चोरी पर की जाएगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली । 1 अप्रैल 2026 से भारत में नया टैक्स कानून लागू होगा, जो 1961 के इनकम टैक्स एक्ट की जगह लेगा। सरकार का कहना है कि यह बदलाव टैक्स सिस्टम को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए है। डिजिटल दौर में कमाई, निवेश और लेन-देन का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन होता है। इसलिए टैक्स चोरी रोकने के लिए डिजिटल मोर्चे पर सख्ती बढ़ाई जा रही है। नए कानून के तहत आयकर विभाग को जरूरत पड़ने पर सोशल मीडिया अकाउंट्स, ईमेल, क्लाउड स्टोरेज और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक कानूनी पहुंच मिलेगी। इसका मकसद फर्जी कंपनियों, बेनामी लेन-देन और छुपी हुई आमदनी पर तेज़ी से कार्रवाई करना है। इस नियम का सबसे ज्यादा असर उन लोगों पर पड़ेगा जो आमदनी छुपाते हैं, फर्जी कंपनियों के जरिए पैसा घुमाते हैं, बेनामी लेन-देन करते हैं और खर्च ज्यादा और टैक्स कम दिखाते हैं। ईमानदार टैक्सपेयर्स के लिए इसका कोई नकारात्मक असर नहीं होगा। इसे लिए आम लोगों को सलाह दी जाती है कि अपनी आमदनी सही-सही दिखाएं, खर्च और निवेश का रिकॉर्ड रखें, टैक्स रिटर्न ईमानदारी से भरें और डिजिटल लेन-देन में पारदर्शिता बनाए रखें।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीददारी वाली रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 638.12 अंक बढ़कर 85,567.48 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 206 अंक की तेजी के साथ ही 26,172 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, बीईएल, सन फार्मा, एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व और आईटीसीके शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरे थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 505.10 अंक बढ़कर 60,815.25 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 202.70 अंक ऊपर आकर बढ़त के साथ ही 17,593 पर बंद हुए। ऑटो, मेटल, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटी, कंजम्पशन और सर्विसेज सहित अधिकतर इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। बाजार का रुख आज सकारात्मक रहा। आज 2,794 शेयर बढ़त पर जबकि 1,515 शेयर गिरावट पर थे। वहीं 192 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए। बाजार जानकारों ने अनुसार भारतीय शेयर मार्केट में तेजी आई है। इसका कारण फेड की ओर से ब्याज दरों में कमी से आई है। आईटी और मेटल स्टॉक्स में बढ़त बनी है। निवेशकों की नजरें अब भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर टिकी हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स 446.78 अंकों की मजबूती के साथ 85,376.14 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 146.75 अंकों की बढ़त के साथ 26,115.90 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशिया-पैसिफिक बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा लोन प्राइम रेट को स्थिर रखने के बाद जापान का निक्केई 225 1.86 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.9 फीसदी चढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, जिससे भारतीय बाजार को भी समर्थन मिला।

सेबी ने शॉर्ट सेलिंग नियमों में बदलाव की खबर खारिज की

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने स्पष्ट किया है कि शॉर्ट सेलिंग के नियमों में अभी कोई बदलाव नहीं हुआ है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने यह गलत खबर फैलाई थी कि नियमों में संशोधन हुआ है, जिसे सेबी ने खारिज किया। सेबी के एक प्रमुख अधिकारी ने नवंबर में कहा था कि नियामक जल्द ही शॉर्ट सेलिंग और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग (एसएलबी) ढांचे की व्यापक समीक्षा के लिए एक कार्य समूह का गठन करेगा। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नियम तुरंत बदल गए हैं। शॉर्ट सेलिंग का ढांचा वर्ष 2007 में लागू हुआ था और तब से अधिकांशतः अपरिवर्तित रहा है। वर्तमान में निवेशकों और बाजार प्रतिभागियों को मौजूदा नियमों के अनुसार ही कार्य करना होगा।

भारत का दवा उद्योग 2047 तक 500 अरब डॉलर के लक्ष्य की ओर

- देश का दवा उद्योग पिछले 25 वर्षों में 3 अरब डॉलर से 60 अरब डॉलर तक बढ़ चुका

नई दिल्ली ।

भारत का दवा उद्योग वर्ष 2026 से अगले पांच साल को निर्णायक चरण मान रहा है, ताकि यह वर्ष 2047 तक 450-500 अरब डॉलर का उद्योग बनते हुए वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित हो सके। यह लक्ष्य वैश्विक व्यापार पुनर्संरचना और शुल्क उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों के बीच रखा गया है। देश का दवा उद्योग मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं पर आधारित है और पिछले 25 वर्षों में 3 अरब डॉलर से 60 अरब डॉलर तक बढ़ चुका है। अब कंपनियां अगली पीढ़ी की दवाओं और नवाचार की दिशा में तेजी से बढ़ रही हैं। आगामी सात वर्षों में 300 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की दवाओं के पेटेंट समाप्त होंगे, जो भारतीय कंपनियों के लिए नए उत्पाद हासिल करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त बनाने का अवसर है। प्रमुख कंपनियां उच्च मूल्य वाले उत्पाद खरीद रही हैं, लाइसेंस समझौते कर रही हैं और नई दवाओं के लिए नियामक स्वीकृति प्राप्त कर रही हैं। दवा-चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली पीआरआईपी

योजना उद्योग से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। इसके साथ ही बौद्धिक संपदा सुरक्षा, उत्पादन मानकों का उन्नयन और वैश्विक गुणवत्ता मानकों के साथ तालमेल पर सरकार का ध्यान इस संक्रमण को और मजबूत बना रहा है। आईपीए और ओपीपीआई जैसे प्रमुख संगठनों ने माना है कि यह समय नवाचार, गुणवत्ता और पहुंच पर आधारित निर्णायक मोड़ है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र और चिकित्सकीय प्रौद्योगिकी उद्योग भी नए मॉडल और वैश्विक नेतृत्व के अवसर तलाश रहे हैं।

नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्सः राफेल नडाल की मौजूदगी में लर्नर टिएन बने चैंपियन

हांगझू (एजेंसी)। जेद्दा- अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराया। इस यादगार मुकाबले के दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल भी स्टेडियम में मौजूद रहे।

पिछले साल खिताब से चूकने के बाद इस बार टिएन ने दमदार वापसी की। टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए आसान नहीं रही थी। राउंड-रॉबिन चरण में स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले मैच में वह चार मैच प्वाइंट का फायदा नहीं उठा सके और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए ग्रुप स्टेज के बाकी दोनों मुकाबले एक सेट से पिछड़ने के बावजूद जीत लिए।

नॉकआउट चरण में टिएन ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा उठाया और एक भी सेट गंवाए बिना फाइनल तक का सफर तय किया। खिताब जीतने के साथ ही वह स्टेफानोस सितसिपास (2018) और कार्लोस अल्काराज (2021) के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले तीसरे टॉप सीड खिलाड़ी बने। इसके अलावा, वह ब्रैंडन नकाशिमा (2022) के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी भी बने।

फाइनल में बाएं हाथ के टिएन ने महज 58 मिनट में क्लच और आक्रामक खेल का बेहतरीन नमूना पेश किया, जिसकी झलक कभी 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल के खेल में देखने को मिलती थी। हालांकि ब्लॉकक्स ने पहले सेट में एक भी फर्स्ट सर्व मिस नहीं की, लेकिन टाईब्रेक में टिएन ने धैर्य बनाए रखा और पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया और आसानी से खिताब जीत लिया।

खिताब जीतने के बाद टिएन ने कहा, 'मैं पिछले एक साल से इस ट्रॉफी को उठाने का इंतजार कर रहा था। इस साल मैंने कई ऐसे लक्ष्य हासिल किए, जिन्हें मैं पाना चाहता था। मेरे पास लक्ष्यों की एक लंबी सूची थी और उनमें से अधिकतर पूरे कर पाया। मैं वाकई बहुत खुश हूं।'

ईशान किशन के लिए एक और खुशखबरी, विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के लिए झारखंड की करेंगे कप्तानी

एडिलेड (एजेंसी)। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने घोषणा की है कि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एलीट (वीएचटी) 2025/26 सत्र के लिए झारखंड टीम के कप्तान होंगे। वीएचटी 2025/26 सत्र 24 दिसंबर से शुरू होगा, जिसमें झारखंड का पहला मैच अहमदाबाद में कर्नाटक के खिलाफ खेला जाएगा। किशन के अलावा, वीएचटी 2025-26 सत्र के लिए झारखंड टीम में कुमार कुशाग्रा, अनुकूल रॉय, रॉबिन मिंज, अभिनव शरण और विराट सिंह भी शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025/26 के लिए झारखंड टीम- इशान किशन (विकेटकीपर और कप्तान), विराट सिंह, उत्कर्ष सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर और उप-कप्तान), रॉबिन मिंज, अनुकूल रॉय, शरणदीप सिंह, शिखर मोहन, पंकज कुमार (विकेटकीपर), बाला कृष्णा, एमडी कौनैन कुरैशी, शुभ शर्मा, अमित कुमार, मनीषी, अभिनव शरण, सुशांत मिश्रा, विकास सिंह, सौरभ शेखर, राजनदीप सिंह, शुभम सिंह.

झारखंड के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) 2025/26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ईशान ने टीम को पहली बार एसएमएटी खिताब दिलाया। उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के असाधारण औसत से 517 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। खास बात यह है कि उन्होंने हरियाणा के खिलाफ फाइनल में 101 रनों की मैच-विनिंग पारी खेलकर अपनी टीम को ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

SMAT में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद, किशन को ICC पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम में वापस जगह मिली है। संजू सैमसन के बाद किशन को दूसरे विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में भारतीय टीम में शामिल किया गया है। सूर्यकुमार यादव आगामी टी20 विश्व कप में 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। टी20आई टीम के उप-कप्तान रहे शुभमन गिल को फिटनेस और फॉर्म संबंधी चिंताओं के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है, और अक्षर पटेल उप-कप्तानी की भूमिका में लौट रहे हैं।

इसी सप्ताह विजय हजारे ट्रॉफी में उतरेंगे रोहित और विराट

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इसी माह 24 और 25 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे। इन दोनो ने ही हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अब इन दोनो का लक्ष्य विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर टीम में अपनी जगह बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम को अगले साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी खेलना है। ये दोनो ही उसमें भी बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौड़ में बने रहना चाहेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास के बाद से ही ये दोनों केवल एकदिवसीय में ही खेल रहे हैं। ऐसे में इन दोनो को ही लय में बने रहने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीससीआई) ने घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है। इसी कारण 24 दिसंबर को रोहित मुंबई के लिए जबकि 25 से विराट दिल्ली की तरफ से खेलते नजर आएंगे !

वहीं ये भी कहा जा रहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एकदिवसीय सीरीज से रोहित और विराट को आराम दिया जा सकता है।

बीसीसीआई ने सारे खिलाड़ियों को लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य कर दिया है। जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं चल रहा हो तो खिलाड़ियों को घरेलू मैच में खेलना होगा। बोर्ड के बनाए नियम में केवल चोटिल खिलाड़ियों को राहत मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट को भी एक दशक से अधिक समय के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को मजबूर होना पड़ा है। इसका एक कारण ये भी है एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं जिससे इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू मैच खेलना जरुरी हो गया है।

शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने पर पूर्व सिलेक्टर हैरान, इसकी उम्मीद नहीं कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम के चयन ने क्रिकेट जगत में बड़ी बहस छेड़ दी है। उप-कप्तान शुभमन गिल को 15 सदस्यीय टीम से बाहर किए जाने का फैसला कई दिग्गजों के लिए चौंकाने वाला रहा। भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व चयन समिति अध्यक्ष क्रिस श्रीकांत ने इस फैसले पर खुलकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें चयनकर्ताओं से ऐसे साहसिक कदम की उम्मीद नहीं थी। हालांकि, उन्होंने इसके बावजूद मौजूदा चयन समिति की सराहना भी की।

शुभमन गिल को बाहर करने पर श्रीकांत की हैरानी

क्रिस श्रीकांत ने कहा कि शुभमन गिल को टीम से बाहर किया जाना उनके लिए 'बड़ा झटका' था। उनके मुताबिक जब किसी खिलाड़ी को उप-कप्तान बनाया जाता है, तो यह साफ संकेत होता है कि टीम मैनेजमेंट उस पर भरोसा कर रहा है। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर गिल को बाहर करना भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब शो में कहा कि वह इस फैसले की उम्मीद नहीं कर रहे थे, खासकर तब जब गिल हाल ही में टेस्ट और वनडे टीम में नेतृत्व की जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

चयन समिति के फैसले की तारीफ

हालांकि अपनी हैरानी के बावजूद श्रीकांत ने अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की तारीफ की। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं ने एक ÷शानदार÷ और संतुलित टीम चुनी है, जो आधुनिक टी20 क्रिकेट की मांगों के अनुरूप है। उनका मानना है कि चयन समिति ने भावनाओं से ऊपर उठकर प्रदर्शन और टीम कॉम्बिनेशन को प्राथमिकता दी। श्रीकांत के अनुसार, यह फैसला भले ही कठोर लगे, लेकिन लंबे समय में टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है।

टी20आई में गिल का प्रदर्शन बना कमजोर कड़ी

शुभमन गिल का टी20 अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड उनके खिलाफ गया। उन्होंने 15 टी20ढ्ढ मैचों में 140 से कम के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए, जो एक टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज से अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखाता। टी20 फॉर्मेट में तेज रन बनाने की जरूरत होती है और यहीं पर गिल पिछड़ते नजर आए। उनकी मौजूदगी के कारण भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा की सफल ओपनिंग जोड़ी को तोड़ना पड़ा, जो टीम के संतुलन पर असर डाल रहा था।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन को बढ़त

श्रीकांत ने साफ कहा कि टी20 क्रिकेट में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन, गिल से आगे नजर आते हैं। अभिषेक शर्मा को उन्होंने 'दुनिया का नंबर वन' तक कह दिया, जबकि संजू सैमसन और ईशान किशन विकेटकीपर-बल्लेबाज़ का उपयोगी विकल्प देते हैं। उनके मुताबिक, ईशान किशन की वापसी ने टीम को आक्रामक शुरुआत और अतिरिक्त फ्लेक्सिबिलिटी दी है, जो बड़े टूर्नामेंट में अहम भूमिका निभा सकती है।

गिल को करना होगा इंतजार

श्रीकांत ने यह भी कहा कि शुभमन गिल की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। वनडे और टेस्ट क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार है, खासकर विदेशी परिस्थितियों में। लेकिन टी20 क्रिकेट में उन्हें अभी खुद को साबित करना होगा। पूर्व कप्तान के अनुसार, गिल को अब धैर्य रखना होगा और जब भी मौका मिले, टी20 फॉर्मेट में अपनी स्ट्राइक रेट और प्रभाव को बेहतर बनाना होगा।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन एशेज के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के स्टार स्पिनर नाथन लियोन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पायेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम 26 दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में उतरेगी। इससे लियोन पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। इसका कारण है कि एडीलेड टेस्ट में लियोन की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी कारण वह मैच में पूरे समय गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। तीसरे टेस्ट में फील्डिंग करते समय लियोन ने एक गेंद को रोकने के लिए छलांग लगाई। इसके बाद ही उन्हें दर्द शुरु हो गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि लियोन की चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ा झटका है। लियोन ने तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इंग्लैंड की दूसरी पारी में तीन विकेट ओर दोनो पारियों को मिलाकर पांच विकेट लिए थे। उन्होंने तब विकेट लिए जब इंग्लैंड की टीम तेजी से 435 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी।

एस्टन विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराकर लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड) । मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार दसवीं जीत है। वह ईपीएल की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से केवल तीन अंक पीछे है। रोजर्स ने अपना पहला गोल 45वें और दूसरा गोल 57वें मिनट में किया। यूनाइटेड के लिए एकमात्र गोल मैथियस कुन्हा ने किया। इस तरह से एस्टन विला का शानदार प्रदर्शन जारी रहा। उसने लीग में अपने पिछले 12 मैचों में से 11 में जीत हासिल की। यह हार यूनाइटेड के लिए एक और झटका है। वह अपने पिछले आठ मैचों में से केवल दो में जीत हासिल कर पाया है और वह तालिका में सातवें स्थान पर है।

हॉकी इंडिया का बड़ा ऐलान : आगामी लीग के लिए फैंस को मिलेंगे मुफ्त टिकट

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने हॉकी इंडिया लीग (HIL) 2025-26 को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए बताया है कि आगामी सीजन के मुकाबलों के लिए दर्शकों को मुफ्त टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका मकसद देश के अलग-अलग शहरों में हॉकी के प्रति फैंस की भागीदारी बढ़ाना और खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाना है। महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरुआत 28 दिसंबर से रांची में होगी और यह टूर्नामेंट 10 जनवरी तक चलेगा। वहीं, पुरुष हॉकी इंडिया लीग का आगाज 3 जनवरी से चेन्नई में होगा, जिसके बाद मुकाबले 11 जनवरी से रांची में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का अंतिम चरण हॉकी के गढ़ माने जाने वाले भुवनेश्वर में 17 से 26 जनवरी के बीच आयोजित होगा। रांची चरण के लिए Hero HIL के टिकट आज सुबह 11 बजे से उपलब्ध करा दिए गए हैं, जबकि चेन्नई में होने वाले पुरुषों के मुकाबलों के टिकट बुधवार सुबह 11 बजे से मिलेंगे। पिछली बार की तरह इस बार भी हॉकी इंडिया देश के हर कोने तक हॉकी पहुंचाने और इसे अधिक सुलभ बनाने के अपने लक्ष्य पर कायम है। हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के चेयरपर्सन दिलीप तिर्की ने कहा, 'हमने एक बार फिर फैसला किया है कि चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होने वाले सभी मुकाबलों के लिए हॉकी प्रेमियों को मुफ्त टिकट दिए जाएंगे। महिला लीग रांची में होगी, जबकि पुरुषों की लीग तीन शहरों में खेली जाएगी। हमारा उद्देश्य स्टेडियम को उन फैंस से भरना है जो अपने पसंदीदा सितारों को खेलते देखना चाहते हैं। इस सीजन में दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और हमें शानदार हॉकी देखने की उम्मीद है।' गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने भी इसी तरह की बात कहते हुए कहा, 'Hero HIL एक महीने तक चलने वाला हॉकी का उत्सव होगा। हम सभी हॉकी प्रेमियों को #HockeyKaJashn देखने के लिए आमंत्रित करते हैं। हमारा लक्ष्य पूरे देश में हॉकी का फैनबेस बढ़ाना है और हमें उम्मीद है कि इस सीजन में सभी स्टेडियम खचाखच भरे रहेंगे।' इस साल की हॉकी इंडिया लीग में आठ पुरुष टीमें और चार महिला टीमें हिस्सा लेंगी। नए और रिवैम्प्ड फॉर्मेट के साथ दोनों लीग में तेज रफ्तार और रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे फैंस को पूरे एक महीने तक शानदार हॉकी का आनंद मिलेगा।

हरमनप्रीत 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय व विश्व की दूसरी महिला क्रिकेट बनी

विशाखापट्टनम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 350 मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गईं हैं। हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 मुकाबले में हासिल की। हरमनप्रीत ने साल 2009 में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था और इसके बाद से ही वह वह लगातार आगे बढ़ती रही हैं। अपनी बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल से वह भारतीय महिला क्रिकेट की एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी हैं। वह महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने का रिकार्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 347 मैच खेले हैं। हरमनप्रीत ने अपने करियर में कई मैच विजेता पारियां खेली हैं। उन्होंने साल 2017 विश्वकप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी। इस पारी को महिला क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ पारियों में शामिल किया गया है। इसके अलावा उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने आईसीसी विश्वकप जीता है। हरमनप्रीत ने 350 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 183 टी20, 161 एकदिवसीय और 9 टेस्ट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारुपों को मिलाकर 8 शतक के साथ ही कुल 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी के दौरान इस बल्लेबाज ने 75 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को तीसरे टेस्ट में 323 रनों से हराया, तीन मैचों की सीरीज 2-0 से जीती

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में मेहमान वेस्टइंडीज को बड़े अंतर से हराया। यह मैच टेस्ट सीरीज का न केवल आखिरी बल्कि निर्णायक मुकाबला भी था। माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान में खेले गए मुकाबले में कीवी टीम ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाया और 323 रनों से जीत दर्ज की।

मैच में टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 8 विकेट पर 575 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। कप्तान टॉम लैथम ने 137 रन की अहम पारी खेली, जबकि उनके साथी ओपनर डेवोन कॉन्वे ने शानदार 227 रन बनाए। कॉनवे ने इस पारी में दोहरा शतक लगाया और टेस्ट क्रिकेट में एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 420 रन पर सिमट गई। इस दौरान क्रेम हॉज ने शतक लगाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके। न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में एक बार फिर अपने ओपनिंग बल्लेबाजों के बेजोड़ प्रदर्शन के चलते 2 विकेट खोकर 306 रन बनाए और पारी घोषित कर दी। इस बार भी कप्तान टॉम लाथम ने 101 रन और डेवोन कॉन्वे ने 100 रन की शतकीय पारी खेली, जिससे वेस्ट इंडीज पर दबाव और बढ़ गया। 462 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 138 रन पर ही ढेर हो गई। इस दौरान जैकब डफी ने पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 42 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। एजाज पटेल ने भी अच्छा साथ देते हुए 32 ओवर में 21 मेडन ओवर फेंके और केवल 23 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

मैच की खास बातें यह रहीं कि डेवोन कॉन्वे ने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक दोनों लगाए। टॉम लैथम ने भी दोनों पारियों में शतक जड़कर कप्तानी पारी खेली। डेवोन कॉन्वे को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं, वेस्टइंडीज की ओर से क्रेम हॉज का शतक ही एकमात्र बड़ी उपलब्धि रहा। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने दोनों पारियों में समय पर विकेट लेकर टीम को आसान जीत दिलाई।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया है। सीरीज का पहला मैच ड्रा रहा था, जिसके बाद मेजबान टीम ने लगातार दो टेस्ट अपने नाम किए और सीरीज को जीत लिया। पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए जैकब डफी को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

अंडर-19 एशिया कप जीतकर मालामाल हुई पाकिस्तान टीम, प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए

कराची । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने सोमवार को अपने देश की अंडर-19 एशिया कप विजेता टीम के प्रत्येक खिलाड़ी के लिए एक करोड़ रुपए के विशेष नकद पुरस्कार की घोषणा की। पाकिस्तान की युवा टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हराकर खिताब जीता था। शरीफ ने इस्लामाबाद में टीम और उसके सहयोगी स्टाफ के लिए आयोजित किए गए स्वागत समारोह में यह घोषणा की। टीम के मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर सरफराज अहमद ने स्वागत समारोह के बाद मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रत्येक खिलाड़ी को एक करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। इससे पहले रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एशिया कप जीतने वाली जूनियर टीम के खिलाड़ियों के लिए 50-50 लाख रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से दुखी होकर संन्यास लेना चाहता था: रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में मिली हार से वह हताश थे और उन्होंने खेल से संन्यास का फैसला कर लिया था। तब वह इतने दुखी थे और उन्हें लगा था कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है। तब भारतीय टीम ने सभी मैच जीतकर फाइनल में जगह बनायी थी पर वहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हरा दिया था। तब ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाकर भारतीय टीम के हाथ आयी जीत छीन ली थी। रोहित ने एक कार्यक्रम में कहा कि फाइनल के बाद उन्हें लगा था कि अब मुझे नहीं खेलना चाहिये क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है। इस सदमे से उबरने में मुझे कुछ समय लगा था। मैं अपने को याद दिलाता था कि यही वह खेल है, जिससे मुझे असल में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। इसके बाद धीरे-धीरे मैं इस झटके से उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ताकत वापस हासिल की और फिर से मैदान पर उतर गया। उन्होंने माना कि उस हार से हर कोई दुखी था और हमें भरोसा नहीं हो रहा था कि अचानक ही क्या हुआ है। मेरे लिए तो कप्तान होने के कारण यह बहुत कठिन दौर था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्श्व कप से पहले ही नहीं, बल्कि साल 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था.

रोहित ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब वह एकदिवसीय में ही खेलते हैं। उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना और उसे जीतना है।

रोहित ने कहा, 'मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी-20 विश्व कप हो या 2023 में एकदिवीसय विश्व कप इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी शक्ति नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और वापसी करने में कुछ माह लग गये थे।'

भारतीय टीम ने इसके बाद उनकी कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था पर वह नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार से इसके बाद भी नहीं उबर पाये।

रोहित ने कहा, 'जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपनी सारी ताकत लगा देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो दुखी होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है. मेरे साथ भी ठीक यही हुआ, लेकिन मुझे यह भी पता था कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता, इससे सबक लेते हुए हमने टी20 विश्वकप जीता।'

ब्लीच करवाती है तो इन बातों का भी रखें ख्याल

आमतौर पर महिलाएं व लड़कियां अपनी त्वचा की रंगत निखारने के लिए पार्लर में ब्लीच करवाती है या कई बार घर पर खुद ही करती है। अगर आप भी घर पर खुद से ब्लीच करती हैं तो ये 10 बातें आपको जरूर जानना चाहिए –

- चेहरे को साफ–सुथरा व कांतिमय बनाने के लिए 'ब्लीच' एक बेहतर विकल्प है। ब्लीच आपकी त्वचा के अनचाहे बालों को छिपाने के साथ ही त्वचा में सोने सा निखार भी लाता है।
- ब्लीच का इस्तेमाल हाथ, पैर व पेट पर भी वेक्स के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।
- ध्यान रहे ब्लीच में अमोनिया की मात्रा निर्देशानुसार ही मिलाए। इसमें अमोनिया की अधिक मात्रा आपके चेहरे को नुकसान पहुंचा सकती है।
- इसे लगाते समय बस इस बात का जरूर ध्यान रखें कि यदि यह आंखों के ऊपर लग गया तो बहुत अधिक नुकसानदेह हो सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे आंखों व आई ब्रो पर नहीं लगाएं।
- आजकल बाजार में कई प्रकार की कंपनियों के ब्लीच उपलब्ध हैं, जिनके ट्रायल पैक का इस्तेमाल कर आप उन्हें अपनी स्कीन पर आजमा सकती है।
- बॉक्स पर दिए गए निर्देशानुसार ही ब्लीच क्रीम में अमोनिया पावडर की मात्रा डालें।
- क्रीम और पावडर के इस मिश्रण को पहले कोहनी पर या अन्य जगह पर लगाकर देखें।
- त्वचा में अधिक जलन होने पर मिश्रण में क्रीम की मात्रा बढ़ाएं।
- हमेशा ब्रांडेड कंपनी का ही ब्लीच इस्तेमाल करें।

सिर्फ 5 मिनट में मिटेगी सिर की खुजली, स्कैल्प में लगाएं ये नैचरल हर्ब

अगर आपके सिर में बहुत खुजली हो रही है और इस कारण डैंड्रफ भी परेशान कर रहा है तो आपको कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। बल्कि अपना फ्रिज खोलकर चुटकियों में इस समस्या का समाधान कर सकते हैं.

- सिर की खुजली एक आम समस्या है। हर मौसम में अलग–अलग कारणों से यह समस्या परेशान कर सकती है। यदि आप भी इसका सामान कर रहे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। बल्कि आप यहां बताए गए तरीके से सिर्फ 5 मिनट में अपने सिर की खुजली से राहत पा सकते हैं।
- यह तरीका अपनाने के लिए आपको चाहिए एक नींबू और दो चम्मच सादा पानी (मिनरल वॉटर होगा तो और भी अच्छा रहेगा)। इसके बाद इन दोनों को मिलाकर अपने बालों की स्कैल्प में लगाना है। कैसे लगाना है और कितनी देर लगाना, इस बारे में यहां जानें.
- सबसे पहले आप 1 नींबू लेकर उसे काट लें और उसका रस निकाल लें। नींबू का रस निकालते समय आप कटोरी के ऊपर छलनी रखकर इसे निचोड़ें ताकि इसके रेशे और बीज, रस के साथ मिक्स ना रहें और छलनी में ही अलग हो जाएं।
- अब आप इस रस में दो चम्मच पानी मिला लें। यदि आपके बाल लंबे हैं तो आप दो नींबू ले सकते हैं और इसमें 4 चम्मच पानी मिला सकते हैं। नींबू और पानी के घोल को तैयार करने के बाद इसमें एक चम्मच गुलाबजल मिला लें।
- नींबू, पानी और गुलाबजल के मिश्रण को मुख्य रूप से बालों की जड़ों में लगाना है। ताकि आपके सिर की खुजली को शांत किया जा सके और डैंड्रफ को दूर किया जा सके। सिर की त्वचा में इस मिश्रण को लगाने के लिए आप आधे नींबू का वो छिलका लें, जिससे आपने रस निचोड़ा है।
- अब इस छिलके को तैयार मिश्रण में डुबोकर अपने बालों की जड़ों में हल्के हाथों से रगड़ते हुए लगाएं। आपको धीरे–धीरे यह काम करना है ताकि आपकी त्वचा इस लिक्विड को सोख सके और यह बहते हुए आपके चेहरे और गर्दन पर ना आए।
- इस मिश्रण को पूरे सिर में लगाने के बाद बालों की लंबाई में भी लगाएं। इसके बाद बालों को बांध लें और करीब आधा घंटा के लिए इसे ऐसे ही लगा रहने दें। जब आप इस मिश्रण को बालों में लगा रहे होंगे, आपकी खुजली तभी शांत होती जाएगी।
- हो सकता है कि सिर की त्वचा में हल्की–सी झनझनाहट हो, लेकिन यह 2 से 3 मिनट में ही ठीक हो जाएगी। आपको आधा घंटे के लिए यह मास्क लगाने के लिए इसलिए कहा जा रहा है ताकि आपके सिर से डैंड्रफ भी पूरी तरह गायब हो जाए।
- यदि आपको डैंड्रफ की समस्या नहीं है तो पूरे सिर में नींबू लगाने के 5 मिनट बाद भी आप अपने बालों को हर्बल शैंपू से धो सकते हैं। बस इस बात का ध्यान रखें कि शैंपू करने के लिए जिस पानी का उपयोग करें, वह निमाया (बहुत हल्का–सा गर्म) होना चाहिए। ताकि सर्दी के मौसम में आपको जुकाम ना हो।
- इस बात का ध्यान रखें कि नींबू बालों के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है लेकिन इसका बहुत अधिक उपयोग करने से बालों में रूखापन बढ़ सकता है। इसलिए यदि आप सप्ताह में एक सो दो बार बालों में नींबू लगाते हैं तो यह पर्याप्त है। इससे अधिक बालों में नींबू का उपयोग करने से रूखापन बढ़ सकता है।
- नींबू के रस में साइट्रिक एसिड और विटमिन–सी पाए जाते हैं। साथ ही नींबू का रस ऐंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। यह सिर में खुजली करनेवाले बैक्टीरिया और फंगी इत्यादि को दूर करता है। स्कैल्प की गहरी सफाई करता है।
- गुलाबजल सिर में हो रही जलन और खुजली को शांत करने में सहायता करता है। यह सिर की त्वचा को टोन करता है और बालों की जड़ों में नमी को ब्लॉक करने में मदद करता है। ताकि सिर में डैंड्रफ ना आए।

टीकाकरण कार्ड को अप–टू–डेट रखना प्रत्येक माता–पिता के लिए क्यों जरूरी है

नए बच्चे का जीवन में आना हर मां-बाप के लिए एक रोमांचक समय होता है। चाहे वह नवजात शिशु को अपनी बाहों में उठाना हो या फिर बच्चे की जरूरतों के इर्द-गिर्द अपने जीवन को व्यवस्थित करना हो, पितृत्व की खुशियां किसी से कम नहीं होतीं। इस उत्साह के बीच, माता-पिता अक्सर उन जिम्मेदारियों का सामना करते हुए दिखते हैं, जिनके लिए वे तैयार ही नहीं थे। बच्चों की बहुत सारी जरूरतें होती हैं, खासकर तब जब उनके स्वास्थ्य की बात आती है। कई माता-पिता टीकाकरण की योजना बनाते समय अनिश्चितता में रहते हैं। जब आप पहली बार माता-पिता बनते हैं, तो शिशु का टीकाकरण अपरिहार्य यानी बेहद जरूरी- सा लगता है।

ब तौर माता–पिता अपने बच्चे को पूरी तरह से सुरक्षा देने के लिए प्रथम चरण के टीकाकरण को प्राथमिकता देना जरूरी है। जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान, बच्चों की प्रतिरक्षा प्रणाली लगातार विकसित हो रही होती है, जो उन्हें बहुत सारी बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील बनाती है। सही टीकाकरण करके बच्चों को एक दर्जन से अधिक गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। वास्तव में, अप–टू–डेट टीकाकरण न केवल बच्चे के लिए, बल्कि उन सभी के लिए महत्वपूर्ण है, जो नियमित रूप से उसके आसपास रहते हैं।

टीकाकरण का ध्यान रखना

आपके बच्चे के अधिकांश टीकाकरण जन्म और 6 साल के बीच पूरे होते हैं। कई टीके अलग–अलग उम्र में, और कॉम्बिनेशन में एक से अधिक बार दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि आपको अपने बच्चे के हर टीके का सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड रखना होगा। यद्यपि कभी–कभी आपका डॉक्टर / अस्पताल भी नजर रखेगा, लोग शहरों / डॉक्टरों को बदलते हैं, रिकॉर्ड खो जाते हैं, और इसलिए आपके बच्चे के टीकाकरण पर नजर रखने के लिए अंतत: जिम्मेदार व्यक्ति आप ही हैं।

टीकाकरण कार्ड बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य का पासपोर्ट

टीकाकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने और माता–पिता को अपने बच्चे के टीकाकरण का ट्रैक रखने में मदद करने के लिए, टीकाकरण कार्ड होना जरूरी है। दुनिया भर के बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा व्यापक रूप से रेकमेंडेड टीकाकरण कार्ड उपयोगी स्वास्थ्य रिकॉर्ड है, जिसमें टीकाकरण की तारीखों और खुराक के बारे में जानकारी शामिल होती है। अक्सर, माता–पिता टीकाकरण के महत्व के बारे में जानते हैं, लेकिन एक उचित रिकॉर्ड की कमी के कारण महत्वपूर्ण टीकाकरण छूट जाते हैं। इस जगह पर टीकाकरण कार्ड एक संगठनात्मक दस्तावेज के रूप में काम आता है, जिसमें सभी प्रकार का डेटा एक ही स्थान पर रखा जाता है, ताकि माता–पिता अपने बच्चे के स्वास्थ्य पर नजर रख सकें। अपने बच्चे के टीकाकरण कार्ड के बारे में सोचें और इसे अपने अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ संभालकर रखें। आप यहां से आसानी से पढ़ा जाने वाला टीकाकरण कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

टीकाकरण कार्ड इतना महत्वपूर्ण क्यों है

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की सिफारिश है कि बच्चों को टीकाकरण कार्ड में उल्लिखित अनुसूची के अनुसार टीका लगाया जाना चाहिए। यह बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा रेकमेंडेड है, ताकि बच्चों में समय पर ढंग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण किया जा सके, जो जानलेवा बीमारियों में बदल सकता है। जब बच्चे एक विशेष उम्र तक पहुंच जाते हैं, तो वे कुछ बीमारियों के प्रति अतिसंवेदनशील हो जाते हैं। तो इसलिए एक सारणी का पालन करना आवश्यक है, जो सुरक्षित और विज्ञान पर आधारित हो। इसके अलावा यह बार–बार बच्चे को हेल्थ केयर प्रोवाइडर के पास ले जाने से भी बचाता है और मां को उसके बच्चे के स्वास्थ्य पर नियंत्रण की समझ भी देता है। उम्र के हिसाब से टीकाकरण आम तौर पर माता–पिता पहले

वर्ष के टीकाकरण का विवेकपूर्ण तरीके से पालन करते हैं और जैसे–जैसे उनका बच्चा बढ़ता है, वैसे–वैसे वे आगामी टीकाकरण के प्रति लापरवाही बरतने लगते हैं। बच्चे के जीवन में पहले पांच साल उनकी वैक्सीनेशन जर्नी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और टीके नीचे दिए गए हैं :

जन्म पर :
बीसीजी (टूबरक्यूलोसस), हेपेटाइटिस बी
ओपीवी (ओरल पोलियो वैक्सीन)

6 सप्ताह से 6 महीने के बीच :
डीटीपी, हिब, हेप–बी, आईपीवी
पीसीवी (न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन)
रोटावायरस

6–12 महीनों के बीच :
इन्फ्लुएंजा (5 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनुशंसित)
एमएमआर (खसरा, गलसुआ और रूबेला)
टाइफाइड, मेनिंगोकोक्सल

1–2 साल के बीच :
हेपेटाइटिस–ए, चिकनपॉक्स, डीटीपी, हिब, आईपीवी
न्यूमोकोकल, एमएमआर

2–6 साल के बीच :
मेनिंगोकोक्सल, एमएमआर, डीटीपी, आईपीवी

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा टीकाकरण और टीकाकरण प्रथाओं, 2020–21 की सलाहकार समिति के अनुसार अनुसूची विशेष स्थितियों के लिए
डीटीपी : डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस ; हिब : हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी ; हेप–बी : हेपेटाइटिस बी ; आईपीवी : इंजेक्शन पोलियो वैक्सीन

टीकाकरण कार्ड के बारे में मुख्य जानकारी

टीकाकरण कार्ड सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य दस्तावेज में से एक है, जो एक बच्चे का होना जरूरी है। हमेशा अपने बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाने के दौरान इसे अपने साथ रखें। माता–पिता की जिम्मेदारी है कि जब भी वो बाल रोग विशेषज्ञ के पास जाएं, तो कार्ड को जरूर अपडेट करवाएं। इस प्रकार, माता–पिता से यदि गलती से टीकाकरण चूक जाए या फिर ड्यू रह जाए, तो वह इसके लिए तैयार रह सकते हैं। ऐसे मामलों में तत्काल कदम उठाना चाहिए और सबसे पहले बाल रोग विशेषज्ञ से अगले टीकाकरण के लिए परामर्श करना चाहिए और चीजों को नियंत्रण में रखना चाहिए। माता–पिता को अधिक तैयार रखने के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा इम्यूनाइज इंडिया ऐप जैसी कई मुफ्त डिजिटल टीकाकरण अनुस्मारक सेवाएं (डिजिटल वैक्सीनेशन रिमांइडर सर्विस) भी हैं। टीकाकरण कार्ड को मेंटेन करने के अलावा, ये ऐप्स सुनिश्चित करते हैं कि माता–पिता अपने बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में अधिक सक्रिय हों। जब आपके बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य की बात आती है, तो समय पर टीकाकरण ही उसे दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है और स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी इम्यूनिटी बनाने में मदद कर सकता है।

मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री पर चढ़ा बनारस का रंग

90 के दशक की सुपरहिट फिल्म मैंने प्यार किया फेम भाग्यश्री सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। अभिनेत्री हाल ही में बनारस की सैर पर थी। शनिवार को अभिनेत्री ने घाट की शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री गंगा घाट पर आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर एक मजेदार कैप्शन लिखा, बनारस की सुबह। यहां की सुबह कुछ अलग ही होती है। यहां पर सुकून और शांति मिलती है, जैसे सभी नदियों में गंगा का पानी सबसे खास हो। यहां आकर इंसान खुद को भूल जाता है और नाविक आपको गंगा पार कराकर आपसे ही आपकी पहचान करा देता है। उन्होंने आगे लिखा, बनारस की हर सुबह अलग होती है। आज मौसम बादलों से घिरा था, इसलिए सूरज की पहली किरणें नहीं दिखीं। फिर भी यह अनुभव बहुत शांत और अद्भुत था। फैंस को अभिनेत्री का ये पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन में खुलकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, गंगा मैया चे विस्तिर्ण पात्र, निर्मळ पाणी 'गंगा तेरा पानी अमृत, झर झर बहता जाए, युग युग से इस देश की धरती, तुझसे जीवन पाए। अभिनेत्री ने अपने करियर में भले ही कुछ ही फिल्मों में काम किया हो, लेकिन दर्शकों के दिलों में वे आज भी मौजूदगी दर्ज करवाती हैं।

सोनू के टीटू की स्वीटी के इस सीन के अमिताभ बच्चन हुए फैन

कार्तिक आर्यन की सोनू के टीटू की स्वीटी का एक आइकॉनिक वॉकिंग सीन एक बार फिर चर्चा में है और इस बार वजह बने हैं खुद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन। सालों पहले फिल्म में दिखा यह शांत लेकिन बेहद असरदार पल अब दोबारा सुर्खियों में आ गया है, जब अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर इस सीन को याद करते हुए कार्तिक की तारीफ की। महानायक ने बातचीत के दौरान फिल्म का ज़िक्र करते हुए बताया कि कार्तिक का एक खास शॉट उनके ज़हन में आज भी बसा हुआ है। यह वही आखिरी सीन है, जहां कार्तिक का किरदार बिना एक भी शब्द बोले, सिर्फ खामोशी के साथ वहां से चला जाता है और भावनाएं खुद-ब-खुद सामने आ जाती हैं। उस पल को याद करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, 'मैं आपको बताऊं, मुझे आपका कौन सा शॉट याद है। आप लास्ट शॉट में एकदम सीरियस होकर खड़े होते हो। बस आपको 'ना' बोलना होता है। पर आप 'ना' नहीं बोलते। आप चुप-चाप चलकर आते हो... और निकल जाते हो।' परफॉर्मेंस की इस सादगी और संयम की तारीफ करते हुए बिग बी ने इसे एक शब्द में समेटते हुए 'असाधारण' बताया। अमिताभ बच्चन की इस टिप्पणी ने दर्शकों के दिल को छू लिया। सोशल मीडिया पर फैंस ने एक बार फिर उस सीन को देखा और उसकी भावनात्मक गहराई की सराहना की। ऐसे दौर में, जहां ज़ोरदार डायलॉग्स और ओवर-द-टॉप क्लाइमेक्स आम हो चुके हैं, कार्तिक का यह साइलेंट मोमेंट यह याद दिलाता है कि कभी-कभी खामोशी ही सबसे ज़्यादा बोलती है। भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े आइकॉन से मिली इस खास सराहना के बीच, कार्तिक आर्यन अब अपनी अगली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी की तैयारी में जुटे हैं, जो क्रिसमस पर रिलीज़ होने वाली है। ऐसे में फेस्टिव सीज़न में दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

तमन्ना भाटिया ने 16 साल की उम्र में डेब्यू

आज बॉलीवुड और साउथ की टॉप एक्ट्रेस में शुमार

कातिलाना अदाएं, जबरदस्त अदाकारी और गजब का कॉन्फिडेंस... बॉलीवुड हो या साउथ इंडस्ट्री, हर जगह अपनी पहचान बनाने के लिए इन तीन चीजों की जरूरत पड़ती ही है। ऐसे में किसी ने शब्दों को सच कर दिखाया है तो वो हैं तमन्ना भाटिया। यूं तो इंडस्ट्री में हसीनाओं की कमी नहीं है, लेकिन तमन्ना ने बेहद कम समय में अपनी एक्टिंग, डांसिंग और बेमिसाल फैशन सेंस से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने सिर्फ साउथ में ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में भी अपना सिक्का मनवाया है।

तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ। बहुत कम उम्र में ही उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। तमन्ना ने जल्द ही साउथ इंडस्ट्री की ओर रुख किया और वहां अपनी मेहनत और टैलेंट से खुद को साबित किया। तमिल और तेलुगु फिल्मों में उन्होंने कई हिट फिल्में दीं और जल्दी ही टॉप एक्ट्रेस बन गईं। 2013 में उन्होंने बॉलीवुड में 'हिम्मतवाला' से वापसी की। तमन्ना की खूबसूरती, अदाएं और स्टाइल हर किसी के दिल को छू जाती हैं। आज की रात', 'नशा' और 'पिया के बाजार' जैसे आइटम सॉन्ग्स में उन्होंने अपने शानदार डांस मूव्स से दर्शकों को दीवाना बना दिया। इसके अलावा, वह 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं, जिनमें उनकी एक्टिंग और प्रेजेंस ने सबका ध्यान खींचा। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी तमन्ना ने अपनी छाप छोड़ी। 'जी करदा' और 'आखिरी सच' जैसी वेब सीरीज में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। इन दोनों सीरीज के लिए उन्हें बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में 'बेस्ट फीमेल एक्टर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड भी मिला।

अनुपम खेर ने इस बात के लिए की करीना कपूर की तारीफ

अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। वह अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़ी अपडेट साझा करते रहते हैं। हाल ही में वह अभिनेत्री करीना कपूर से एक फ्लाइट में मिले। उन्होंने करीना के साथ तस्वीरें ली और इसे इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेता ने करीना के बारे में कई बातें लिखी हैं।

करीना कपूर के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अनुपम खेर ने पोस्ट में लिखा 'फ्लाइट में करीना कपूर के साथ। मैं बेबो से साल 2000 में 'रिफ्यूजी' के सेट पर मिला था। यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। वह बेहद खूबसूरत, आत्मविश्वासी होने के साथ-साथ थोड़ी नाजुक भी थीं। वह बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए बेचैन थीं। एक इंसान के तौर पर वह कमाल की हैं! कई वर्षों में उन्होंने बहुत तरक्की की है।'

अच्छे रोल की तलाश में करीना कपूर

अनुपम खेर ने आगे लिखा 'बीते कल हम एक ही फ्लाइट में थे। हमने कई चीजों के बारे में बातें कीं। 25 वर्षों के बाद यह जानकर अच्छा लगा कि वह अच्छे रोल की तलाश में हैं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और उन्हें बात करना पसंद है। मेरी तारीफ करने के लिए करीना कपूर आपका बहुत शुक्रिया। इतने वर्षों बाद मैं वैसा ही दिखता हूं। भगवान आपको और आपके परिवार को सुखी रखे। आपको प्यार और आपके लिए दुआएं।'

'शक्तिमान' के लिए मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह को कहा था 'ना'

मुकेश खन्ना ने फिल्म 'शक्तिमान' के लिए रणवीर सिंह को मना कर दिया था, हालांकि अब उनकी फिल्म 'धुरंधर' की कामयाबी के बाद उनकी तारीफ की है। अभिनेता मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' के बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन

प्रदर्शन करने पर तारीफ की है। उन्होंने 'धुरंधर' को परफेक्ट फिल्म बताया है। उन्होंने फिल्म के कलाकारों रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की है। आइए जानते हैं अभिनेता ने फिल्म के बारे में और क्या कहा है? मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा 'यह परफेक्ट और कमर्शियल फिल्म है, जो जनता को पसंद आएगी। हर डिपार्टमेंट ने अपना बेस्ट काम किया है, चाहे वह अभिनय हो, निर्देश हो, एक्शन हो, सिनेमैटोग्राफी हो या लेखन हो। सबने अपना बेस्ट दिया है, इसलिए आप इस फिल्म को हर तरह से 'धुरंधर' कह सकते हैं।'

मुकेश खन्ना ने की रणवीर सिंह की तारीफ

रणवीर सिंह की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा 'हां, मैं इस फिल्म 'धुरंधर' के हीरो रणवीर सिंह की तारीफ करना चाहूंगा। आप कहेंगे, 'आपने उन्हें शक्तिमान का रोल नहीं करने दिया'। हो सकता है मैंने उन्हें शक्तिमान का रोल देने से मना किया हो, लेकिन वह एक अच्छे एक्टर हैं। मैं यह हमेशा कहता हूं।' ख्याल रहे मुकेश खन्ना बॉलीवुड फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ टीवी सीरियल 'शक्तिमान' से काफी मशहूर हुए।

शेफाली शाह ने सुनाई वेकेशन की दास्तां

शिफॉन साड़ियां यशराज फिल्म में ही अच्छी लगती हैं

अभिनेत्री शेफाली शाह इन दिनों परिवार के साथ विदेश में छुट्टियां मना रही हैं। शेफाली ने मजाकिया अंदाज में बताया कि ठंड के मौसम में उन्हें मजेदार अनुभव और सबक मिले। शेफाली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं और साथ में मजेदार अंदाज में छुट्टियों के बारे में भी बताया। शेफाली ने लिखा, 'पहले मैं ठंड में जम गई थी, अब पिघल रही हूं। ठंड में प्यार नहीं, बल्कि थर्मल कपड़े ही गर्म रखते हैं। पुराने थर्मल का साथ कभी न छोड़ें और हां, बर्फ पर गिरने का खतरा ज्यादा होता है। आप ठंड के समय में छुट्टियों पर निकलें और आपके साथ कोई ऐसा शख्स न हो जो दस्ताने, फोन, स्कार्फ संभाल सके, तो मुश्किल और भी बढ़ जाती है।' शेफाली शाह ने यशराज फिल्म्स का जिक्र करते हुए आगे कहा, 'शिफॉन साड़ियां तो यशराज फिल्मों में अच्छी लगती हैं, रियल लाइफ में नहीं, क्योंकि ठंड में उंगलियां जाती हैं। ठंड को हल्के में न लें। यहां कम-ज्यादा नहीं, बल्कि ज्यादा लेयरिंग करें। हो सके तो जैकेट के नीचे 64 थर्मल लेयर पहन लें। जो लोग सर्दी के कपड़ों में स्टाइलिश दिखते हैं, वो शेफाली तो पक्का नहीं हो सकते हैं। अच्छे कपड़े या गर्म रहकर जिंदा रहना, मैंने दूसरे का चुनाव किया। स्नो पैंट स्टाइल के लिए नहीं, बल्कि गीला होने से बचाने के लिए होते हैं, इसलिए जरूर पहनें। एक आउटफिट तैयार करने में तीन घंटे लग जाते हैं - लेयरिंग, जूते के फीते बांधना, दस्ताने उतारना-पहनना और आखिर में पता चलना कि अंदर की थर्मल लेयर भूल गए।' एक्ट्रेस ने आगे बताया,' पुराने स्नो शूज न पहनें, नहीं तो 'सोल लेस' हो जाएंगे। हील वाले बूट सेक्सी हैं, लेकिन भद्दे कपड़े पहनकर जिंदा रहना बेहतर है। स्टाइलिश कपड़ों में ठंड से बचाव नहीं हो सकता। '

उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग?

51 साल की अभिनेत्री ने अफवाहों पर दिया रिएक्शन

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने 1977 की फिल्म 'कर्म' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग डेब्यू किया था। 1991 में, उन्होंने 'नरसिम्हा' से लीड रोल में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'रंगीला', 'जुदाई', 'कौन', 'भूत' और 'पिंजर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, वह कई वर्षों से स्क्रीन से दूर हैं, जिससे दर्शकों को लगता है कि उन्होंने शायद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। फिल्म से दूरी बनाने की अफवाहों पर उर्मिला ने अपनी बात रखी है। फिल्मों से दूरी बनाने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्मिला मातोंडकर ने एचटी से कहा, 'जब मेरे काम की बात आती है, तो मैं हमेशा सेलेक्टिव रही हूं। अगर किसी को लगा कि शायद मैं फिल्में नहीं कर रही हूं या कुछ और, तो मैं किसी को दोष नहीं दे सकती। हालांकि ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला

उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा 'अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है।' उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, 'मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर।

बिना आरडीएक्स के वेलकम अधूरी

फिल्म के 18 साल पूरे होने पर अनिल कपूर ने किया फिरोज को याद

बॉलीवुड की यादगार कॉमेडी फिल्मों में शामिल 'वेलकम' जैसी फिल्म को आज तक याद किया जाता है। मल्टीस्टार कास्ट से सजी इस फिल्म की खासियत यह रही कि हर किरदार ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में जगह बना ली। चाहे 'मेरी एक टांग नकली है, मैं हॉकी का बहुत बड़ा खिलाड़ी था' जैसे डायलॉग से हंसी बटोरने वाले मुश्ताक खान हों या फिर 'देखो वो जिंदा है' कहकर याद रह जाने वाली सुप्रिया कार्निक, फिल्म का हर किरदार आज भी लोगों को याद है। अब जब इस कॉमेडी क्लासिक के 18 साल पूरे हो चुके हैं, तो अभिनेता अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़े अपने पुराने साथी और दिवंगत अभिनेता-निर्माता फिरोज खान को याद करते हुए उनसे जुड़ी यादों को साझा किया है। वेलकम फिल्म के 18 साल होने पर अनिल कपूर ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को ताजा किया है और फिल्म के सुपरहिट होने का श्रेय भी दिवंगत फिरोज खान को दिया है। अभिनेता ने फिल्म की पुरानी फोटोज को शेयर कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'वेलकम के 8 साल। यह फिरोज खान साहब के लिए है। आरडीएक्स के बिना 'वेलकम' अधूरी थी, ठीक वैसे ही जैसे मोगैम्बो के बिना 'मिस्टर इंडिया' अधूरा थी। दोनों की जगह कोई नहीं ले सकता। उन्होंने आगे लिखा, 'मुझे स्क्रिप्ट सुनते समय याद है, मैं सोच रहा था कि यह कैसी बनेगी। पिक्चर यहीं रुक जाती है, बैठ जाती है। अनीस भाई ने कहा, 'चिंता मत करो, फिरोज साहब पिक्चर संभाल लेंगे,' और उन्होंने ऐसा ही किया। आरडीएक्स ने फिल्म को ऊपर उठा दिया।

साभार एजेंसी

योगी सरकार ने शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश किया

लखनऊ (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों में अनुपूरक बजट पेश किया। अनुपूरक बजट में विकासपरक क्षेत्रों को प्राथमिकता मिली है। योगी सरकार ने कैबिनेट से पास कराने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट प्रस्तुत किया, जिसका कुल आकार 24,496.98 करोड़ रुपये है। यह मूल बजट (आठ लाख, आठ हजार करोड़ रुपये) का करीब 3.03 प्रतिशत है। अनुपूरक बजट को कैबिनेट से पास कराने के बाद दोपहर में सदन में पेश किया। अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर अनुपूरक बजट में सरकार ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं के लिए धनराशि दी है। एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के कार्यों के लिए भी धनराशि के साथ लोक निर्माण विभाग को भी सड़क परियोजनाओं के लिए राशि प्रदान की। ग्राम्य विकास, धर्मार्थ कार्य व पर्यटन स्थलों के विकास के लिए भी सरकार अनुपूरक बजट में धनराशि दी है। इस अनुपूरक बजट का मुख्य उद्देश्य मौजूदा योजनाओं में अपर्याप्त प्रावधानों को पूरा करना, नई आवश्यकताओं को पूरा करना और विकास कार्यों को बिना रुकावट के आगे बढ़ाना है। इसमें राजस्व व्यय के लिए 18,369.30 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय के लिए 6,127.68 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम पर लगाया 2.37 लाख का चूना

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। साइबर फ्रॉड गिरोह के शातिर बदमाशों ने बसंतपुरपट्टी निवासी सुजीत कुमार के खाते में सेंध लगा दी। साइबर ठगों ने वाहन चालान के नाम एक संदिग्ध एपीके फाइल भेजा। इस पर क्लिक कर मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद शातिरों ने उनके फ्लिपकार्ट अकाउंट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर करीब 2.37 लाख की ऑनलाइन शॉपिंग कर डाली। पीड़ित के अनुसार, उनके मोबाइल पर वाहन चालान कटने का एक संदेश आया था। संदेश के साथ एक लिंक दिया गया था, इस आधिकारिक समझकर जैसे ही उन्होंने क्लिक किया, मोबाइल हाथ काम करना बंद कर दिया। मोबाइल हैक करने के बाद शातिरों ने क्रेडिट कार्ड्स का विवरण हासिल कर खरीदारी शुरू कर दी। क्रेडिट कार्ड से 1 लाख 36 हजार 248 और 70 हजार 298 रुपये की दो बार में शॉपिंग की। इसके बाद दूसरे क्रेडिट कार्ड से 30 हजार 386 की शॉपिंग की। तीसरे क्रेडिट कार्ड से 70 हजार 298 की शॉपिंग की गई। ऑर्डर कैंसिल होने के कारण यह राशि वापस आ गई। 2.37 लाख रुपये ठगी के बाद पीड़ित ने साइबर थाने में प्राथमिकी कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रांजैक्शन डिटेल्स के जरिए शातिरों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

गणतंत्र दिवस समारोह के चलते सुरक्षाबलों ने चलाया स्टेडियम के पास तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने बख्शी स्टेडियम के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। बख्शी स्टेडियम कश्मीर में गणतंत्र दिवस समारोह का मुख्य आयोजन स्थल है। अमीराकदल और महाराजा बाजार के घनी आबादी वाले व्यावसायिक क्षेत्रों की कुछ आवासीय इकाइयों में विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और मेटल डिटेक्टर की मदद ली गई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक सुरक्षा बलों को तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि तोड़फोड़ विरोधी जांच और तलाशी अभियान बख्शी स्टेडियम के पास स्थित क्षेत्रों में चलाए गए जो कश्मीर में गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य स्थल है। लाल चौक स्थित ऐतिहासिक क्लॉक टावर अमीराकदल से कुछ ही दूरी पर स्थित है जहां तलाशी अभियान चलाया। क्लॉक टावर पिछले चार सालों में एक पर्यटन केंद्र में बदल गया है।

भारतीय नौसेना की जासूसी करने के मामले में तीसरा आरोपी भी पकड़ाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। उडुपी पुलिस ने मालपे कोचीन शिपयार्ड से जुड़े कर्मचारियों ने भारतीय नौसेना से संबंधित संवेदनशील जानकारी लीक करने के मामले में तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि तीसरे आरोपी की पहचान गुजरात के आणंद जिले के कैलाश नगरी निवासी भरत कुमार खदयाट के पुत्र हिरेंद्र कुमार (34) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने अवैध वित्तीय लाभ के बदले नौसेना संचालन और प्रतिष्ठानों से संबंधित गोपनीय जानकारी को पाकिस्तान स्थित अपने संचालकों को भेजने का शक है। इससे पहले 21 नवंबर को पुलिस ने इस मामले में यूपी के रहने वाले रोहित और संत्री को गिरफ्तार किया था। तीनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। पुलिस इनसे पूछताछ कर जानकारी हासिल करेगी कि इन्होंने संवेदनशील जानकारी किसको पहुंचाई।

यूक्रेनी सेना की कैद में भारतीय छात्र... मां को भेजा वीडियो संदेश, पीएम मोदी से मदद की गुहार

अहमदाबाद (एजेंसी)। यूक्रेनी सेना की कैद से गुजरात के एक छात्र साहिल मोहम्मद हुसैन ने वीडियो संदेश भेजा है। इसमें भारतीय युवाओं से किसी भी परिस्थिति में रूसी सेना में शामिल न होने की अपील की गई है। भारतीय छात्र हुसैन का आरोप है कि रूस में एक झूठे ड्रग्स मामले में फंसाकर ब्लैकमेल किया और जबरन रूसी सेना में शामिल होने के लिए मजबूर किया। हुसैन को यूक्रेन में अभी कहा रखा गया है इसकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। यूक्रेनी सुरक्षा बलों ने हुसैन के वीडियो गुजरात में उसकी मां को भेजा। इसके बाद मां ने बेटे की सुरक्षित वापसी के लिए दिल्ली की अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की अगली सुनवाई फरवरी में होगी। वीडियो में हुसैन कह रहा है कि मैं 2024 में पढ़ाई के लिए रूस आया था। लेकिन आर्थिक और वीजा संबंधी समस्याओं के कारण मैं कुछ रूसियों के संपर्क में आया, जो बाद में नशीले पदार्थों के धंधे से जुड़े निकले। रूस में कम से कम 700 लोगों को ड्रग्स के आरोप में जेल में डाला गया। लेकिन जेल प्रशासन ने सिर्फ मुझे ही ऑफर दिया कि अगर मैं रूसी सेना में शामिल होता हूं, तब ड्रग्स केस वापस ले लिया जाएगा। मैंने उनकी बात मानकर 15 दिनों के प्रशिक्षण के बाद सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। मोर्चे पर पहुंचते ही मैंने सबसे पहले यूक्रेनी सेना के सामने आत्मसमर्पण किया। अब मैं उनके कब्जे में हूं। लेकिन रूस आने वाले युवाओं के लिए मेरा संदेश है, 'सावधान रहें'। यहां बहुत से ठग हैं जो आपको झूठे ड्रग्स केस में फंसा सकते हैं। मैं भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं, कृपया मेरी मदद करें। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हाल ही में भारत आए थे। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि मेरी सुरक्षित घर वापसी के लिए पुतिन से बात करें।

हिमाचल में बदला मौसम: ऊंची चोटियों पर बर्फबारी, मैदानी इलाकों में घने कोहरे ने घेरा

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे समूचा प्रदेश कड़ाके की ठंड की चपेट में आ गया है। रविवार को राज्य के ऊंचाई वाले इलाकों, विशेष रूप से रोहतांग दर्रा, अटल टनल के आसपास के क्षेत्रों और शिंकुला दर्रा पर हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। इस ताजा हिमपात ने जहां पहाड़ों पर चांदी जैसी सफेदी बिखेर दी है, वहीं निचले इलाकों में भी मौसम काफी खराब बना हुआ है। पर्यटन नगरी मनाली, कुल्लू और राजधानी शिमला सहित कई स्थानों पर दिन भर बादलों का डेरा रहा, जिससे धूप की तपिश कम हो गई और ठिठुरन बढ़ गई। मैदानी जिलों जैसे बिलासपुर और ऊना में घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम रही, जबकि मंडी जिले के कुछ हिस्सों में भी धुंध का असर देखा गया। राज्य के कम से कम 25 प्रमुख शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर चुका है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आगामी दिनों के लिए चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि प्रदेश में मौसम और बिगड़ने की संभावना है। 22 दिसंबर को किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिलों के कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज बर्फीली हवाएं चलने का अनुमान है, जिसके लिए विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही चंबा, लाहौल-स्पीति और किन्नौर के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। कांगड़ा, मंडी, शिमला और कुल्लू जैसे मध्य पहाड़ी जिलों में भी एक-दो स्थानों पर फुहारें पड़ने या हल्का हिमपात होने की उम्मीद है। मैदानी क्षेत्रों, विशेषकर भाखड़ा बांध के समीपवर्ती इलाकों और मंडी की बल्ह घाटी में 25 दिसंबर तक सुबह और देर रात के समय घना कोहरा छाए रहने की भविष्यवाणी की गई है, जो यातायात के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

तापमान के आंकड़ों पर नजर डालें तो लाहौल-स्पीति का कुकुमसेरी प्रदेश में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे -2.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ताबो में पारा 1.1 डिग्री रहा, जबकि कल्पा में 3.4 और सोलन में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी शिमला में न्यूनतम तापमान 11.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो ऊंचाई के हिसाब से अन्य क्षेत्रों की तुलना में थोड़ा अधिक है। सुंदरनगर, ऊना, नाहन और हमीरपुर जैसे इलाकों में भी न्यूनतम तापमान 5 से 8 डिग्री के बीच बना हुआ है। आगामी 3 से 4 दिनों में राज्य भर के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आने की संभावना है।

दिन के तापमान की बात करें तो सोलन में अधिकतम पारा 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सर्वाधिक रहा। शिमला में अधिकतम तापमान 17.3 डिग्री, जबकि मनाली में 15.2 और कुफरी में 14.1 डिग्री सेल्सियस रहा। जनजातीय क्षेत्रों जैसे ताबो और कुकुमसेरी में दिन का तापमान भी 11 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 27 दिसंबर तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम मुख्यतः साफ रहेगा, लेकिन इस दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रहने से सुबह और शाम की ठंड और अधिक कष्टदायक हो सकती है। ऊंची पहाड़ियों पर तापमान गिरने से प्राकृतिक जल स्रोतों के जमने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

मुंबई जा रहा एयर इंडिया के विमान में आई तकनीकी गड़बड़ी, वापस दिल्ली की लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से मुंबई जा रही एयर इंडिया की उड़ान में तकनीकी समस्या आने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान ने सोमवार को दिल्ली से टेक-ऑफ किया था, लेकिन कुछ ही देर बाद तकनीकी गड़बड़ी के संकेत मिलने पर फ्लाइट क्रू ने स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत एहतियातन वापस लौटने का फैसला लिया। जानकारी के मुताबिक विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारा गया और सभी यात्री व क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकाले गए। यात्रियों को हुई इस असुविधा के लिए एयर इंडिया ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, लेकिन यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा कंपनी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विमान की वापस लैंडिंग के बाद तकनीकी जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इंजीनियरिंग टीम विमान का निरीक्षण में जुट गई है। विमान की लैंडिंग के बाद ग्राउंड स्टाफ ने दिल्ली में यात्रियों को तत्काल मदद पहुंचाई। साथ ही, यात्रियों को मुंबई भेजने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई है। विमान की लैंडिंग को लेकर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत 22 दिसंबर को दिल्ली से मुंबई जाने वाली फ्लाइट एई887 के क्रू ने तकनीकी गड़बड़ी के कारण टेक-ऑफ के तुरंत बाद दिल्ली लौटने का फैसला किया। दिल्ली में विमान सुरक्षित लैंड कर गया है। साथ ही यात्रियों और क्रू को विमान से उतार लिया गया। प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया इस अप्रत्याशित स्थिति के कारण हुई असुविधा के लिए माफी मांगती है। विमान की जरूरी जांच की जा रही है। दिल्ली में हमारी ग्राउंड टीम यात्रियों को तुरंत मदद दे रही है और उन्हें जल्द ही उनके डेस्टिनेशन तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए गए हैं। एयर इंडिया में हमारे यात्रियों और क्रू की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मनरेगा के मुद्दे पर हमलावर अखिलेश यादव... केंद्र सरकार ने करोड़ों जाब कोर्ड को रद्द किया

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव द्वारा मनरेगा के मुद्दे पर केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर हमला किया है। उनके आरोपों का मुख्य केंद्र करोड़ों जॉब कार्डों का रद्द होना और केंद्र द्वारा पेश किए गए नए वित्तीय बदलाव हैं।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि कई राज्यों में लाखों मनरेगा कार्ड रद्द कर दिए गए हैं। उनके अनुसार, यह सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को दिखाता है। उनके द्वारा दिए गए आंकड़े इस प्रकार हैं- बिहार 1.04 करोड़, उत्तर प्रदेश 90.4 लाख, ओडिशा 41.6 लाख, मध्य प्रदेश 32.7 लाख, पश्चिम बंगाल 24.2 लाख, राजस्थान 10.5 लाख मनरेगा कार्ड रदद कर दिए गए है।

हाल ही में सदन में पास हुए बिल वीबी-जी राम जी विधेयक की कड़ी आलोचना करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच 60-40 का प्रस्तावित बंटवारा राज्य सरकारों पर भारी वित्तीय बोझ डालेगा। उनका मानना है कि इस बदलाव से केंद्र और राज्यों के बीच विवाद बढ़ेगा और फंड मिलने में देरी होगी, जिससे अंततः गरीब मजदूरों को नुकसान होगा। सपा प्रमुख ने केंद्र सरकार की नीतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा के शासन में सकारात्मक चीजें (जैसे रोजगार और योजना का लाभ) घट रही हैं, जबकि नकारात्मक चीजें (महंगाई, भ्रष्टाचार और नफरत) बेलगाम बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश जैसी सरकारें अपने आंकड़ों में हेराफेरी कर रही हैं ताकि अपनी विफलताओं को छिपा सकें। यह विवाद मुख्य रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ मनरेगा के भविष्य और उसकी फंडिंग को लेकर है। विपक्ष इसे गरीबों के अधिकारों पर हमला बता रहा है, जबकि प्रशासनिक दृष्टिकोण से अक्सर डुप्लीकेट कार्डों या आधार लिंकिंग न होने के कारण कार्ड रद्द किए जाते हैं।

ब्रिटेन में भारी ठंड और 'स्नो बॉम्ब' की चेतावनी

अरणि गौड़
(यूके संवाददाता)

लंदन (शिखर समाचार) यूके में सर्दियों का असली असर दिखने लगा है। मौसम मानचित्र और विशेषज्ञों के नवीनतम विश्लेषण से पता चलता है कि इस साल शीत लहर और बर्फबारी की स्थिति सामान्य से कहीं अधिक गंभीर हो सकती है, जिससे देश भर में मौसम हालात और भी चुनौतीपूर्ण बन सकते हैं।

क्रिसमस पर कड़ाके की ठंड

मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि स्कॉटलैंड सहित कई हिस्सों में तापमान गिरकर लगभग -5°C तक पहुंच सकता है, जिससे इस हफ्ते ब्रिटेन में भयंकर ठंड की लहर देखने को मिलेगी। अगर हवा की दिशा बदलती है तो पूर्वी और दक्षिणी इलाकों में बर्फबारी या स्लीट भी हो सकती है। इस सर्दी की अवधि नए साल तक बरकरार रहने की उम्मीद जताई जा रही है।

'स्नो बॉम्ब' - 96 घंटे तक बर्फबारी की संभावना

नए मौसम मानचित्रों के अनुसार एक बड़ा 'स्नो बॉम्ब' ब्रिटेन को निशाना बना सकता है। इन मानचित्रों में लगभग 60-510 मील लंबी बफीर्ली प्रणाली दिख रही है, जिसके कारण बाद में 96 घंटे तक लगातार बर्फबारी और तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की जा रही है। इससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो सकता है।

यात्रा और जनजीवन पर असर

विशेषज्ञों ने पूर्वानुमान में कहा है कि बर्फबारी और जमने वाली सड़कों पर पाला

और बर्फ पैदा कर सकती है, जिससे यातायात, रेल सेवाएं और उड़ानों में बाधा हो सकती है। ठंडी हवाओं के चलते घरों में हीटिंग की मांग बढ़ सकती है और लोगों को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मौसम अपडेट नियमित देखने की सलाह दी जा रही है।

ब्रिटेन में क्रिसमस के आसपास तापमान -5°C के आसपास गिरने का अनुमान

मौसम मानचित्रों में 'स्नो बॉम्ब' प्रणाली के संकेत, जिससे लगातार बर्फबारी का खतरा।

मौसम विभाग और विशेषज्ञों ने सावधानी बरतने और ताजा मौसम अपडेट देखते रहने की सलाह दी है।

इस सर्दी के दौरान ब्रिटेन के नागरिकों को लंबे समय तक कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए लोगों को तैयार रहने की आवश्यकता है।

आरएसएस भाजपा की राजनीतिक ढाल, आप सांसद संजय सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने भाजपा और आरएसएस के बीच के वैचारिक और संगठनात्मक संबंधों पर एक तीखा हमला किया है। आप सांसद ने आरएसएस की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर इस भाजपा की राजनीतिक ढाल करार दिया है। आप सांसद सिंह का तर्क है कि दोनों संगठन एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा के सदस्य गर्व से खुद को स्वयंसेवक बताते हैं और आरएसएस ने ही भाजपा की नींव रखी है। उनका आरोप है कि भाजपा द्वारा विपक्षी पार्टियों को तोड़ने, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग जैसे गंभीर मुद्दों पर संघ ने हमेशा चुप्पी साधी रखी है। आप नेता के अनुसार, आरएसएस केवल एक सांस्कृतिक संगठन नहीं है, बल्कि वह जमीन पर भाजपा के लिए चुनावी मशीनरी की तरह काम करता है। इसके विपरीत, मोहन भागवत ने कोलकाता में संघ की एक स्वतंत्र पहचान पर जोर दिया। भागवत का कहना है कि संघ को भाजपा के चश्मे से देखना एक बड़ी गलती है। उनके अनुसार, आरएसएस को अन्य राजनीतिक या सेवा संगठनों के साथ तुलना करके नहीं समझा जा सकता। इसकी कार्यप्रणाली और उद्देश्य राजनीति से परे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो लोग संघ को केवल भाजपा का विस्तार मानते हैं, वे संगठन की व्यापकता और उसके 100 साल के इतिहास को समझने में विफल रहे हैं। यह वाकयुद्ध तब समय में हो रहा है जब विपक्ष लगातार यह नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहा है कि संवैधानिक संस्थाओं और सांस्कृतिक संगठनों पर एक विशेष विचारधारा का प्रभुत्व बढ़ रहा है।

भागवत के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश का पलटवार... गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और महासचिव जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान की निंदा की, जिसमें उन्होंने आरएसएस के गठन के कारण और सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा दिए गए निर्देशों पर सवाल उठाया था। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। देश के पहले गृहमंत्री पटेल ने गुरु गोलवलकर से क्या कहा था? आप एक गुप्त संगठन हैं। एक संस्था बनिए। पारदर्शिता लाइए। गुप्त रूप से काम मत कीजिए। यह सरदार पटेल का आरएसएस को लिखा पत्र है।

कांग्रेस नेता रमेश ने आरएसएस की इस बात पर आलोचना की कि संगठन ने 50 वर्षों से अधिक समय तक अपने नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया, ध्वज संहिता में बदलाव के बाद ही 2002 में फिर से शुरू किया।

इसके अलावा, रमेश ने संघ की विचारधारा पर सवाल उठाकर 26 नवंबर, 1949 को भारत के संविधान को अपनाने के कुछ दिनों बाद रामलीला मैदान में अंबेडकर, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के पुतले जलाने की घटना का जिक्र किया। उन्होंने पूछा, किस विचारधारा ने ऐसा माहौल बनाया, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई?

उन्होंने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद और कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश का जिक्र किया, जिनसे जब पूछा गया कि गांधी या गोडसे? तब उन्होंने कहा, मुझे सोचना पड़ेगा, फिर भी उन्हें टिकट मिला और जिताया गया। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोग राष्ट्रवाद के प्रमाण पत्र बांटने में व्यस्त हैं। उनकी ये टिप्पणियां आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान के बाद आईं, जिसमें उन्होंने कहा था कि आरएसएस एक कट्टर राष्ट्रवादी संगठन है।

कोलकाता में आरएसएस 100 व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित कर संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि संघ हमेशा से यह तर्क देता आया है कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है, क्योंकि यहां की संस्कृति और बहुसंख्यक लोगों का हिंदू धर्म से जुड़ाव है। हालांकि, धर्मनिरपेक्ष शब्द मूल रूप से संविधान की प्रस्तावना का हिस्सा नहीं था, लेकिन इस तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल के दौरान संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा समाजवादी शब्द के साथ जोड़ा गया था।

जांच हुई तेज- मुख्यमंत्री नीतीश को धमकी देने वाला पाकिस्तानी गैंगस्टर भट्टी पुलिस की रडार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सोशल मीडिया के जरिए धमकी देने वाले पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के खिलाफ पटना पुलिस ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। एक मिनट का वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री को सीधे तौर पर धमकाने वाले इस गैंगस्टर की तलाश के लिए पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शहजाद भट्टी वर्तमान में कहां छिपा है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उसकी सक्रियता का क्या स्वरूप है।

इस गंभीर मामले की जांच के लिए पटना पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी को आधिकारिक ई-मेल भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी है। पुलिस ने विशेष रूप से यह पूछा है कि गैंगस्टर ने यह विवादित वीडियो पाकिस्तान के किस शहर या स्थान से अपलोड किया था। सोशल मीडिया

कंपनियों से उस अकाउंट का आईपी एड्रेस और लॉगिन हिस्ट्री भी मांगी गई है, ताकि उसकी सटीक लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर थाने में इस संबंध में पहले ही प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और पुलिस को अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जवाब का इंतजार है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी कमान पटना के आईजी जितेंद्र राणा खुद संभाल रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जैसे ही तकनीकी रिपोर्ट प्राप्त होगी, जांच के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह पूरा विवाद हाल ही में मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम से शुरू हुआ, जहां आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे थे। इस कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जिसमें एक महिला चिकित्सक नुसरत परवीन के हिजाब को लेकर मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया था। इसी घटना को आधार बनाकर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो संदेश जारी किया। उसने मुख्यमंत्री को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की धमकी देते हुए कहा कि एक उच्च पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा महिला के साथ ऐसा व्यवहार करना निंदनीय है। गैंगस्टर ने अपने संदेश में चेतावनी दी थी कि यदि मुख्यमंत्री ने माफी नहीं मांगी, तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। फिलहाल पुलिस इस अंतरराष्ट्रीय धमकी के पीछे के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

हसीना बोलीं- यूनुस ने हिंसा की आग में झौंक दिया बांग्लादेश, ऐसे तो नामोनिशान मिट जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के बाद सड़कों पर शांति भले ही लौटती दिख रही हो, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कड़वाहट और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश की वर्तमान अंतरिम सरकार और उसके मुखिया मोहम्मद यूनुस पर सीधा प्रहार किया है। भारत में प्रवास के दौरान दिए गए अपने एक विस्तृत साक्षात्कार में उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि बांग्लादेश में व्याप्त अराजकता और अस्थिरता के लिए पूरी तरह से मोहम्मद यूनुस जिम्मेदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी सरकार को गिराने के लिए जिस कानूनहीनता का सहारा लिया गया था, वह अब यूनुस प्रशासन के तहत कई गुना बढ़ चुकी है।

भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए शेख हसीना ने कहा कि रिश्तों में आई यह खटास वर्तमान अंतरिम सरकार की नीतियों का परिणाम है। उनके अनुसार, यूनुस प्रशासन लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है और देश के भीतर धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने चरमपंथी तत्वों को विदेश नीति तय करने की खुली छूट दे दी है, जिससे पड़ोसी देशों के साथ दशकों पुराने भरोसेमंद रिश्तों पर बुरा असर पड़ा है। अवामी लीग की नेता ने हाल ही में एक हिंदू युवक की नृशंस हत्या का उदाहरण देते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा देश की सांप्रदायिक सद्भावना को नष्ट कर रही है।

शेख हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे पुराना और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच के ऐतिहासिक संबंध किसी भी अस्थायी सरकार के कार्यकाल से कहीं अधिक मजबूत और गहरे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जब बांग्लादेश में पुनः कानून का राज स्थापित होगा, तब दोनों देश एक बार फिर उसी समझदारी और सहयोग की ओर लौटेंगे, जिसे उनकी सरकार ने पिछले 15 वर्षों में सींचा था। अपने विरुद्ध चल रहे कानूनी मुकदमों और ट्रिब्यूनल के फैसलों पर उन्होंने कहा कि ये तमाम कार्रवाइयां न्याय के लिए नहीं, बल्कि उन्हें राजनीतिक रूप से समाप्त करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने शिकायत की कि उन्हें अपना पक्ष रखने या अपनी पसंद का वकील चुनने का उचित अवसर तक नहीं दिया गया।

आगामी चुनावों की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए शेख हसीना ने चेतावनी दी कि अवामी लीग की भागीदारी के बिना होने वाला कोई भी चुनाव लोकतांत्रिक निर्वाचन नहीं, बल्कि केवल एक ताजपोशी बनकर रह जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को जनता ने नौ बार जनादेश दिया है, उसे प्रतिबंधित करने की कोशिश लाखों नागरिकों को उनके मताधिकार से वंचित करने जैसा है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि मतदाताओं को उनकी पसंदीदा पार्टी को वोट देने का मौका नहीं मिला, तो वे चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे, जिससे नई सरकार की नैतिक वैधता समाप्त हो जाएगी।

अंत में, अपने प्रत्यर्पण की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने इसे दिशाहीन प्रशासन की हताशा बताया। शेख हसीना ने कठिन समय में शरण और सम्मान देने के लिए भारत सरकार और वहां के सभी राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपना देश

केवल इसलिए छोड़ा ताकि और अधिक निर्दोष लोगों का खून न बहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह न्याय का सामना करने से नहीं डरतीं और उचित समय आने पर वे देश की लोकतांत्रिक बहाली के लिए अपनी भूमिका निभाएंगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)